ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 01 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-121

नेहा हत्याकांड पर पर्दा डालने की हो रही कोशिश : आर अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

दो ध्रुवों पर केंद्रित हो रही तेलंगाना की सियासत

केसीआर के दिन तो गए...

तेलंगाना राज्य के निर्माण के आंदोलन से खड़ी होकर 10 साल तक राज्य में सत्ता चलाने वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)

अनेक दिग्गज नेताओं ने छोड़ दिया केसीआर का साथ

केसीआर काल में सत्ता भोगने वाले ओवैसी ने भी छोड़ा

के लिए चुनावी मौसम सियासी लपटों से तप्त है। पांच महीने पहले नवंबर 2023 में सत्ता से बेदखल हुई बीआरएस ही तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों में से सबसे ज्यादा 9 सीटों पर काबिज है। सवाल है कि ये सीटें अब बचेंगी या नहीं। सवाल इसलिए भी गहरा है क्योंकि बीआरएस के चार मौजूदा सांसदों समेत कई विधायक और पूर्व विधायक पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। बीआरएस के शासनकाल की तारीफ करते लोग तपाक से यह भी जोड़ते हैं कि उन्होंने पैसा खूब बनाया। यह वोट बैंक खिसकने का संकेत है। यह किसकी झोली भरेगा। कांग्रेस, भाजपा या फिर दोनों की। होड़ और खींचतान इसी बात को लेकर की है।

तेलंगाना में चुनाव कैसा चल रहा है। इसका रुझान मिलता है तेलंगाना के आम लोगों से बात करके। लोग कहते हैं, बीआरएस तो डूब ही गई। इसकी पुष्टि विधानसभा चुनाव के नतीजे भी करते हैं, जिसमें बीआरएस को सत्ता से बाहर होना पड़ा और 10 फीसदी वोट भी गंवाने पड़े।

राज्य में कांग्रेस सशक्त होकर उभरी और सिर्फ दो फीसदी ज्यादा मत हासिल करके सत्ता छीनी और बीआरएस में भगदड़ भी मचा दी। 27 अप्रैल को 23 बरस की हुई बीआरएस के लिए लोकसभा का यह चुनाव उसके अस्तित्व से जुड़ा है। पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ही हैं। वह 17 दिन, 17 लोकसभा सीट का संकल्प लेकर महबूबनगर से तूफानी चुनावी अभियान शुरू कर चुके हैं। महबूबनगर से 2009 में सांसद रहते हुए आंध्र प्रदेश से अलग तेलंगाना राज्य की मांग के लिए

शुभ-लाभ सियासी-विमर्श

पोस्टरों से भी गायब के कविता, पिता भी कर रहे परहेज

बीआरएस से खिसके वोटर्स पटाने में लगी भाजपा-कांग्रेस

केसीआर ने आमरण अनशन शुरू किया था। केसीआर ने 11 दिन बाद ही केंद्र की यूपीए सरकार को झुकने के लिए विवश कर दिया था। केसीआर ने चुनावी बस यात्रा के पहले संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे ज्यादा निशाने पर लिया। केंद्र की योजनाओं का मखौल उड़ाया। भाजपा का नारा भी बदला, सबका साथ-सबका विकास, सबका सत्यानाश। जबकि लोग कहते हैं कि केसीआर खुद ही अपना सत्यानाश करने पर तुले हैं।

केसीआर इसी तेवर से कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार को भी घेर रहे हैं। कहते हैं, किसानों की कर्जमाफी और महिलाओं को पेंशन सिर्फ शिगूफा है, जो कभी पूरा नहीं होगा। तेलंगाना में असल मुद्दा है भ्रष्टाचार। केसीआर के राज में पब्लिक सर्विस कमीशन के दो-दो बार पेपर लीक हुए और पान दुकान पर बिकते पाए गए। इससे युवाओं में काफी गुस्सा है। जागरूक युवा कहते हैं कि बीआरएस की दुर्गति का कारण केसीआर ही हैं।

तेलंगाना और महाराष्ट्र की चुनावी सभाओं में बोले पीएम मोदी

60 साल बनाम 10 साल का फर्क देश के सामने है

मैंने शरीर का कण-कण और समय का पल-पल देश सेवा में लगाया

उन्होंने देश का जन-धन और संसाधनों का कण-कण लूटा खसोटा है

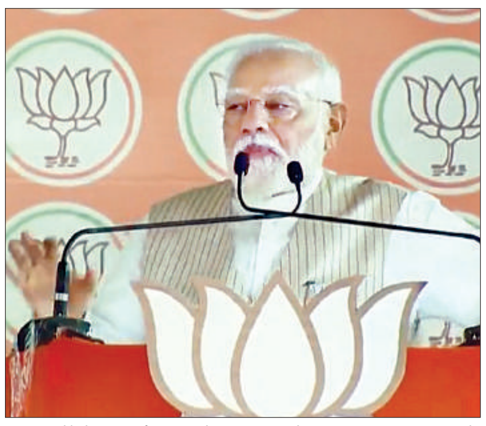

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
तीसरे चरण के मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के मेडक जिले और महाराष्ट्र के माढा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 60 साल बनाम 10 साल का फर्क देश के सामने है। मैं देश के लिए क्या किया, यह देश देख रहा है। मैंने अपने शरीर का कण-कण और समय का पल-पल देश सेवा में लगाया है। जबकि उन्होंने देश का जन-धन और संसाधनों का कण-कण अपने और अपने परिवार वालों के लिए लूटा खसोटा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकार राज्यों को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने का काम कर रही है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल की तुलना अपने दस वर्षों के कार्यकाल से की। इसके अलावा महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजना को लेकर भी उन्होंने कांग्रेस को घेरा। इस दौरान पीएम मोदी ने विकसित भारत बनाने में महिलाओं के योगदानों की भी सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा, बीते 10 साल में आपने जब से मुझे काम दिया है, मैंने अपने शरीर का कण-कण और समय का पल-पल आपकी सेवा में लगाया है। आज देश के लोग, महाराष्ट्र के लोग, मोदी सरकार के 10 साल और कांग्रेस सरकार के 60 साल में अंतर देख रहे हैं। कांग्रेस 60 वर्षों में जो नहीं कर पाई, आपके इस सेवक ने 10 साल में करके दिखाया है। पीएम मोदी ने कहा, 2014 में सरकार बनने के बाद, मैंने पूरी शक्ति सिंचाई परियोजनाओं पर लगा दी। कांग्रेस की लटकाई 100 परियोजनाओं में से 63 हमने पूरी की हैं। हर खेत में, हर घर तक पानी पहुंचाना मेरे जीवन का बहुत बड़ा मिशन है। पीएम ने कहा, कांग्रेस को देश ने 60 साल तक राज करने का मौका दिया।

जनता के बीच उजागर करें कांग्रेस और इंडी के षडयंत्र

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण से पहले सभी भाजपा उम्मीदवारों के नाम एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने उम्मीदवारों से अनुरोध किया है कि वे कांग्रेस और इंडी गठबंधन की उन रणनीति को जनता के बीच उजागर करें, जिसमें वे एससी-एसटी और ओबीसी से आरक्षण छीन कर मुस्लिमों को दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है कि वह कांग्रेस और इंडी गठबंधन की दमनकारी राजनीति के बारे में जनता को जाग्रत करें।

देश विरोधी हरकतों में कांग्रेस में कम्पिटिशन

अब देश के सामने वोट जेहाद का संकट

भाजपा को वोट देने वाले मुस्लिमों का हुक्का पानी बंद कर दो

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी का वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
लव जेहाद, मजार जेहाद, मदरसा जेहाद, अतिक्रमण जेहाद, धर्मांतरण जेहाद, आतंक जेहाद जैसे तमाम जेहादों में उलझे देश के सामने अब वोट जेहाद सामने आया है। इसमें भी कांग्रेस के नेता और रिश्तेदार कम्पिटिशन में उतर आए हैं। कांग्रेस ने यह ऐलान किया है कि मुस्लिम समुदाय का जो भी व्यक्ति भाजपा को वोट दे उसका मुस्लिम समाज में हुक्का पानी बंद कर दे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम खान का भी नाम इस रेस में शामिल हो गया है। मारिया आलम समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं और इस दौरान उन्होंने वोट-जेहाद करने की बात कही है। उनका विवादित बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और उसकी तीखी निंदा की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप में मारिया आलम कहती है, बहुत अकलमंदी के साथ, बहुत जज्बाती ना होकर, खामोशी के साथ, एक साथ होकर वोटों का जेहाद करो। हम सिर्फ वोटों का जेहाद ही कर सकते हैं और संघी सरकार को भगाने का काम कर सकते हैं। मुझे बहुत शर्म आती है जब मैंने सुना कि कुछ मुस्लिमों ने भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत के साथ मीटिंग की। उनका समाज से हुक्का पानी बंद कर देना चाहिए।

नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन-ऑलआउट जारी

मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर घातक असलहे बरामद

नारायणपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन महिला सहित दस नक्सली मारे गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके से जिला रिजर्व पुलिस बल तथा छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स के जवानों की संयुक्त पार्टी कल रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि आज सुबह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम टेकामेटा और काकुर के मध्य जंगल में पुलिस दल और माओवादी के बीच लगभग एक घंटे तक मुठभेड़ हुई।

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर सर्चिंग के दौरान अब तक तीन महिला माओवादी सहित दस माओवादी कैडर के शव बरामद किए गए हैं जिसकी शिनाख्त की जा रही है। उन्होंने बताया कि सर्च के दौरान पुलिस ने एक एके-47 सहित भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद और दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया है।

राज्य के उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस कामयाबी के लिए डीआरजी और एटीएफ समेत सभी को बधाई दी हैं। सुरक्षा बलों की तारीफ करते हुए कहा कि इस पूरे मुठभेड़ में उनके किसी भी जवान को खरोंच तक नहीं आई है। इस बीच श्री शर्मा ने नक्सलियों के सामने शान्ति वार्ता का प्रस्ताव रखा कि नक्सलियों का छोटा या बड़ा कोई भी ग्रुप वीसी या फिर मध्यस्थ के माध्यम से बातचीत करना चाहता हैं तो उनका स्वागत हैं। राज्य सरकार के पास नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था हैं। इसके तहत तमाम नक्सली आत्मसमर्पण कर जुड़ रहे हैं जो अभी भी नक्सल गतिविधियों में शामिल है वे हिंसा का रास्ता छोडकर समाज की मुख्यधारा से जुड जाएं।

केंद्रीय गृह मंत्री का फर्जी वीडियो जारी करने में कांग्रेसियों का हाथ

सात राज्यों तक फैली दिल्ली पुलिस की जांच

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की जांच सात राज्यों तक फैल चुकी है। पुलिस की टीमें सभी जगह नोटिस देने पहुंच रही हैं।

गृह मंत्री अमित शाह की डॉक्टर्ड वीडियो को सर्कुलेट करने के मामले में दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने 7-8 राज्यो में 16 लोगों को सीआरपीसी 91, 160 के तहत पूछताछ में शामिल होने के लिए सम्मन दिया है।सीआरपीसी

160 के तहत किसी केस की जांच के लिए पुलिस के पास अधिकार होता है कि वो किसी को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस दे। सीआरपीसी 91 के तहत कोई दस्तावेज या गैजेट्स पेश करने के लिए कहा जाता है।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी समेत तेलंगाना कांग्रेस के छह लोग और इनके अलावा कुछ और राज्यो में भी कुछ लोगों को नोटिस देकर पूछताछ में शामिल होने के लिए एक मई को कहा गया है।

अब देखना है कि एक मई को कौन-कौन दिल्ली के द्वारका में आईएफएसओ यूनिट में आकर इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करता है। कौन अपना जवाब ईमेल के जरिए भेजता है। उसी के बाद जांच आगे बढ़ेगी। सभी को अपने साथ अपना मोबाइल, लैपटॉप लाने के लिए कहा गया है।

अमेठी जाने से डर रहे, इसीलिए नहीं लड़ रहे राहुल गांधी

प्रियंका गांधी रायबरेली से नहीं लड़ेंगी चुनाव!

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के तहत अपने कोटे की यूपी की सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, लेकिन अमेठी और रायबरेली को लेकर पार्टी अब तक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। चर्चा थी कि रायबरेली से प्रियंका गांधी वाड्रा और अमेठी से राहुल गांधी चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन अब करीब-करीब यह साफ हो गया है कि प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। कांग्रेस पार्टी ने भी इसके संकेत दे दिए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने पर अभी भी कोई फैसला नहीं हो पाया है। राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ने से हिचक रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी प्रचार तो करेंगी, लेकिन वह खुद लोकसभा चुनावों के लिए दावेदारी नहीं पेश करेंगी। राहुल गांधी के अमेठी से लड़ने को लेकर बुधवार तक पार्टी किसी फैसले तक पहुंच सकती है। दावे ये भी किए जा रहे थे कि सीटों पर प्रत्याशियों के नाम के ऐलान से पहले राहुल अयोध्या में राम मंदिर भी जा सकते हैं लेकिन फिलहाल अब ऐसे कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं।

भारतवर्ष की रीढ़ में नश्तर लगा रही कांग्रेस पार्टी

कांग्रेस नेताओं पर क्यों नहीं दर्ज होता राष्ट्रद्रोह का मुकदमा?

कांग्रेस नेताओं के भारत-विरोधी कृत्यों की लंबी है फेहरिस्त

राष्ट्रीय गौरव, 2047 का भारत, सुरक्षित भारत, विश्वस्तरीय राजमार्ग, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि का जवाब राहुल गांधी लेकर आए हैं कि कांग्रेस पार्टी किसी और की सम्पत्ति छीनकर आपको बांट देगी। सवाल उठता है कि किसकी सम्पत्ति किसको बांटी जाएगी? वास्तव में राहुल गांधी देश की जनता को माओ-स्टालिन-पोलपोट छाप वामपंथी सपना बेचने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें कहा जाता है कि जो कोई भी तुमसे ऊपर है, तुम्हारा दुश्मन है, हम सत्ता में आएंगे तो उसकी सम्पत्ति तुम्हारी हो जाएगी। यानी गरीबी रेखा के उस तरफ खड़ा व्यक्ति, निम्न मध्यम वर्ग की दुकान, मकान का हिसाब करे। अब आम लोगों ने यह कहना और पूछना शुरू कर दिया है कि भारत में रहकर भारत की रीढ़ में नश्तर लगाने वाली कांग्रेस पार्टी के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा क्यों नहीं चलता और भारत के लोग ऐसी पार्टी को क्यों बर्दाश्त कर रहे हैं? निम्न मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग की तरफ देखे। मध्यम वर्ग, उच्च मध्यम वर्ग से और उच्च मध्यम वर्ग धनाढ्य लोगों, कंपनियों और उद्योग जगत से

ईर्ष्या करे। यह है राहुल गांधी की मुहब्बत की दुकान। देश में अराजकता फैलाने पर आमादा, अपने कम्युनिस्ट उस्तादों की नकल करते-करते राहुल अब नक्सली भाषा बोल रहे हैं। इसलिए उन्हें न न्याय की चिंता रही, न संविधान की। आखिरकार राहुल, टैक्स आतंक और लाइसेंस माफिया की समाजवादी विरासत को संभालने वाले शहजादे हैं। उन्होंने देखा है कि तुष्टिकरण की तलवार कमर पर कसकर, गरीबी हटाओ की अफीम जनता को चटाते रहकर, खानदान की सत्ता को बनाए रखा जाता है।

अब कांग्रेस अपने ही बनाए जाल में बुरी तरह फंस चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनावी रैली में कहा, कांग्रेस वोट बैंक के दलदल में इतनी बुरी तरह फंसी हुई है कि उसे बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की भी परवाह नहीं है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में लिखा है कि आपकी सम्पत्ति का सर्वे करेंगे।

उनके नेता कह रहे हैं कि सम्पत्ति का एक्सरे किया जाएगा। एक अन्य सभा में प्रधानमंत्री ने कहा, पहले जब उनकी सरकार थी, तब उन्होंने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब, यह सम्पत्ति इकट्ठी करके किसको बांटेंगे? जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे। घुसपैठियों को बांटेंगे। क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा?

सर्राफ़ा बाज़ार

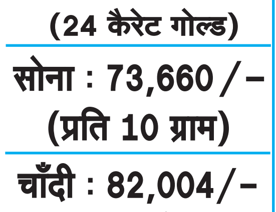

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,660/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,004/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

मिलोगे, मांगोगे तो पाओगे यही जेबीएन का विश्वास: ज्योति जैन

शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन पॉवर की क्या बात, जहां हर महिला आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त होती है। जीतो बिजनेस नेटवर्क का एक मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और जैन समुदाय के भीतर व्यापार बढ़ाने में मदद करना है। रेफरल समूह के दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित होना मेरा सौभाग्य है। मिलोगे और मांगोगे तो पाओगे यही जेबीएन का विश्वास है। जेबीएन देने के लिए ही बना है। यह बात जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा संचालित जेबीएन वी कनेक्ट महिलाओं के रेफरल मीट में नवमनोनीत पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह, जो जीतो कार्यालय राजाजीनगर में था, में जेबीएन एपेक्स संयोजिका ज्योति जैन कलकत्ता ने कही। उन्होंने बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर को बधाई देते हुए कहा कि 43 सदस्यों का पहला महिला रेफरल समूह रेफरल के माध्यम से व्यवसाय उत्पन्न कर रहा है। महिलाएं मल्टीटास्कर होती हैं और घर और काम दोनों को समान रूप से बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकती हैं। उन्हें बस सुविधा क्षेत्र से बाहर आना होगा और गृहिणी से उद्यमी बनने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बड़े सपने देखना होगा। सुमन रांका ने रेफरल हेड, पिंकी मेहता ने रेफरल लीड और सीमा शाह ने रेफरल सेक्रेटरी समेत पूरी टीम ने ज्योति जैन द्वारा शपथ ग्रहण की। रेफरल मीट का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। मुख्य वक्ता जेबीएन संयोजक केकेजी जोन के तुषार बाफना ने कहा कि एक ऐसा मंच है जो आपसी नेटवर्किंग को महत्व देते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। सदस्यों को अपने उत्पादकता, प्रेरणा और आपसी सौहार्द की भावना से एक-दूसरे को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और प्रभावी नेटवर्किंग की अनिवार्यताएं बताई और बताया कि कैसे नेटवर्किंग हमारे व्यवसाय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एपेक्स जनरल सेक्रेटरी एवं जेबीएन संस्थापक संजय जैन कलकत्ता ने व्यावसायिक गुर सीखाते हुए महिलाओं को प्रेरणा दी कि बिजनेस के सफर में जीरो से हंड्रेड तक का आंकड़ा हार्ड वर्क से, सौ से हजार तक का आंकड़ा स्मार्ट वर्क से हजार से लाख तक का आंकड़ा नेटवर्क से हासिल किया जाता है। संजय ने स्मॉल स्केल बिजनेस और इंडस्ट्री उद्योग आदि को लागू करने की योजन साझा करते हुए प्रेरणा दी। उन्होंने जेबीएन ट्रेडमार्क संवाद मिलोगे तो मिलेगा के साथ सभी पर एक अमिट छाप छोड़ी।

अपने सपनों को पंख दे सकते हैं

रेफरल संयोजक मनोज कोचर ने जीतो जेबीएन के अंतर्गत पुरुषों और महिलाओं के समग्र विकास तंत्र के बारे में बताया की इसके माध्यम से महिलाएं कनेक्ट रेफरल समूह द्वारा प्रस्तुति कौशल, संचार कौशल और व्यावसायिक कौशल पर शिक्षित होकर अपने सपनों को पंख दे सकते हैं। रेफरल मीट में नवोदित सदस्य हैंडमेड स्किनकेयर व्यवसायी किंजल जैन ने अपने व्यवसाय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुति दी।

सर्वाधिक बिजनेस हेतु रीतिका जैन एवं सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय प्रस्तुति में लीला पितलिया को पुरस्कृत किया गया। भूतपूर्व टीम सुष्मिता सेठिया, भाविका कोठारी, तनुजा मेहता ने नवोदित टीम को बधाई दी एवं कार्यभार सौंपा। मीनाक्षी जैन, पूर्वी दसानी एवं मीना जैन ने अनुभव साझा किए। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया, जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना, सह-संयोजक मदन जैन ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने स्वागत किया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ।

माहेश्वरी प्रीमियर लीग 2024 का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इलेक्ट्रॉनिक सिटी में स्थित जेएमआर क्रिकिज ग्राउंड में माहेश्वरी प्रीमियर लीग 2024 एमपीएल का आयोजन किया गया। 27 से शुरू हुआ लीग 28 को खत्म हुआ। इसे माहेश्वरी युवा संघ टीम द्वारा अच्छी तरह से आयोजित किया गया। सभी सदस्यों ने क्रिकेट खेल का आनंद लिया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवल मालू, माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव निर्मला काकानी और बैंक निदेशक विजय लक्ष्मी, सारदा माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष, दीपक मंत्री माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष, कुशल जाजू माहेश्वरी युवा संघ के सचिव, सुंदर सोमानी और राकेश राठी मुख्य अध्यक्ष टीएमटी प्रायोजक, वेणुगोपाल बजाज परिधान प्रायोजक, हितेश सोनी, निखिल सोनी समेत अन्य ने दीप प्रज्वलित किया। कुल 8 टीमें खेली, जिनमें से दे घुमाके टीम विजेता रही और मोती चूर के लड्डू उपविजेता रही। दोनों दिन पूरी तरह से सौ खिलाड़ी मौजूद थे। अगले दिन मुख्य अतिथि के रूप में वैशाली भूतड़ा मौजूद थीं, जो एंकरिंग और कमेंट्री का भी हिस्सा थीं। समापन समारोह माहेश्वरी युवा संघ के कोषाध्यक्ष प्रतीक लोया ने किया। वैशाली भूतड़ा के साथ, पुरस्कार प्रायोजक के रूप में जगदीश भूतड़ा द्वारा खिलाड़ियों को चांदी के सिक्के वितरित किए गए। प्रायोजक कोलोर्स के सुरेश बियानी द्वारा सभी खिलाड़ियों को किट दिए गए। माहेश्वरी युवा संघ के उपाध्यक्ष विवेक भूतड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कुमारी कोमल जाजू ने समारोह का संचालन किया। माहेश्वरी युवा संघ की संयुक्त सचिव ऋचा मारू और माहेश्वरी युवा संघ कार्यकारी समिति के सदस्य चेतन साबू ने आयोजन में अपना समर्थन दिया। माहेश्वरी युवा संघ उपाध्यक्ष कुमारी आयुषी काबरा एवं माहेश्वरी कार्यकारिणी समिति सदस्य पीयूष तोषनीवाल, सुमित जाखोटिया, ध्रुव जाजू, यश मालू, राहुल रांदेर, पूजा बजाज, पूजा मर्दा एवं समस्त माहेश्वरी युवा संघ समिति सदस्यों ने इसका समर्थन किया।

दुर्लभ मनुष्य भव पाकर हम सरल बनें: साध्वी सुशीलाकंवर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में साध्वी सुशीलाकंवर जी ने कहा कि तेरा मेरा करने वाला और जीवन में टेढा मेढा चलने वाला हमेशा तनाव में रहता है। दुर्लभ मनुष्य भव पा कर हम सरल बने। नम्रता हमारा अलंकार बने। हमारे पूर्वज पुरा झुक कर प्रणाम करते थे। आज प्रणाम की रीति मात्र प्रतिकात्मक रह गई है। ऐसा लगता है मानो औपचारिकता और रस्म अदायगी हो रही हो। साथ ही साथ हम अपने वचनो में भी उदार रहें। हमारे वचन किसी के लिए मल्हम बन जाए। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी चैतन्या श्रीजी ने कहा कि जितना हमारा पसारा बढेगा, उतना ही हमारा तनाव भी बढेगा। इच्छा का निरोध करना ही तप है। इच्छाओं पर नियंत्रण हमारी प्रसन्नता का राज है। जो मिल गया वो फिलहाल काफी हैं। यह मस्त जीवन पद्धति हैं। विचारों के उफान में हम उफनते रहते हैं। इसीलिए हम पस्त रहते हैं। हम अपने शब्दों की किमत पहचाने और जहां आवश्यक न हो वहां से अपने शब्दों को बचा लें। सभा का संचालन करते हुए अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि आगामी 5 मई को गणेश बाग में साध्वी सुशीलाकंवर जी के स्वर्ण दीक्षा वर्ष को तप त्याग व गुणानुवाद के साथ मनाया जाएगा। अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया ने कृष्णराजपूरम से विहार कर पधारे महासती जी का स्वागत किया और विहार सेवा देने वालों को धन्यवाद दिया।

लक्ष्मी ग्रुप नाहर प्रीमियर लीग 2024 का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नाहर सेवा संघ कर्नाटक ने टाइटल प्रायोजक के रूप में लक्ष्मी ग्रुप (नाहर इंजीनियर्स) के सहयोग से लक्ष्मी ग्रुप नाहर प्रीमियर लीग 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो कर्नाटक में रहने वाले नाहरों के लिए विशेष रूप से एक बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट था। टूर्नामेंट न्यू बेल रोड पर हुआ। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें पहले प्रतियोगिता में 12 लीग मैच शामिल थे, जिसके बाद 2 सेमीफाइनल थे।

फाइनल मैच में नाहर चैलेंजर्स और मानक इंडियन के बीच कड़ा मुकाबला देखा गया। उद्घाटन समारोह में नाहर सेवा संघ कर्नाटक के अध्यक्ष गौतमचंद नाहर, शीर्षक प्रायोजक हर्षिल नाहर, जर्सी प्रायोजक अरुण नाहर, तमिलनाडु नाहर एसोसिएशन के अध्यक्ष हंसराज नाहर शामिल थे। समापन समारोह के दौरान नाहर सेवा संघ के उपाध्यक्ष अनिल नाहर, वीरेंद्र नाहर व मंत्री कल्पेश नाहर सहित संयुक्त सहमंत्री प्रवीण नाहर व सहकोषाध्यक्ष महेश नाहर ने मुख्य अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर सम्मानित करने के लिए युवा अध्यक्ष दीपेश व पूरी कार्यकारिणी भी मौजूद रही।

फाइनल मैच में मानक इंडियन 8 ओवर में 49 रन, जबकि नाहर चैलेंजर्स 7.3 ओवर में 50 रन बनाने में सफल रही। नाहर वॉरियर्स के संदीप नाहर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 1 में नाहर मल्टी टाइटन्स फाइनल में सात्विक क्रीर्स पर विजेता रहीं। नाहर स्नेह मिलन 2024 भी संपन्न हुआ और अनिल चांदमल नाहर (लाडनूं-बेंगलूरु) को अध्यक्ष और कल्पेश रोशनलाल नाहर (कुचेरा-बेंगलूरु) को वर्ष 2024-26 के लिए सचिव के रूप में पुनः चुना गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ एवं श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के संयुक्त तत्वावधान में नूतन भवन अलसूर में धार्मिक शिक्षण शिविर में करीब 90 बच्चे धार्मिक संस्कार प्राप्त कर रहे हैं। प्रति वर्ष बेंगलूरु के अनेक उपनगरों में ग्रीष्मावकाश में लगने वाले शिविरों की कड़ी में लगने वाले इस शिविर में बच्चों को धार्मिक ज्ञान के साथ साथ अपनी संस्कृति और संस्कारों की भी शिक्षा दी जाती है और बच्चों की प्रतिभा को निखारने के प्रयास होते हैं। शिविर का समापन रविवार 4 मई को होगा। मंजु लोढा, सूरजी बाई छाजेड, राजु बाई बोहरा, किरण गादिया, राजेश्वरी तातेड, मधु मकाना, दीपा कोठारी, कंचन बाई गादिया एवं सुमित्रा बाई सांखला अध्यापन सेवा दे रहे हैं। स्वाध्याय संघ की ओर से अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया एवं भरत सांखला ने शिविर का निरीक्षण किया।

गलत काम करने वालों को कानून के मुताबिक मिलनी चाहिए सजा: जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कथित तौर पर पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बीच समझौता हो सकता है। लोग इस बात की चर्चा कर रहे हैं। इसलिए सरकार ने तुरंत प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके अलावा प्रज्वल को जाने दिया गया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने पूछा कि प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्कैंडल को लेकर सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। अफवाहें हैं कि सिद्धरामैया और रेवन्ना के बीच समझौता हो सकता है। राज्य पुलिस ने तुरंत सांसद प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी क्यों नहीं की। कांग्रेस नेता के इस बयान पर कि भाजपा ने प्रज्वल को विदेश जाने में मदद की, जोशी ने कहा क्या केंद्र के पास कोई सपना है? उन्होंने प्रज्वल पर जल्दी एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की? एफआईआर दर्ज होने से पहले उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा कि यह बेहद गैरजिम्मेदाराना बयान है। प्रज्वल रेवन्ना के मामले की उचित जांच होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। इस संबंध में किसी को बचाने का हमारे सामने कोई सवाल नहीं है। प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्कैंडल का लोकसभा चुनाव पर असर पड़ेगा या नहीं, इस सवाल से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। गलत काम करने वालों को कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। जेडीएस एक स्वतंत्र पार्टी है। उन्होंने कहा कि यह संवेदनशील मामला है क्योंकि वह पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को हुब्बल्ली आएंगे। मोदी के बाद देश के सबसे स्वाभिमानी नेता अमित शाह हैं। उन्होंने भाजपा पार्टी को बनाया और विकसित किया है। इसलिए लोग उन्हें देखने के लिए उत्सुक हैं।

करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां एपीजे पीयू कॉलेज में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हासन के तत्वावधान में करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा के पश्चात विद्यार्थी को किस विषय को चुनना चाहिए, के बारे में बताया गया। मुख्य वक्ता के रूप में नवकिस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की डॉ एम बबिता जैन ने विज्ञान के विषय में रोशनी डाली। मुख्य अतिथि के रूप में एपीजे कॉलेज के संस्थापक डी. मुरली ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष भरत भंसाली ने सभी का स्वागत किया और फोरम के गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम का संचालन हिमांशी तातेड ने किया। विनीत कोठारी, प्रणव कोठारी ने प्रश्नोत्तरी सत्र में भाग लिया। आभार ज्ञापन फोरम के अभिषेक कोठारी ने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मलनाड एरिया तेरापंथ समिति के अध्यक्ष महावीर भंसाली,युवक परिषद के अध्यक्ष गौरव गुलगुलिया, मंत्री विकास कोठारी, टीपीएफ उपाध्यक्ष सुरेश तातेड आदि उपस्थित थे। लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुलिस की ड्यूटी बहुत जटिल, सेहत का रखें ख्याल: प्रताप रेड्डी

कोरमंगला के केएसआरपी परेड ग्राउंड में विदाई परेड आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आंतरिक सुरक्षा विभाग के डीजीपी प्रताप रेड्डी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि पुलिस विभाग में कर्तव्य निभाना बहुत जटिल है और अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए डीजीपी प्रताप रेड्डी के लिए मंगलवार को कोरमंगला के केएसआरपी परेड ग्राउंड में विदाई परेड आयोजित की गई। परेड की सलामी लेते हुए उन्होंने कहा मुझे विभाग में बहुत दबाव के बीच अपनी ड्यूटी निभानी पड़ती थी। जब मैं विभाग में शामिल हुआ तो यह इतना कठिन नहीं था। लेकिन आजकल ड्यूटी जटिल होती जा रही है और भविष्य में यह मुश्किल हो सकती है। इसलिए कर्मचारियों को अपना स्वास्थ्य बनाए रखना चाहिए। चुनाव के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती और विदाई परेड आयोजित करना बहुत मुश्किल होता है। हालांकि उन्होंने कहा कि वह सब कुछ संभालने और कार्यक्रम को इतने साफ-सुथरे और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। केएसआरपी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें कर्नाटक की पुलिस होने का दावा करने पर गर्व है। केएसआरपी टुकड़ियों के साथ काम करना बहुत संतोषजनक रहा है। केएसआरपी उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहा है। उन्होंने केएसआरपी दल के प्रदर्शन को पुलिस विभाग का गौरव बताते हुए इसकी सराहना की। अपनी लगातार 33 वर्षों की पुलिस सेवा के दौरान, मैंने विभिन्न जिलों में विभिन्न विभागों में काम किया है। मेरी लम्बी सेवा के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुझे बहुत स्नेह दिया है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर यह सम्मान मिला है। एक छोटे से गाँव में जन्मे, मेरे माता-पिता ने मुझे अच्छी शिक्षा दी, मैंने आईपीएस परीक्षा उत्तीर्ण की, पुलिस विभाग में शामिल हो गया और आज सेवानिवृत्त हो रहा हूँ। डीजी आलोक मोहन, एडीजीपी उमेश कुमार, शहर पुलिस आयुक्त बी. दयानंद सहित वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रताप रेड्डी के पिता उनके विदाई कार्यक्रम को देखने के लिए गुंटूर से पहुंचे थे। प्रताप रेड्डी की पत्नी सुजाता रेड्डी, बेटी हर्षला रेड्डी और विदेश में रह रहे बेटे डॉ.गौतम रेड्डी, बहू और पोती भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

नेहा हत्याकांड पर पर्दा डालने की हो रही कोशिश : आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर ने कहा कि नेहा की हत्या को छुपाने की कोशिश की जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और विपक्ष के नेता आर. अशोक ने निरंजन हिरेमथ के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। बाद में पत्रकारों से वार्ता में अशोक ने कहा कि एक सक्षम गवाह की आवश्यकता है। दस्तावेजों को ठीक से संग्रहित किया जाना चाहिए था। पिछले दस दिनों से उनके संपर्क में रहने वालों की फोन कॉल डिटेल क्यों नहीं जुटाई गई? ऐसा क्यों नहीं करते? क्या उसने ड्रग्स लिया? क्या कोई अन्य लिंक था? उन्होंने मांग की कि जानकारी हासिल की जाए कि क्या इनका केएफडी और पीएफआई जैसे असामाजिक संगठनों से कोई संबंध है। गृह मंत्री

को पुलिस विभाग को सामान्य ज्ञान देना चाहिए। ऐसी हत्या होने पर डबल अलर्ट होना चाहिए। क्या जांच अधिकारी को आरोपी को पुलिस हिरासत में रहने के लिए नहीं कहना चाहिए था? क्या सबूत नहीं जुटाए जाने चाहिए थे? कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं करते? जेल (न्यायिक हिरासत) भेजे जाने के बाद आरोपी से कौन मिलने गया? उन्होंने पूछा कि क्या ऐसी संभावना है कि बाचाव का सुझाव दिया गया हो। नेहा की हत्या की निंदा करते हुए न सिर्फ देश बल्कि अमेरिका और लंदन में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस हत्या के पीछे कौन है? हत्या में प्रयुक्त हथियार कहां से खरीदा गया इसकी जानकारी जुटानी थी। 20 वर्षों तक पूरे परिवार की पृष्ठभूमि क्या है? उन्होंने कहा कि वह यह जानकारी जानना चाहते हैं कि वह किस-किस से जुड़े हुए हैं। हालाँकि यह एक विशेष मामला है, लेकिन सरकार ने इस तथ्य से बचने के लिए विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति नहीं की है कि लव जिहाद से उनकी बदनामी हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी को हिरासत में नहीं लिया गया। सरकार को मामले की जांच को सीबीआई, सीआईडी या एसआईटी को देना चाहिए था। यह सामान्य ज्ञान है। यहां तक कि कॉलेज परिसर भी सुरक्षित नहीं हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि वहां भी बच्चों को कैसे मारा जा सकता है। उन्होंने दुख जताया कि कॉलेज परिसर में इस तरह की यह पहली घटना है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह घटना लव जिहाद के लिए है और यह प्रदेश को हिला देने वाली घटना है। इस मौके पर विधायक महेश तेंगिनाकाई मौजूद थे।

केंद्रीय सूखा राहत राशि को किसानों में करें वितरित: आर अशोक

एटीएम के रूप में विभिन्न राज्यों में नहीं भेजें

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की है कि कांग्रेस सरकार को केंद्र सरकार द्वारा जारी सूखा राहत राशि को लूटना नहीं चाहिए और इसे एटीएम के रूप में विभिन्न राज्यों में नहीं भेजना चाहिए जहां कांग्रेस पार्टी सत्ता खो चुकी है। यहां मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की कि किसानों को सीधे डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाए। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि राज्य सरकार खजाना खाली होने के कारण केंद्र द्वारा जारी धनराशि को विलंबित करने और दूसरे कार्यों में उपयोग करने की साजिश रच रही है। लेकिन प्राप्त पैसा सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किया

जाना चाहिए।

कर्नाटक के किसानों की ओर से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई जिन्होंने एक बार में 3,454 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि जब डॉ. मनमोहन सिंह, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और नरसिम्हा राव प्रधान मंत्री थे, तब उन्होंने एक समय में इतना पैसा जारी नहीं किया था। हमने आपदा प्रबंधन के तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर मैचिंग अनुदान दोगुना कर दिया है। उन्होंने यह भी मांग की कि कांग्रेस को केंद्र द्वारा दी गई राशि के अतिरिक्त 3,454 करोड़ रुपये का अनुदान देकर राशि को दोगुना करना चाहिए। यदि आप किसान हितैषी हैं तो अतिरिक्त राशि जोड़ें। उन्होंने कहा कि अगर आप अतिरिक्त मुआवजा नहीं देते हैं तो आप किसान विरोधी हैं। किसान आपसे अनुरोध कर रहे हैं कि आप उतना ही मुआवजा दें जितना हम सरकार में रहते हुए देते थे। इसलिए उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत अनुपूरक राशि जारी कर किसानों को वितरित करे। बैठक में विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड, विधायक महेश तेंगिनाकाई, एम.आर.पाटिल, धारवाड़ लोकसभा चुनाव समन्वयक नागराजा, जिला अध्यक्ष तिप्पन्ना मज्जागी, निंगप्पा सुथागट्टी उपस्थित थे।

पेन ड्राइव मामले पर मोदी से स्पष्टीकरण की मांग को लेकर भाजपा दफ्तर का घेराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा कार्यालय को घेरने का प्रयास किया और मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हासन के सांसद प्रजंल रेवन्ना की पेन ड्राइव के मामले में स्पष्टीकरण देना चाहिए। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास, कार्यकारी अध्यक्ष मंजूनाथ गौड़ा और कई कार्यकर्ताओं ने मंगलवार सुबह बीजेपी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कुछ कार्यकर्ताओं ने पार्टी दफ्तर में घुसने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। युवा कांग्रेस के नेताओं और

कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ बोलते हैं। लेकिन हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मामले पर प्रधानमंत्री चुप रहे। कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि भाजपा एनडीए गठबंधन के सहयोगी जद (एस) के सांसद के कृत्य को कैसे उचित ठहरा सकती है और आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को जर्मिनी भागने में मदद कर सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री को इस मामले पर बोलना चाहिए।

राज्य में किसान विरोधी सरकार: बीवाई विजयेंद्र

कमालपुरा में एक सभा को संबोधित किया

बेंगलूरुर/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि भले ही 800 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या कर ली हो, लेकिन कांग्रेस सरकार ने परेशान किसानों को कोई राहत नहीं दी है। इस प्रकार यह किसान विरोधी सरकार है। उन्होंने कलबुर्गी लोकसभा क्षेत्र के कलबुर्गी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के कमालपुरा में एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर मुख्यमंत्री रहे येदियुरप्पा ने मुआवजे की रकम काफी बढ़ा दी थी और उन्हें तुरंत रिहा कर दिया था।

उन्होंने आलोचना की कि उन्होंने सिद्धरामैया की तरह दिल्ली में विरोध प्रदर्शन नहीं किया था।

किसानों को मुआवजा देने के मामले में केंद्र को दोष दिया जा रहा है। जब आपके येदियुरप्पा सीएम थे तो उन्होंने तुरंत फसल बर्बादी के लिए प्रति हेक्टेयर 14 हजार रुपये और बागवानी फसलों के लिए 24 हजार रुपये दिए। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अब सिद्धरामैया ने 2 हजार की भीख दी है।

राज्य के सीएम को अल्पसंख्यकों को 10 हजार करोड़ देने का वादा याद है। हालांकि यह त्रासदी है कि उन्हें किसानों की पीड़ा के लिए 5-6 हजार करोड़ रुपये देने की याद नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और यहां के लोगों का अटूट रिश्ता है। उन्होंने बताया कि लोग येदियुरप्पा को एक लोकप्रिय नेता के रूप में पहचानते हैं। बंजारा समाज की माताओं ने सर्वाधिक भागीदारी पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने बंजारा समाज के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की कड़ी मेहनत की याद दिलाई।

इस मौके पर सांसद डॉ. उमेश जाधव, विधायक बसवराज मत्तीमुडा, हरीश पूंजा, विधान परिषद सदस्य बी.जी. पाटिल, पूर्व मंत्री बाबूरवा चव्हाण, शहर अध्यक्ष चंदू पाटिल, राज्य सचिव शरणु थामिशिकेरे, तमेश गौड़ा और अन्य उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में

भाजपा को भारी समर्थन के रुझान देखने के बाद कांग्रेस पार्टी गहरे अवसाद में: जेपी नड्डा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में भाजपा को भारी समर्थन के रुझान देखने के बाद कांग्रेस पार्टी गहरे अवसाद में है। विपक्ष ने लोगों को गुमराह करने और समाज को विभाजित करने वाली राजनीति करने का फैसला किया है। लोग पीएम मोदी का समर्थन कर रहे हैं और उन्होंने फैसला किया है कि उनके नेतृत्व में देश आगे बढ़ेगा। हमें (भाजपा) चुनाव के पहले दो चरणों से यह संकेत मिला है। इससे विपक्ष बौखला गया है। इसलिए, वे अपनी रणनीति के साथ आगे बढ़ रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। मौजूदा चुनावों में अपनी पार्टी की संभावनाओं पर, भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वे 400 सीटों को पार करने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के प्रति आश्वस्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय

जनतांत्रिक गठबंधन 400 सीटों को पार करते हुए आरामदायक बहुमत के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह स्पष्ट है क्योंकि लोगों को पीएम मोदी ने जिस तरह से देश का नेतृत्व किया है, उस पर भरोसा है। अपने घोषणापत्र में कथित तौर पर यह कहने के लिए कांग्रेस पर हमला करते हुए कि वे केंद्र में सत्ता में आने पर अल्पसंख्यकों को धन का पुनर्वितरण करेंगे, नड्डा ने कहा कि पार्टी संविधान के संस्थापक के खिलाफ जा रही है, जिन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि आरक्षण नहीं होना चाहिए। नड्डा ने कहा उनका घोषणापत्र उनके छिपे हुए एजेंडे के बारे में बताता है। उन्होंने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में क्या किया। भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि संविधान धार्मिक आधार पर आरक्षण प्रदान नहीं कर सकता है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण लाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सकी, वहीं कर्नाटक में उन्होंने ओबीसी के लिए आरक्षण छीन लिया और समुदाय विशेष को दे दिया। आंध्र प्रदेश में उन्होंने चार बार ऐसा प्रयास किया और एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण छीनने की कोशिश की। भाजपा प्रमुख ने यह भी कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के कल्याण के बारे में नहीं सोचती बल्कि केवल तुष्टिकरण की राजनीति करना चाहती है। अलगाववादी रवैये और विभाजनकारी ताकतों के साथ, वे तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। शिवमोग्गा में 7 मई को चुनाव हो रहा है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और बीजेपी के बीवाई राघवेंद्र को कांग्रेस की गीता शिवराजकुमार के खिलाफ खड़ा किया गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को हावेरी गदग लोकसभा क्षेत्र के बडगी शहर में चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए कागिनेले हेलीपैड पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी गदग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने उनका स्वागत किया। विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व मंत्री बीसी पाटिल भी मौजूद थे। फिर उन्होंने गुरुपीठ जाकर गुरुपीठ के अध्यक्ष श्री निरंजनानंद पुरी स्वामीजी से मुलाकात की और आशीर्वाद लिया।*

प्रज्वल रेवन्ना पर मुझे लिखे पत्र की जानकारी नहीं थी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी के कर्नाटक प्रमुख बीवाई विजयेंद्र ने मंगलवार को बताया कि उन्हें प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देते हुए भाजपा नेता देवराजे गौड़ा से कोई पत्र नहीं मिला है। मुझे ऐसे पत्र के बारे में समाचार पत्रों के माध्यम से ही पता चला। मुझे ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। इसलिए यह कहना अनुचित है कि हमारे नेतृत्व को घटना के बारे में पता था। अगर हमें इसके बारे में पता होता तो क्या हम उन्हें चुनाव लड़ने देते? 28 अप्रैल को, एक 47 वर्षीय महिला ने होलेनरसिपुरा

विधायक एचडी रेवन्ना और उनके बेटे हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उन पर उसका और उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। यह शिकायत उन आरोपों के सामने आने के कुछ दिनों बाद आई है कि प्रज्वल रेवन्ना ने हासन जिले में कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया और उनकी वीडियोग्राफी की। एचडी रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे हैं और प्रज्वल देवगौड़ा के पोते हैं।

नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक शादी समारोह में एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने वाले दो अधेड़ उम्र के लोगों को उल्लाल पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कुंपाला कुजुमा गद्दे निवासी रत्नाकर और कपिकाड निवासी गंगाधर शामिल हैं। यह घटना तब हुई जब बंटवाल की एक नाबालिग लड़की रविवार को कोल्या मंदिर के हॉल में एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी। जब वह शादी के मंडप में जा रही थी तो आरोपी ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता द्वारा उल्लाल पुलिस को दी गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

प्रज्वल रेवन्ना जेडीएस पार्टी से निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद प्रज्वल रेवन्ना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, की मंजूरी से जेडीएस महासचिव केआर शिवकुमार ने प्रज्वल रेवन्ना को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। पेन ड्राइव मामले में प्रज्वल रेवन्ना पर लगे आरोपों की पृष्ठभूमि में हुब्बल्ली में हुई कोर कमेटी की बैठक में प्रज्वल रेवन्ना को सस्पेंड करने का फैसला लिया गया। फैसले के तुरंत बाद पार्टी की ओर से निलंबन आदेश सामने आ गया। जेडीएस पार्टी संविधान और नियमों के अनुसार प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश के अनुसार, हासन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो, जिन पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा करने का आरोप है, सोशल मीडिया और मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं, और इससे पार्टी की गरिमा, सम्मान और नेतृत्व को खतरा होगा। राज्य की मौजूदा कांग्रेस सरकार ने महिलाओं के खिलाफ कथित कृत्यों की तस्वीरों और वीडियो की विशेष जांच का गठन किया है। बताया जा रहा है कि जांच टीम ने अपना काम शुरू भी कर दिया है।

मुंबई में हुई श्रद्धा वालकर जेहादी हत्याकांड की पुनरावृत्ति!

निजाम ने पूनम की हत्या कर सूटकेस में बंद कर फेंका

हत्या कर पूनम के शव को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

मानखुर्द के साठेनगर इलाके में रह-नेवाली मातंग समुदाय की युवती पूनम क्षीरसागर के शव को टुकड़ों में काटकर सूटकेस में डालकर एक सुनसान जगह पर रख दिया गया था। 18 अप्रैल को निजाम नाम के एक टैक्सी ड्राइवर ने उसका अपहरण कर लिया और कल्याण में उसकी हत्या कर दी। यह घटना दो दिन पहले सामने आई थी।

इस घटना के खिलाफ स्थानीय लोगों में आक्रोश है और उन्होंने इस संबंध में पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा से मुलाकात की। घटना की जानकारी मिलते ही पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मानखुर्द जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उनकी सुरक्षा के लिए अहम निर्देश दिए। पूनम की दुर्भाग्यपूर्ण

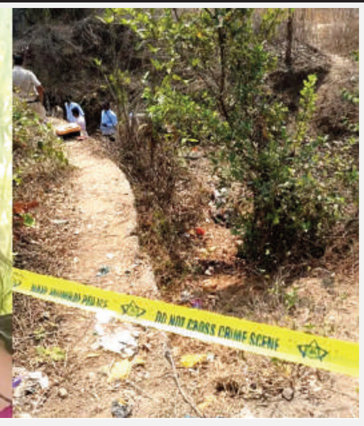

मौत श्रद्धा वालकर मामले की पुनरावृत्ति है और बहुत दुखद घटना है।

पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा, मातंग समुदाय की बहनों को धोखा दिया जा रहा है, हमारी बहनों की कट्टरपंथियों द्वारा बेरहमी से हत्या की जा रही है, यह बहुत दर्दनाक है। चेंबूर, अंधेरी के बाद हमारे शहर में यह तीसरी घटना है, इसलिए पुलिस इसे नजर अंदाज नहीं कर सकती है! पूरा हिंदू समुदाय एकजुट हो गया है। इन सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ो, आरोपियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। युवतियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुंबई में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या, बांग्लादेशियों का बंदोबस्त करना होगा!

महिलाओं की सुरक्षा के प्रभारी मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मौके पर ही पुलिस और मुंबई नगर निगम के अधिकारियों को तीन अहम निर्देश दिए हैं। 1. बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की बढ़ती घुसपैठ के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं। मानखुर्द में सरकारी जमीन पर अनधिकृत निर्माण को गिराकर सरकारी जमीन खाली करें। 2. बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं के लिए विशेष तलाशी अभियान चलाएं। 3. जब तक आरोपी और साजिश में शामिल उसके साथी पकड़े नहीं जाते, ये लड़ाई जारी रहेगी।

माफिया शहाबुद्दीन की पत्नी ने सीवान से नामांकन दाखिल किया

सीवान, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व सांसद और माफिया शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने आज अपना निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया है। हिना शहाब 10 से 12 लोगों के साथ चुपके से कलेक्ट्रट पहुंची, तब मीडिया को भी जानकारी नहीं दी गई थी कि आज हिना शहाब नामांकन करेंगी। अचानक कुछ लोगों ने फोन कर जानकारी दी कि हिना शहाब पर्चा दाखिल करने पहुंच चुकी हैं। जिसके बाद कलेक्ट्रट में भीड़ इकट्ठी होने लगी। सुबह ग्यारह बजे वह नामांकन करने गई और ठीक दो घंटे बाद नामंकन करके वापस लौट गई।

नाम दाखिल करने के बाद हिना मीडिया से मुखातिब हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि इतनी ज्यादा धूप थी, इसलिए मैं बहुत कम लोगों के साथ नामांकन करने आई हूं, ताकि मेरे इंतजार में और लोग इस चिलचिलाती धूप में ना खड़े हो। वहीं उन्होंने कहा कि मैंने सीवान को आगे ले जाने के लिए नामांकन किया है। सभी से आग्रह

है कि मुझे वोट देकर भारी मतों से जीताएं। हिना हमेशा राजद के टिकट से चुनाव लड़ती रही हैं। तीन बार चुनाव लड़ी और तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

तब उन्होंने राजद पर ही अपनी हार की ठीकरा फोड़ दिया था और कहा कि इन लोगों ने मुझे चुनाव हरवया है। इतना ही नहीं शहाबुद्दीन के निधन में बाद बड़े नेताओं का नहीं आना राजद और हिना शहाब में धीरे-धीरे दूरियां बढ़ाने लगा। वैसे तो हिना शहाब बीच-बीच में कई बार बयान देती रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी रंग हमारे हैं, सभी लोग हमारे हैं और राजद से टिकट मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा था कि मैं निर्दलीय चुनाव लडूंगी यह वह फैसला था, जब मरहूम मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राजद में रहते हुए अपनी जान तक दे दी, लेकिन कभी भी राजद से दूर नहीं रहे, लेकिन परिस्थिति ऐसी बनी कि शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब को राजद को बाय-बाय कहना पड़ा।

संदेशखाली के भाजपा प्रत्याशी को मिली एक्स कैटेगरी सुरक्षा

गृह मंत्रालय ने पांच अन्य प्रत्याशियों को भी दी सुरक्षा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संदेशखाली की पीड़िता रेखा पात्रा को गृह मंत्रालय ने एक्स कैटेगरी की सुरक्षा दी है। गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के पांच अन्य नेत-ाओं को भी सुरक्षा दी है। इन नेताओं की सुरक्षा आईबी की रिपोर्ट के बाद बढ़ाई गई है। जिन नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है उनमें कुछ को वाई कैटेगरी की सुरक्षा भी दी गई है।

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के छह भाजपा उम्मीदवारों को एक्स और वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी है। इन सभी की सुरक्षा में सीआईएसएफ के जवान तैनात किए जाएंगे। जिन लोगों को सुरक्षा दी गई है उनमें झारग्राम से भाजपा उम्मीदवार प्रनत टुडू को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा, रायगंज से भाजपा उम्मीदवार कार्तिक

पॉल को वाई कैटेगरी की सुरक्षा, बहरामपुर से भाजपा उम्मीदवार निर्मल साहा को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा, जयनगर से भाजपा प्रत्याशी अशोक कंडारी को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा और मथुरापुर से भाजपा प्रत्याशी अशोक पुरकैत को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।

पश्चिम बंगाल में गृह मंत्रालय की ओर से अब तक 100 से अधिक भाजपा नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई गई है। इन नेताओं पर खतरे की आशंका के चलते सुरक्षा दी गई है। संदेशखाली मामले के बाद जांच के लिए पहुंची केंद्रीय एजेंसियों को भी निशाना बनाया गया था। इसके बाद ईडी और सीबीआई टीम को भी सुरक्षा के साथ छापेमारी के लिए भेजा गया।

टीएमसी नेता शेख शाहजहां ने संदेशखाली की महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न किया था और स्थानीय लोगों की जमीन हड़प ली थी। इसे लेकर संदेशखाली की महिलाओं ने एक महीने तक प्रदर्शन किया था जिसके बाद शेख शाहजहां को गिरफ्तार कर लिया गया था। यह वही शाहजहां शेख है जिसने ईडी की टीम पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से हमला कराया था। ईडी एवं सुरक्षा अधिकारियों की अत्यंत मुश्किल से जान बची थी।

लवली के इस्तीफे के बाद देवेंद्र यादव बने दिल्ली कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे बाद पार्टी ने नए नाम पर मुहर लगा दी है। देवेंद्र यादव को दिल्ली कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व चांदनी चौक क्षेत्र से उम्मीदवार जयप्रकाश अग्रवाल ने सोमवार को इलाके के आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ संयुक्त बैठक की। इस मौके पर उन्होंने लवली के बयान की चर्चा किए बिना कहा कि आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच हुए समझौते में कोई दरार नहीं है।

उधर, उत्तर पूर्व दिल्ली क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने होर्डिंग्स व बैनरों, पोस्टरों व झंडों पर राहुल गांधी के फोटो के साथ आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल का भी फोटो लगाया है। उन्होंने मतदाताओं को लुभाने के लिए आपा की

उपलब्धियों का भी बखान करना शुरू किया है। उन्होंने अपना प्रचार अभियान पूरी तरह इंडी गठबंधन को समर्पित कर दिया है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को सन्नाटा पसरा रहा। पार्टी कार्यालय में एक भी बड़ा नेता नहीं पहुंचा। इसके अलावा लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यालय में कोई बैठक नहीं हुई। प्रदेश कार्यालय में सोमवार को केवल वॉर रूम में ही चहल-पहल दिखी। यहां सोशल मीडिया टीम के सदस्य चुनाव प्रचार करने की रणनीति के संबंध में चर्चा करते दिखे। इसके अलावा कार्यालय परिसर से लेकर तभी सभागारों व कक्षों में सन्नाटा छाया था।

अरविंदर सिंह लवली ने कांग्रेस आलाकमान को भेजे त्यागपत्र में 10 कारण गिनाए थे। इनमें उन्होंने सबसे अधिक प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया पर निशाना साधा था। उनके व्यवहार को ही उन्होंने त्यागपत्र देने का मुख्य कारण बताया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश प्रभारी बाबरिया ने प्रदेश स्तर के साथ-साथ ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की अनुमति नहीं दी। दिल्ली में 150 से ज्यादा ब्लॉकों में कोई अध्यक्ष नहीं है। प्रदेश इकाई आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी। इसके बावजूद पार्टी ने आपा के साथ गठबंधन किया। गठबंधन के तहत सात सीटों में कांग्रेस को सिर्फ तीन सीटों चुनाव लड़ने के लिए आवंटित की गईं। तीनों सीटों पर प्रदेश के नेताओं को टिकट नहीं दिए गए। उत्तर-पश्चिम दिल्ली और उत्तर-पूर्व दिल्ली सीट पर पार्टी की नीतियों के लिए पूरी तरह से अजनबी नेताओं को टिकट दिए गए। उदित राज और कन्हैया कुमार को उम्मीदवार बनाने के संबंध में औपचारिक रूप से पहले प्रदेश इकाई को सूचित भी नहीं किया गया। उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्व दिल्ली के उम्मीदवारों के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है और उनके खिलाफ उन्होंने प्रदेश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश प्रभारी ने पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार और अन्य को निलंबित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रभारी ने स्थिति को शांत करने की जगह सार्वजनिक बैठकों में भी पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक भीष्म शर्मा व सुरेंद्र कुमार के साथ कई बार तीखी नोकझोंक की। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के उम्मीदवार ने अपमानजनक और पार्टी विरोधी बयान देकर स्थिति को खराब किया। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं का अपमान किया और उन्हें कई लिखित संदेश भेजे हैं, जिसमें विभिन्न स्थानीय नेत-ाओं को निलंबित करने के लिए कहा गया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार पार्टी लाइन और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं की मान्यताओं का उल्लंघन कर रहे हैं।

यहां जीत हार के साथ इतिहास बनाने की भी जद्दोजहद है

बलरामपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

सियासत में चर्चाएं जीत और हार या फिर समीकरण की होती हैं, लेकिन देवीपाटन मंडल की सियासत में इतिहास बनाने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। यहां दलों ने ऐसा दांव चला है कि परिणाम चाहे जो हो, नया रिकॉर्ड बनना लगभग तय है। तीन संसदीय सीटों पर प्रमुख दलों के प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो चुकी है।

भले ही बसपा ने अभी एक ही संसदीय सीट बहराइच पर अपने पत्ते खोले हैं, लेकिन उसने दा-वेदारों को हरी झंडी दे दी है। मंडल में प्रत्याशियों के साथ ही पार्टियां भी इस बार संसदीय राजनीति में नई इबारत लिखने की ओर कदम बढ़ा रही हैं। एक संसदीय सीट तो दोहरा रिकॉर्ड गढ़ेगी।

गोंडा संसदीय सीट की बात करें तो भाजपा व सपा दोनों इस बार रिकॉर्ड बनाने की तैयारी किए हैं। भाजपा को जीत मिले तो पार्टी की हैट्रिक होगी, वहीं प्रत्याशी को जीत मिली तो वह अपने संसदीय चुनाव में पांचवीं बार सदन में पहुंचेंगे। यह भी यहां के लिए रिकॉर्ड होगा। पिता के रिकॉर्ड से

आगे बढ़ेंगे। इसी तरह सपा ने जीत दर्ज की तो वह भी रिकॉर्ड होगा।

एक तो 1996 के बाद महिला नेतृत्व और दूसरा प्रत्याशी पहली बार सियासी सफर शुरू करेंगी। बसपा जीती तो उसके लिए पहली बार जीत होगी। इसी तरह श्रावस्ती संसदीय सीट भी रिकॉर्ड ही बनाएगी। भाजपा को जीत मिली तो पहली बार प्रत्याशी को संसद पहुंचने का अवसर मिलेगा, यही नहीं पार्टी को सीट वापस मिलेगी।

सपा की जीत से प्रत्याशी को दूसरी बार अवसर मिलेगा, वहीं सपा का खोया रुतबा भी लौटेगा। इसी तरह बहराइच में तो तीनों दावेदार नए हैं, तीनों की जीत क्षेत्र के लिए एक नया रिकॉर्ड होगा। कैसरगंज में भले ही अभी प्रत्याशी तय नहीं हैं, लेकिन पार्टियां चुनाव तो लड़ेंगी ही।

यहां भी भाजपा जीतेगी तो हैट्रिक होगी। 2014 से यहां भाजपा का ही कब्जा है। इसके अलावा सपा या बसपा ने जीत दर्ज की तो नवगठित सीट में पहली बार खाता खुलेगा। फिलहाल परिणाम चाहे जो हो, चारों सीटों का रुतबा पूरे प्रदेश में बनेगा, यह तो पक्का ही है।

बसपा ने गोंडा व श्रावस्ती में प्रत्याशियों की घोषणा तो नहीं की है, लेकिन दबे पांव पैठ बनाने में जुटी है। बसपा नेता दद्दन खां श्रावस्ती में तो गोंडा में सौरभ मिश्र सियासी रंग में रमे दिख रहे हैं। सपा व भाजपा कैसरगंज को छोड़कर बहराइच, गोंडा व श्रावस्ती में प्रत्याशी उतार चुकी है। इससे तीनों सीटों में यह दोनों दल पूरे जोरशोर से जुट चुनावी रंग गाढ़ा कर रहे हैं। श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र के गैसड़ी में विधानसभा का उप चुनाव भी है, जहां तीनों दल मुस्तैदी से जुटे हैं।

मंडल की चारों सीटों में कैसरगंज सबसे हॉट सीट में गिनी जा रही है। बिना प्रत्याशी तय हुए ही यहां विशेष निगरानी की जा रही है। यही कारण है कि एक एफआईआर और एक शिक्षक पर चुनाव को देखते हुए कार्रवाई की जा चुकी है। गोंडा में भाजपा व सपा के प्रत्याशियों पर एक-एक एफआईआर दर्ज है। गोंडा संसदीय क्षेत्र में भाजपा व सपा प्रत्याशी को लेकर चर्चा में हैं।

श्रावस्ती सूबे की सबसे महत्व-पूर्ण सीट मानी जा रही है। यहां भाजपा ने प्रधानमंत्री के करीबी अधिकारी के बेटे को मैदान में उतारा है, वहीं सपा ने बसपा से आए सांसद को टिकट देकर माहौल गरमा दिया है। बहराइच की सीट अपने रौ में ही चल रही है। सुरक्षित होने से कोई खास चर्चा नहीं है, लेकिन भाजपा व सपा की रणनीति के बीच बसपा ने संस्कृत के प्रोफेसर को उतार कर बड़ा दांव चल दिया है।

मंडल की चारों सीटों में तीन पर तो सियासी दांवपेच तेज है, लेकिन छह मई के बाद सियासत को और रफ्तार मिलेगी। बहराइच में नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है, वहीं गोंडा व कैसरगंज में तीन मई को और श्रावस्ती में छह मई को नामांकन कार्य पूरा हो जाएगा। इससे माना जा रहा है कि तीन मई के पहले कैसरगंज में भी दलों के प्रत्याशी तय हो जाएंगे और नामांकन हो जाएगा। इस तरह छह मई के बाद मंडल में सियासत का अलग ही रंग दिखेगा।

2024-25 में 4000 करोड़ से होगा पशुधन का संरक्षण

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार उत्तर प्रदेश में गौवंश समेत पशुओं के संरक्षण, चिकित्सा और सेवा पर करीब 4 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग द्वारा इसको लेकर पूरा एनुअल प्लान बनाया गया है। इसमें गौवंश संरक्षण, पशु चिकित्सा शिक्षा के साथ ही पशु चिकित्सालय, पॉलीक्लिनिक एवं सेवा केंद्र समेत अन्य क्षेत्रों में किए जाने वाले खर्च का पूरा ब्यौरा दिया गया है। एनुअल प्लान में इसके लिए 3907.1 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है।

एनुअल प्लान के अनुसार, गौवंश संरक्षण पर कुल 1,140 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च किए जाने की योजना है। इसके अंतर्गत 140 करोड़ रुपए से गौसंरक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जबकि शेष एक हजार करोड़ रुपए से छुट्टा गौवंश के रखरखाव के लिए अनुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सा शिक्षा पर 179.74

करोड़ खर्च किए जाने की योजना है। इसके अंतर्गत गोरखपुर एवं भदोही में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना पर 100 करोड़ रुपए, मथुरा में पंडिद दीनदयाल पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान में वेतन सहायता एवं अनुदान के लिए 61.74 करोड़ और गैर वेतन सहायता अनुदान के रूप में 18 करोड़ रुपए प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, पशु चिकित्सालय, पॉलीक्लिनिक एवं सेवा केंद्र पर 470.30 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की योजना है। इसमें पशु चिकित्सालयों की स्थापना पर 55 करोड़, पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक की स्थापना पर 6 करोड़, पशु सेवा केंद्रों की स्थापना पर 4.5 करोड़, पशु चिकित्सालयों, सेवा केंद्रों, अनुसंधान एवं निदान सेवाएं (राजस्व मद) में 71 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यही नहीं सचल पशु चिकित्सा सेवा पर 36.52 करोड़, राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रम पर 186.72 करोड़ रुपए और वैक्सीनेशन पर 22.50 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा, कृत्रिम गर्भाधान व बांझपन निवारण के तहत कृत्रिम गर्भाधान, वीर्य उत्पादन एवं बांझपन निवारण पर 68.24 करोड़, लखनऊ में प्रस्तावित अति हिमीकृत वीर्य उत्पादन केंद्र पर 44.74 करोड़ रुपए, प्रस्तावित सैक्स सीमेन तकनीक अनुसंधान पर 8 करोड़ के खर्च का बजट प्रस्तावित है। इसके साथ ही पशुओं के बीमा पर 77.03 करोड़, कुक्कुट, बकरी व भेड़ संबंधी योजनाओं पर 58 करोड़ और प्रक्षेत्रों के सुदृढ़ीकरण पर 71.01 करोड़ खर्च किए जाएंगे। प्रशासन तथा निदेशन पर 1455.38 करोड़ खर्च का बजट प्रस्ताव रखा गया है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

ओबीसी, एससी-एसटी आरक्षण में सेंधमारी नहीं होने देंगे: योगी

मुख्यमंत्री ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस-सपा को घेरा

गोरखपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान का गला घोंटकर, पिछड़े और अनुसूचित जातियों के आरक्षण में सेंधमारी कर धर्म के आधार पर एक वर्ग विशेष को आरक्षण देने की कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन की मंशा देश की जनता सफल नहीं होने देगी। भारतीय जनता पार्टी धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के आरक्षण की विरोधी है क्योंकि धर्म-मजहब के आधार पर भारत के विभाजन का दंश आम जनता झेल चुकी है। भाजपा एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण के लाभ की पक्षधर है।

सीएम योगी मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन से जुड़े जो दल हैं, इनके इतिहास के बारे में हर व्यक्ति जानता है। कांग्रेस का इतिहास बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान का गला घोंटने का रहा है। 1950 में देश का संविधान लागू हुआ और कांग्रेस ने लगातार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रौंदने समेत यह प्रयास किए कि वह संविधान को अपने तरीके से इस्तेमाल करे। जनता का शासन जनता के लिए है, जनभावनाओं का सम्मान हो, कांग्रेस ने यह कभी समझने का प्रयास ही नहीं किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इमरजेंसी को देश की जनता आज भी नहीं भूली है। यह भी देश के संविधान का गला घोंटने जैसा ही था। इसके साथ ही कांग्रेस ने यूपीए सरकार के समय जो पाप किया, वह भी देश की जनता को याद है। तब समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी यूपीए सरकार में कांग्रेस की सहयोगी थीं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी का गठन करके देश भर में संविधान विरोधी कार्य करते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के हक पर डकैती डालने की कोशिश की थी। तब कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कुत्सित प्रयास किया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण में से 6 प्रतिशत तुष्टीकरण के नाम पर काट कर देने की थी। इसी प्रकार सच्चर कमेटी के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में सेंधमारी कर मुस्लिम समाज की कुछ जातियों को शामिल करने की कोशिश की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब भारतीय जनता पार्टी के भारी विरोध के कारण तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पाई। अन्यथा उसी यूपीए सरकार में कांग्रेस धर्म के आधार पर पूरे देश मे आरक्षण देकर ओबीसी और एससी-एसटी के आरक्षण में सेंधमारी कर चुकी होती। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण में सेंधमारी करते हुए धर्म के आधार पर आरक्षण देने की शुरुआत कर भी दी है। लेकर निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक सरकार से रिपोर्ट भी तलब की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि भाजपा बाबा साहब डॉ अंबेडकर और सभी संविधान निर्माताओं का पूरा सम्मान करती है। भाजपा संविधान निर्माताओं की मंशा के अनुरूप भारत के संविधान को सर्वोच्च मानते हुए अपने संवैधानिक दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने की पक्षधर है। भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने बाबा साहब अंबेडकर के मूल्यों और आदर्शों का पूरा सम्मान किया है। पंचतीर्थों का निर्माण किया है। वर्ष 2025 को राष्ट्रीय जनजाति गौरव वर्ष मनाने की बात को अपने संकल्प पत्र में शामिल किया है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व पूरी तरह फेल हो चुका है। कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस के नेतृत्व पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। यही कारण है कि कहीं कांग्रेस प्रत्याशी फील्ड छोड़कर भाग रहे हैं, कहीं प्रदेश अध्यक्ष इस्तीफा दे रहे हैं तो कहीं घोषित प्रत्याशी अपनी प्रत्याशिता वापस लेकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं।

इसके चलते अपनी खीझ मिटाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व और उनके बचे खुचे नेता ऊलजलूल और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि जनता कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के नेताओं की वास्तविकता जानती है और उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी।

लोकसभा चुनाव के बाद 57 जनपदों में स्थापित होंगे साइबर क्राइम थाने

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। देश और दुनिया में बढ़ते हुए साइबर क्राइम के मामलों को देखते हुए योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित करने का निर्णय लिया है। सभी 18 मंडलों में साइबर क्राइम थाने पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि शेष 57 जनपदों में साइबर थाने लोकसभा चुनावों के बाद स्थापित किए जाएंगे। इन 57 जनपदों में साइबर थाने स्थापित किए जाने को लेकर योगी कैबिनेट पहले ही अनुमोदन कर चुकी है। आम चुनावों के साथ ही आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद साइबर थानों की स्थापना को अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रत्येक थाने में 25 पदों पर अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। इस लिहाज से सभी 57 थानों में कुल 1425 पदों के सृजन को लेकर आदेश निर्गत किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के सभी जनपदों में साइबर क्राइम थानों की मौजूदगी हो जाएगी। अभी तक आईजी स्तर का अधिकारी इन थानों को देखता था, लेकिन सभी जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित होने के बाद पुलिस अधीक्षक इसकी जिम्मेदारी निभाएंगे।

उत्तर प्रदेश शासन की ओर से पहले सभी साइबर क्राइम पुलिस थानों के क्रियान्वयन के लिए 25 पद की दर से कुल 1425 पदों के सृजन का आदेश दिया गया था, लेकिन देश में जारी लोकसभा चुनावों को देखते हुए इस प्रक्रिया को आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद पूरा किए जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में लोकसभा चुनाव और आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। इस पर योगी कैबिनेट 19 दिसंबर 2023 को अपना अनुमोदन प्रदान कर चुकी है। उस वक्त वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया था कि देश और दुनिया में बढ़ते साइबर क्राइम को देखते हुए सभी 75 जनपदों में साइबर थानों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। 18 मंडल मुख्यालयों में पहले से ही साइबर थाने मौजूद हैं, बल्कि अब बाकी बचे 57 जनपदों में भी थाने स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसकी स्थापना पर सरकार पर लगभग एक अरब, 27 करोड़, 24 लाख, 51 हजार रुपए से अधिक का व्यय भार अनुमानित है। इन थानों के स्थापित होने से न सिर्फ प्रदेश में साइबर क्राइम पर पैनी नजर रखी जा सकेगी, बल्कि उस पर प्रभावी कार्रवाई भी संभव हो सकेगी।

प्रदेश में साइबर क्राइम की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया था कि साइबर क्राइम में कन्विक्शन के मामले में यूपी सबसे ऊपर है। यूपी का कन्विक्शन रेट नेशनल साइबर क्राइम के कन्विक्शन रेट से काफी बेहतर है। साइबर क्राइम के मामलों में नेशनल कन्विक्शन रेट जहां 46.5 परसेंट है, वहीं उत्तर प्रदेश का कन्विक्शन रेट 87.8 परसेंट है। अब तक प्रदेश में 838 कन्विक्शन हुए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद मध्य प्रदेश में सिर्फ 59 कन्विक्शन हुए हैं। प्रदेश में 7122 क्रिमिनल अरेस्ट किए गए हैं, जबकि महाराष्ट्र में 2582 क्रिमिनल अरेस्ट किए गए। उत्तर प्रदेश में 2022 में 10,117 केस रजिस्टर हुए हैं।

उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, इटावा, फतेहगढ़, कन्नौज, औरैया, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अमेठी, अंबेडकरनगर, एटा, हाथरस, कासगंज, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बलरामपुर,श्रावस्ती, बहराइच, बदायूं, शाहजहांपुर, पीलीभीत, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, सोनभद्र, भदोही, मऊ, बलिया, सिद्धार्थनगर, संत कबीरनगर, ललितपुर, जालौन, मुजफ्फरनगर एवं शामली।

अफजाल की विरासत संभालने की तैयारी में नुसरत

गाजीपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी दल चुनाव प्रचार में जोर-शोर से जुटे हैं। सोशल साइट पर गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत की एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें वह अपने पिता के लिए चुनाव प्रचार के दौरान गाजीपुर के शिव मंदिर में जल चढ़ा रही थी और मंदिर में हो रहे कीर्तन में शामिल थीं। चर्चा है कि नुसरत पिता की सीट से खुद नामांकन की तैयारी में हैं। राजनीति में उनकी एंट्री पहले ही दिन सुर्खियों में आ गई। नुसरत अंसारी परिवार की पहली महिला हैं, जो राजनीति में आ रही हैं। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उनके घर मातमपुर्सी को पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नुसरत समेत अंसारी परिवार के हरेक सदस्य से मुलाकात की थी। चर्चा है कि अखिलेश यादव की पहल पर ही नुसरत अपने पिता की राजनीतिक विरासत को संभालने को तैयार हुई हैं।

लोकसभा चुनाव का मतदान भले ही अंतिम चरण में है, लेकिन राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशी पूरी दमखम से जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। पार्टी के नेता व कार्यकर्ता तो मतदाताओं से मिलकर उनका मन-मिजाज टटोलने के साथ पक्ष में लाने की जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं, वहीं प्रत्याशी के परिवार के लोग भी मैदान में उतर गए हैं।

कुछ इसी तरह का वाक्या तब देखने को मिला जब सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी की पुत्री नुसरत सपा महिला विंग के साथ पिता के पक्ष में महिलाओं से मिल वोट देने की अपील करती दिखाई पड़ी। जबकि मंदिरों में मत्था टेक और कीर्तन करते दिखाई दीं। सातवें चरण में गाजीपुर सीट पर एक जून को मतदान होगा। इसके लिए सात मई से 14 मई तक नामांकन होगा।

भाजपा को लाइए, बंगाल को कर्फ्यू-दंगा मुक्त कराइए: योगी

पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में पहुंचे यूपी के मुख्यमंत्री

मुर्शिदाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सुदृढ़ कानून व्यवस्था के पर्याय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। सीएम योगी ने यहां तीन चुनावी रैली की। पहली रैली मुर्शिदाबाद जिले में बहरामपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. निर्मल कुमार साहा के पक्ष में की। योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आमजन की भीड़ उमड़ी। उमड़े। पूरा प्रांगण खचाखच भरा रहा। यहां सीएम योगी ने ममता दीदी को आईना दिखाया तो कांग्रेस-तृणमूल के गठबंधन को भी खूब खरी-खरी सुनाई। संदेश-खाली और रामनवमी में दंगे को लेकर योगी ने बंगाल सरकार से कई प्रश्न भी पूछे। उन्होंने कहा कि बंगाल को दंगा-कर्फ्यू से मुक्त करने के लिए भाजपा को वोट दें।

सीएम योगी ने कहा कि जो बंगाल भारत की सभ्यता व संस्कृति को नई दिशा देता था, जिस बंगाल ने भारत के संस्कारों को आगे बढ़ाने में महती भूमिका का निर्वहन किया था। जिसने कभी भारत को नवजागरण का मार्ग दिखाया था। वह बंगाल आज लहूलुहान, दिशाहीन क्यों है। जिस बंगाल ने कभी देश को राष्ट्रगीत-राष्ट्रगान दिया था, उस बंगाल से आज रोने और कराहने की चित्कार क्यों उठ रही है। जिस बंगाल ने भारत को सिखाया था कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। उस बंगाल में सत्ता के संरक्षण में आज हिंदू परंपरा व संस्कृति को रौंदने का प्रयास कैसे हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि जिस बंगाल ने दयामयी मां दुर्गा की पूजा के अनुष्ठान का संदेश दिया था। प्रदेश सरकार बताए, उस बंगाल में संदेशखाली जैसी घटनाएं कैसे हो रही हैं। जिसकी कल्पना स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने की थी, आज का बंगाल वह सोनार बांग्ला नहीं है। जिस बंगाल ने वंदे मातरम का गीत दिया था, उसे दंगों की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास हो रहा है। बंगाल साजिश का शिकार हो चुका है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। दोनों बंगाल को लूटने और भारत के खिलाफ साजिश रचने के लिए एक हैं। कांग्रेस कम्युनिस्टों और दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के साथ मिलकर भारत के खिलाफ वही साजिश करना चाहती है, जो बंगाल के अंदर हिंदुओं के साथ कर रही है।

सीएम ने कहा कि लहूलुहान बंगाल विकास से दूर हटता जा रहा है। बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। आज से सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की भी यही स्थिति थी, लेकिन सात वर्ष में उप्र में कोई कर्फ्यू-दंगा नहीं हुआ। उप्र में आज कोई रंगदारी नहीं वसूल सकता। राहगीर और गरीब की संपत्ति पर कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता। यूपी में सरकार की योजना का लाभ हर गरीब, नौजवान, महिला, युवा को मिल रहा है, लेकिन बंगाल इससे वंचित है।

सीएम योगी ने कहा कि बंगाल ने भारत को राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत दिया। दुनिया के मंच पर स्वामी विवेकानंद ने संदेश दिया था कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं, उस बंगाल को आज हिंदू विहीन करने की साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस बंगाल में दो प्रकार की साजिश कर रहे हैं। पहला-आपके डेमोग्राफी को कम करने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है। घुसपैठिए को बंगाल में घुसाकर सुनियोजित साजिश के तहत आपकी संख्या को कम करने का प्रयास हो रहा है। दूसरा- कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस का गठबंधन दिल्ली में मिलकर साजिश करना चाहता है। दिल्ली से मोदी जी जो सुविधाएं भेजते हैं, माफिया व अपराधियों को सत्ता संरक्षण बनाकर उस पर यह लोग डकैती डालते हैं। उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी के मार्गदर्शन में गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस कोई भी योजना लागू नहीं होने देती।

सीएम ने कहा कि राम रग-रग में बसे हैं। राम के बिना भारतीय जीवन पद्धति में कोई काम हीं हो सकता। हम जीते-उठते, सोते-बैठते राम का नाम लेते हैं। मांगलिक कार्यक्रमों में अखंड रामायण का पाठ और अंतिम यात्रा भी राम नाम सत्य से निकलती है। जैसे यहां राम की पूजा होती है, वैसे ही उत्तर प्रदेश में मां दुर्गा का अनुष्ठान होता है। बंगाल से गए मूर्तिकार यूपी में मूर्ति बनाते हैं। रामनवमी हो या नवरात्रि, वहां दंगा नहीं होता। बंगाल सरकार बताए, आखिरकार वैशाखी व रामनवमी के अवसर पर यहां दंगे क्यों हुए। बंगाल सरकार ने दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की।

जनता नहीं, अपराधियों के साथ है ममता दीदी की ममता: योगी

आसनसोल, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जिस बंगाल के स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक मंच पर कहा था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं, आज उसी बंगाल में जयश्रीराम बोलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। जिस बंगाल ने बांग्ला रामायण लिखा था, आज वहां जयश्रीराम कहने पर गोली चलाई जाती है। शोभायात्रा पर हमले कर दिए जाते हैं। सरकार की ओर से झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। पूरे देश को संस्कृति, कला व संस्कारों की सीख देने वाली बंगाल की भूमि में आज संदेशखाली की घटना होती है और तृणमूल सरकार अपराधी को बचाने का कार्य करती है। उपद्रवियों के सामने पूरी टीएमसी सरकार मौन है। ममता दीदी की ममता जनता नहीं, बल्कि अपराधियों के साथ है। बंगाल की परिस्थितियों से हर भारतवासी चिंतित है। यह बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में तीसरी जनसभा आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार एसएस अह-लूवालिया के पक्ष में की।

सीएम ने कहा कि बंगाल को भी यूपी जैसा मॉडल चाहिए। जब कोठारी बंधु बलिदान हुए थे तो अंतिम समय भी उन्होंने नारा लगाया कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। नाम भले अलग हैं, लेकिन लूट, अराजकता, भ्रष्टाचार में कांग्रेस, तृणमूल व कम्युनिस्ट एक हैं। बस लूटने के तरीके इनके अलग हैं। तीनों पर विश्वास नहीं करना है। उन्होंने कहा कि बंगाल अब सोनार बंग्ला नहीं रहा। अपील की कि सोनार बांग्ला के लिए मोदी जी के नेतृत्व में वोट देना है। सीएम ने सुरक्षित व समृद्धि बंगाल की वकालत की। अयोध्या की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तब और अब की अयोध्या में काफी अंतर आ गया है। जैसी अयोध्या लगती है, वैसे ही बंगाल को बनाना है।

सीएम ने कहा कि जिन कारणों से 1947 में मजहब के आधार पर देश का विभाजन हुआ था। बंगाल के अंदर कांग्रेस व तृणमूल के लोग फिर से उसी परिस्थिति को पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। बीरभूमि में सात में से तीन असेंबली की डेमोग्राफी बदल गई है। वहां रामनवमी के जुलूस पर हमले होते हैं। सीएम ने कहाकि अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन में बंगाल के कोठारी बंधुओं ने खुद को बलिदान किया था।

सीएम ने कहा कि जो काम 65 वर्ष में कांग्रेस नहीं पाई, वह काम 10 वर्ष में मोदी जी ने कर दिया। बंगाल में जो काम दीदी 15 वर्ष में नहीं कर पाईं, हमने पांच वर्ष में ही उत्तर प्रदेश में कर दिया। बंगाल में तृकां सरकार जनता की योजनाएं लागू नहीं होने देती। तृणमूल सरकार आसनसोल की जनता को पानी के लिए तरसा देती है। मोदी जी हर घर नल योजना लागू करना चाहते, लेकिन यह लोग पानी नहीं देना चाहते। रैली में आए आमजन के हाथ में श्रीराम की फोटो देख सीएम गदगद हो गए। उन्होंने कहा कि यहां रामनवमी की शोभायात्रा नहीं निकल रही है। उप्र में 50 हजार स्थानों पर दुर्गा पूजा होती है। सात वर्ष में वहां कर्फ्यू व एक भी दंगा नहीं हुआ। दंगा-कर्फ्यू लगाने वालों को पता है कि रामनवमी के जुलूस पर पथराव करेंगे तो ऐसा उल्टा लटका देंगे कि सात पीढ़ियां दंगा करना भूल जाएंगी। हम दंगा करने वालों की संपत्ति को कब्जे में लेकर गरीबों में बांट देते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि शेर जैसा नेतृत्व चाहिए तो एसएस अहलूवालिया को वोट दीजिए। जब हम लोगों ने संसद में जाना शुरू किया था, तब भी वे देश के नेता थे। संसद में भी हम साथ रहे। केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रवक्ता के रूप में उन्होंने काम किया। आसनसोल का सौभाग्य है कि इसी माटी के सपूत आपके बीच में हैं। उनके भीतर आत्मनिर्भर व विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने का जज्बा है। अहलूवालिया जी का शेर जैसा दिल और जूझने की प्रवृत्ति है। अहलूवालिया जी को अपना प्रतिनिधि बनाकर मोदी जी ने आसनसोल में भेजा है। सुरक्षा आपकी, बंगाल भी आपका, भारत भी आपका, वोट भी आपका और निर्णय भी आपका है।

बाबा विश्वनाथ भी दे रहे संदेश, लोकतंत्र के महापर्व में करें मतदान

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की तरफ से मतदान के लिए किया जा रहा प्रेरित

वाराणसी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बाबा विश्वनाथ के दरबार से निकले संदेश को श्रद्धालु न सिर्फ सुनते हैं, बल्कि उस पर अमल भी करते हैं। इस बार बाबा विश्वनाथ भक्तों को लोकतंत्र के महापर्व में मतदान का संदेश दे रहे हैं। मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम में पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही टोकन, टिकट और वेबसाइट के जरिए भी मतदान की अपील की जा रही है।

काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ श्रद्धालुओं को लोकतंत्र के महापर्व में मतदान आपका अधिकार ही नहीं, राष्ट्रीय कर्तव्य भी का बोध करा रहे हैं। राष्ट्र की उन्नति व विकास के लिए वोट का संदेश दे रहे हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सीईओ विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए काशी विश्वनाथ धाम में पोस्टर लगाए गए हैं। विभिन्न प्रकार के टोकन और टिकट पर भी मतदान की अपील की गई है। ऑफिशियल वेबसाइट से भी यह संदेश दिए जा रहे हैं।

देश-प्रदेश से आए श्रद्धालुओं को एक टोकन जहां न्यास की तरफ से वोट देने की अपील की जा रही है, वहीं काशीवासियों को भी वोट प्रतिशत बढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है। मेरी काशी, मेरी शान-एक जून को करें मतदान आदि स्लोगन के जरिए स्थानीय लोगों को भी हर हाल में सातवें चरण में वोट देने का संदेश दिया जा रहा है।

माइग्रेन के इलाज के लिए कुछ घरेलू नुस्खे

माइग्रेस सिर से जुड़ी बीमारी है। इसके अधिक बढ़ जाने पर सिर में अक्सर दर्द की शिकायत होती है। सिरदर्द एक बहुत ही आम समस्या है। यह सिरदर्द जब केवल आधे सिर में होता है तो इसे आधा सीसी या माइग्रेन कहते हैं। आंख के ऊपर से शुरूहोता यह दर्द सिर के ऊपर एक स्थान पर स्थिर हो जाता है अथवा सिर के पीछे तक चला जा सकता है। जी मिचलाना, आंखों के आगे अंधेरा छा जाना, चक्कर आदि इसके आम लक्षण हैं।

माइग्रेन का दर्द इतना भंयकर होता है कि प्राय: व्यक्ति अपने पर नियंत्रण नहीं रख सकता। कामकाज करते समय यदि आपके सिर में बार-बार हल्का सा भी दर्द होता है तो उसके प्रति सतर्प रहें क्योंकि हो सकता है आप भी माइग्रेन के शिकार बन रहे हों।

चिकित्सकों से इलाज के साथ-साथ मालिश भी माइग्रेन से निजात पाने में आपकी मदद कर सकती है। जिस समय माइग्रेन का दौरा पड़े उस समय सिर पर हल्की-हल्की मालिश किया जाना लाभदायक होता है। यदि आप मालिश करवाने की स्थिति में न हों तो कनपटियों को अंगुलियों से दबाएं तथा अगूंठे को मोड़कर माथे पर दबाव दें। इससे आपको अस्थायी तौर पर राहत जरूर मिलेगी। एक अच्छे मालिश करने वाले को यह पता होता है कि खोपड़ी के किस हिस्से को कितना दबाना या सहलाना है। वे लोग जो माइग्रेन से ग्रस्त हैं उन्हें थोड़े-थोड़े समय बाद मालिश करवाते रहना चाहिए यह निश्चित ही उनके लिए लाभदायक होगा। मालिश के समय आसपास का वातावरण बिल्कुल शांत होना चाहिए।

अनेक घरेलू उपाय भी ऐसे हैं जो आपको माइग्रेन से राहत दिला सकते हैं। जैसे लौंग या बड़ी इलायची का छिलका पीसकर थोड़ा गर्म करके सिर पर लेप करने से दर्द में राहत मिलती है। शुद्ध शहद में थोड़ा नमक मिलाकर चाटने या पुराने गुड़ में थोड़ा कपूर मिलाकर सूर्योदय के पहले खाने से भी माइग्रेन से राहत मिलती है। सुबह गाय का ताजा घी नाक में चढ़ाने या केसर डालकर सूघंने से आधा सीसी का दर्द दूर हो जाता है। केसर को बादाम के तेल में मिलाकर सूंघने से भी दर्द कम हो जाता है। ऐसा दिन में लगभग तीन बार करना चाहिए। रीठे के पानी में पीसकर उसका मत्स्य देना भी फायदेमंद होता है। नीम की पत्तियां, काली मिर्च और चावल के मिश्रण का भी नस्य दिया जा सकता है। इसके लिए नीम की पत्तियों को काली मिर्च और चावल के साथ पीस लें। इस पाउडर का नस्य लेने से दर्द जरूर दूर होता है। नौसादर के साथ हल्दी मिलाकर सूंघने या पुरानी रूई का धुंआ सूंघना भी माइग्रेन से राहत दिलाता है। दर्द से तुरंत राहत के लिए नारियल पानी नाक में टपकाएं अथवा जमालगोटा के बीज पीसकर जिस तरफ दर्द हो रहा हो उससे विपरीत दिशा में माथे पर लगाएं। लगभग तीन मिनट बाद इसे कपड़े से पोंछ दें। यदि किसी प्रकार की जलन महसूस हो तो थोड़ा सा देशी घी लगा लें। दर्द उठने पर फूलों का रस विपरीत दिशा वाली नासिका में डालने से भी तुरंत आराम मिलता है।

सुबह होते ही गाय का ताजा दूध नाक से ऊपर खींचने से भी माइग्रेन से निजात मिलती है। यदि रोग बहुत पुराना हो गया हो तो भी परेशानी की कोई बात नहीं। इसके लिए गाजर के पत्तों को उबाल कर ठंडा कर लें और उसका पानी नाक और कान में डालें। ऐसा करने से पुराने से पुराना माइग्रेन भी ठीक हो जाता है। इन उपायों के साथ आपकी दिनचर्या में बदलाव भी माइग्रेन से राहत दिलाता है। जहां तक संभव हो माइग्रेन के रोगी को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। सुबह जल्दी उठने के लिए जरूरी है कि रात को जल्दी सोया जाए। वे महिलाएं जो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन करती हैं उन्हें, इनका सेवन नियंत्रित तरीके से डॉक्टर को देखरेख में करना चाहिए अन्यथा वे भी माइग्रेन की शिकार हो सकती हैं।

पोटैशियम की कमी से होते हैं ये मानसिक प्रभाव

पोटैशियम कैल्शियम, पोटैशियम क्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और सल्फर सहित हमारे शरीर के लिए सबसे आवश्यक मिनरल्स में से एक होता है। आमतौर पर वयस्कों को रोजाना 47000 मिलीग्राम पोटैशियम की जरूरत होती है, पोटैशियम हृदय, दिमाग और मांसपेशियों की कार्यप्रणाली में मदद करता है। शरीर में पोटैशियम की कमी से हाइपोकैलीमिया होने का खतरा हो जाता है। मुख्य कारण पोटैशियम की कमी हो सकता है।

क्यों होता है ब्रेन कैंसर

ब्रेन कैंसर दिमाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के कारण होता है। ब्रेन प्रेशर बढने से इसमें सिरदर्द, उल्टी आना, जी मचलाना, आदि इसके प्राथमिक लक्षण हैं। मोबाइल फोन भी ब्रेन कैंसर का कारण हो सकते हैं। हमारे शरीर की आवश्यकता के अनुसार कोशिकाएं विभाजित होती हैं, बढ़ती हैं और डेड हो जाती हैं। मरने वाली कोशिकाओं का स्थान नई पैदा हुई कोशिकाएं ले लेती हैं।

जब कभी यह व्यवस्था भंग होती है, नई कोशिकाएं असमय पैदा हो जाती हैं और पुरानी समाप्त नहीं होती हैं ऐसे में अतिरिक्त कोशिकाएं और उतकों का एक गांठ बन जाता है जो कि कैंसर का प्रमुख कारण होता है और यही स्थिति आदमी के दिमाग में बनती है जिसे ब्रेन कैंसर होता है। ब्रेन कैंसर की अवस्थाओं को चार हिस्सों में बांटा गया है। पहले अवस्था की स्थिति प्राथमिक होती है जिसे नार्मल स्टेज भी कहा जाता है जिसमें मरीज का इलाज संभव होता है। लेकिन ब्रेन कैंसर अवस्था के चौथे स्ट्रेज में स्थित घातक हो जाती है और कोशिकाएं नियंत्रण से बाहर हो जाता है।

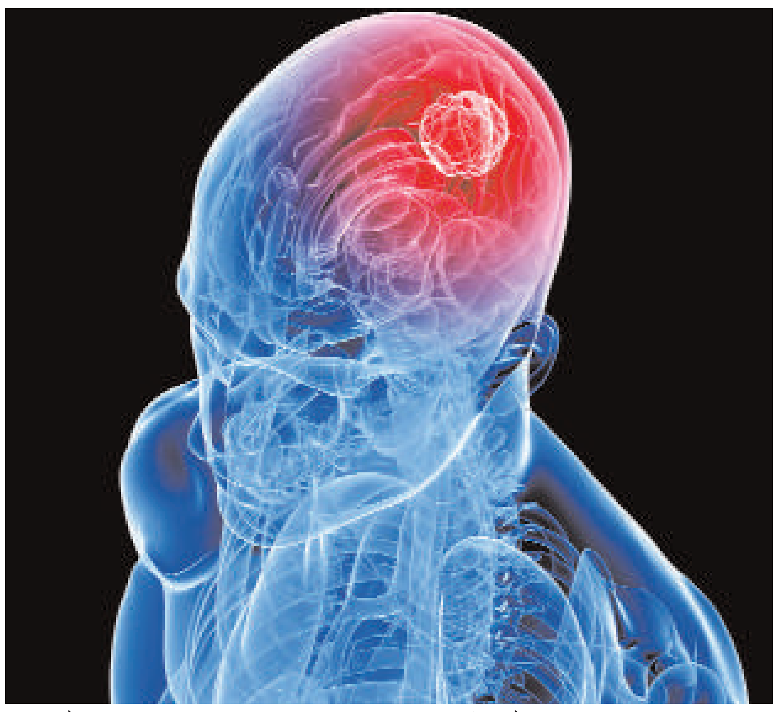

ब्रेन कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1

ब्रेन कैंसर की वह नार्मल स्थिति होती है जिसकी रोकथाम आसानी से की जा सकती है। इस स्थिति में कोशिकाओं का विकास बहुत धीरे होता है। टयूमर दिमाग से शरीर के दूसरे हिस्से में नहीं फैलता है। इस स्टेज को आसानी से सर्जरी के जरिए स्कल को खोलकर टयूमर को हटाया जा सकता है। कीमोथेरेपी ओर रेडिएशन थेरेपी के जरिए भी इस स्टेज का इलाज किया जा सकता है।

स्टेज 2

ब्रेन कैंसर की इस स्थिति में घातक ब्रेन सेल्स के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगते हैं। अगर इसका निदान नहीं किया गया तो टूयमर बढने लगता है और घातक साबित हो सकता है। कीमोथेरेपी के जरिए इस अवस्था का इलाज संभव है।

स्टेज 3

ब्रेन कैंसर की इस स्थिति में टयूमर परिपक्व होकर आक्रमक हो जाता है। घातक कैंसर सेल्स तेजी से फैलकर शरीर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाने लगते हैं। दिमाग को शरीर के अन्य संकेतों को पहचानने में दिक्कत होने लगती है। आदमी को शरीर का संतुलन बनाने में दिक्कत होने लगती है। बुखार और उल्टी लगातार होने लगती है। रेडिएशन थेरेपी के जरिए

इस स्टेज का इलाज कुछ हद तक संभव है।

स्टेज 4

यह ब्रेन कैंसर की आखिरी अवस्था होती है। इसमें टूयमर पूर्णतया विकसित होकर शरीर को पूरी तरह से क्षति पहुचाने लगता है। घातक उतकों की पहचान मेडिकल जांच के द्वारा भी मुश्किल से हो पाती है। कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और लेजर थेरेपी द्वारा इस स्टेज पर इलाज के लिए सुझाव दिया जा सकता है। मस्तिष्क कैंसर के रोगियों को की उम्र बढाने में व्यायाम कारगर साबित होता है। एक अध्ययन में कहा गया है कि इस रोग से पीडित रोगी को नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए।

ब्रेन ट्यूमर की बृद्धि को रोकेगा ओएसएमआर प्रोटीन

आम सिरदर्द की समस्या कई बार ब्रेन ट्यूमर का लक्षण होती है। शायद इसलिए ही ब्रेन ट्यूमर को साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि पहचान न होने से व्यक्ति अनजान रहता है और अंदर-ही-अंदर यह गंभीर होता जाता है। हालांकि एक शोध के अनुसार एक प्रोटीन ब्रेन ट्यूमर को बनने से रोक सकता है। कनाडा के मैक गिल युनिवर्सिटी की शोध के अनुसार ओएसएमआर (ऑन्कोस्टैटिन एम रिसेप्टर) प्रोटीन की क्रियाशीलता को बंद कर देने से ट्यूमर का विकास रुक जाता है। यह प्रोटीन 'ग्लियोब्लास्टोमा ट्यूमर्स' के निर्माण के लिए आवश्यक है, जो न सिर्फ रेडिएशन व कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिरोधी है, बल्कि सर्जरी के माध्यम से इसे निकालना भी बेहद कठिन है। शोधकर्ता के अनुसार इस तरह के ट्यूमर से ग्रस्त मरीज बेमुश्किल 16 महीने से अधिक नहीं जी पाते हैं। ओएसएमआर जितना अधिक क्रियाशील होगा, मरीज की मौत उतनी ही जल्दी होगी। शरीर में बननेवाले सेल्स कुछ समय बाद नष्ट हो जाते हैं और उनकी जगह नये सेल्स बन जाते हैं। यह एक साधारण प्रक्रिया है। जब यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है, तो ट्यूमर सेल्स बनने लगते हैं। सर्जरी इसका प्रमुख इलाज है। सर्जरी के दौरान अगर इस तरह की एक भी कोशिका बची रह जाती है, तो वह फिर से एक ट्यूमर का विकास कर लेती है।यह किसी भी उम्र में हो सकता है। तीन से 15 वर्ष के बच्चों को हो सकता है। ज्यादातर 50 वर्ष के बाद होता है।

टांसिलों की बीमारी को न करें नजरंदाज

मनुष्य के गले में मौजूद टांसिल कई बार संक्रमित हो जाते हैं। गला हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। शरीर के भीतर पहुंचने वाले खाद्य-पदार्थ तथा हवा-पानी के प्रवेश का दायित्व इसी पर है। इसी कारण यही हिस्सा हमारे द्वारा ग्रहण किये जाने वाले भोजन, जल तथा वायु में उपस्थित किसी भी जहरीले तत्व से सबसे पहले प्रभावित होता है। नाक और कान भी इससे अछूते नहीं रहते। हालांकि बाहरी रूप से देखने से हमारे नाक, गला व कान अलग-अलग दिखाई देते हैं परन्तु गले के भीतर जाकर इन तीनों अंगों की कोशिकाएं आपस में मिल जाती हैं। इस कारण इन तीनों अंगों में से किसी एक भी अंग में किसी प्रकार का संक्रमण हो जाता है तो उसका प्रभाव तीनों अंगों पर पड़ता है।

कोई भी संक्रमण होते ही जल्दी से उसका उपचार किया जाए

बाहरी वातावरण में उपस्थित किसी भी जहरीले तत्व के संक्रमण से इन अंगों को बचाने के लिए प्रकृति ने मुख तथा गले की संरचना इस प्रकार की है कि उन जहरीले तत्वों को हमारे मुंह के अंदरूनी तंत्र पर कोई प्रभाव न पड़े। बाहरी रूप में देखने पर नाक व मुख एक सम्पूर्ण अंग के रूप में ही दिखाई देते हैं, उनके अलग-अलग हिस्से दिखाई नहीं देते। परन्तु वास्तव में यह अंग कई हिस्सों में बंटे होते हैं। हालांकि निटलकैविटी मारेटज और नेटलचेप्टर देखने में तो अलग-अलग दिखाई देते हैं परन्तु पीछे जाकर गले की अंदर आपस में एक गुहा में मिल जाते हैं जिसे ओरोफेरिंगल्स कहते हैं ओरोफेरिगल्स के ऊपर नाक के पीछे के भाग को लेजोफेरिग्ल्सं कहते हैं।

टांसिल की समस्या का कारण किसी भी प्रकार का प्रदूषण या संक्रमण हो सकता है जो हमारे शरीर में मुख व नाक से प्रवेश कर रहा हो। ये प्रदूषण या इन्फेक्शन वायरल या बैक्टीरियल किसी भी प्रकार के प्रदूषक से दूषित हवा सांस के माध्यम से जब शरीर में प्रवेश कर जाती है तो यह तुरंत समस्या पैदा कर सकती है। ऐसे स्थान जहां के वातावरण में बदबू, सीलन तथा अन्य किसी रासायनिक तत्व का समावेश हो ऐसे स्थानों में वायु के द्वारा निरन्तर जहरीले तत्वों के सम्पर्प में आने के कारण टांसिल रोग की समस्या खड़ी हो सकती है। बच्चों में इस रोग के ज्यादा मामले दृष्टिगत होते हैं क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। ऐसा नहीं कि बड़ी उम्र के लोग इससे ग्रसित नहीं हो सकते उनमें भी यह समस्या देखी जा सकती है। टांसिलाइटिस इस रोग की एक खतरनाक अवस्था होती है क्योंकि शरीर में एन्टीबाडीज होने के कारण प्रतिक्रिया होती रहती है। इस अवस्था में जैसे ही एंटीजन हमारे शरीर में प्रवेश करता है वैसे ही टांसिल टिश्यू उससे लड़ना शुरू कर देते हैं इससे जो एंटीजन बनता है वह शरीर के अन्य भागों में उपस्थित प्रोटीन के साथ प्रतिक्रिया करके वहां भी इसी प्रकार के एंटीबाडीज बना देता है। इन एंटीबाडीज का दिल के वॉल्व पर सीधा प्रभाव पड़ता है तथा दिल के वॉल्व खराब होने का खतरा पैदा हो जाता है। टांसिल तो ज्यादातर बच्चों को होता है परन्तु इसका दिल पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव किसी भी उम्र में पड़ सकता है। बचपन में गले के संक्रमण का उचित उपचार न होना भी हमारे देश में दिल की बीमारियों का एक कारण है। इसके अतिरिक्त टांसिल से बैराफेंगिल्स एपशिश, न्यूट्राफरिंगल्स एपाशीश जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। शरीर की यांत्रिक संरचना में विषैले तत्वों को गड़बड़ी के कारण पैदा होने वाली इस समस्या की पहचान कुछ प्रारंभिक लक्षण देखकर की जा सकती है जैसे- बार-बार गला खराब होना, गले में सूजन होना, दर्द होना, बार-बार बुखार आना आदि। यदि ऐसे ही लक्षण रोगी को बार-बार हो रहे हों। जैसे एक वर्ष में पांच या छह बार तो उसे टांसिल का आपरेशन करवा लेना चाहिए। टांसिल के संक्रमण से बचने के लिए जरूरी है कि बच्चों को संतुलित भोजन दिया जाए ताकि उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। टांसिल के संक्रमण के लक्षण दिखते ही तुरंत डाक्टर से सम्पर्प करें। डॉक्टर द्वारा दिए गए दवाई के कोर्स को पूरा करना चाहिए। अक्सर लोग थोड़ा सा आराम मिलते ही दवाई बंद कर देते हैं परंतु ऐसा करना रोग को और अधिक उग्र बना देता है।

जीवन में सफल बनना है तो अपने सोने का समय कर लें फिक्स

हर रात एक नियत समय पर सोना थोड़ा मुश्किल है। खासतौर पर तब जब आपके फेवरिट टीवी सीरियल में कोई रोचक और रहस्यपूर्ण कहानी आ रही हो। ऐसे में आप अपना सीरियल देखने के लिए देर रात 2 बजे तक जगे रहते हैं। वहीं दूसरी रात आप 10 बजते-बजते बिस्तर पकड़ लेते हैं क्योंकि आप पिछली रात देर तक जगने की वजह से काफी थके हुए थे।

लेकिन सोने का यह तरीका आपको कई तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि ऐसे लोग जिनके सोने का समय फिक्स है यानी जो लोग हर रात एक ही समय पर सोते हैं वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा सफल होते हैं जो हर रात अलग-अलग समय पर बिस्तर पर जाते हैं। यही नियम स्टूडेंट्स पर

भी लागू होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऐसे स्टूडेंट्स जिनके नींद का पैटर्न रेगुलर नहीं है उनके ग्रेड्स दूसरे स्टूडेंट्स की तुलना में खराब थे।

इतना ही नहीं जो लोग हर रात एक नियत समय पर सोते हैं वह सुबह आसानी से उठ जाते हैं और उन्हें अलार्म को बार-बार स्नूज नहीं करना पड़ता। साथ ही ऐसे लोगों को बिस्तर पर जाकर बार-बार करवट बदलने की जरूरत भी नहीं पड़ती। उन्हें बिस्तर पर लेटते ही तुरंत नींद आ जाती है।

जो लोग हर रात अलग-अलग समय पर सोते हैं उन्हें बिस्तर पर जाने के बाद भी नींद के लिए संघर्ष करना पड़ता है क्योंकि मेलाटोनिन नाम के हार्मोन का अनियमित रिलीज होने लगता है। यह वह हार्मोन है जो हमारी नींद के लिए जिम्मेदार है। अनियमित रूटीन आपके बॉडी क्लॉक को कन्फ्यूज कर देती है। बायोफिजिस्ट डॉ ऐन्ड्र्यू जे के फिलिप्स कहते हैं, हमारे नतीजे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि अपने सोने और उठने का समय फिक्स कर देना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि वह शख्स कितने घंटे सो रहा है, यह फिक्स करना।

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त बरते ये सावधानियां

घर बैठे अपने कंप्यूटर या लैपटॉप पर आराम से ऑनलाइन शॉपिंग करना जितना आरामदायक है, वहीं इसमें कुछ खतरे भी हैं। लिहाजा ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है-

» ऑनलाइन शॉपिंग में आप तब तक महफूज हैं, जब तक आप अनजान लोगों को अपने कार्ड या अकाउंट से संबंधित जानकारियां साझा नहीं करते। अक्सर ऐसे लोग हैकिंग का शिकार होते हैं जो अपने कम्प्यूटर सिस्टम के ऐंटीवायरस और ऑपरेटिंग सिस्टम को समय-समय पर अपडेट नहीं करते हैं।

» किसी भी ऑनलाइन पोर्टल पर खरीददारी करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप किसी ऐसे लिंक पर क्लिक तो नहीं कर रहे हैं, जो आपको बिना किसी कारण के अवांछित ई-मेल भेजते हैं या लिंक्स पर जाने के बाद आपको चकित कर देने वाले आकर्षक ऑफर तो नहीं मिल रहें हैं। अक्सर ये हमें भ्रमित कर हमारी जानकारियां चुराने का माध्यम बन जाते हैं।

» ऑनलाइन शॉपिंग करने के बाद निश्चिंत हो जाना आपको कभी-कभी महंगा पड़ सकता है इसलिए जरूरत है कि आप अपने बैंक स्टेटमेंट की वक्त-वक्त पर जांच करते रहें।

» ऑनलाइन शॉपिंग के लिए कोशिश करें कि एक ही कार्ड का प्रयोग करें ताकि अकाउंट चेक करते समय दिक्कतों का सामना न करना पड़े और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर तुरंत पता चल जाए।

» कोशिश करें कि डेबिट कार्ड की जगह क्रेडिट कार्ड से भुगतान करें क्योंकि बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ जो गारंटी देता है, वह डेबिट कार्ड के साथ नहीं मिलती है।

इन असरदार उपायों को अपनाएं और पथरी से छुटकारा पाएं

गुर्दे में पथरी होना काफी आम बात हो गई है। इसके होने की एक बडी वजह गलत खान-पान भी है। गुर्दे में पथरी होने से बहुत दर्द होता है। पथरी अगर छोटे आकार की हो तो पेशाब के रास्ते निकल जाती है लेकिन अगर इसका आकार बडा हो तो यह बाहर निकल नहीं पाती। इस कारण पेशाब करते वक्त दर्द और जलन महसूस होती है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर इससे छुटकारा पाया जा सकता है।

1. पानी : पानी की कमी होने से पथरी बनने वाले तत्व गुर्दे में फंस जाते हैं जो बाद में पथरी की समस्या पैदा करते हैं। इस लिए दिन में 2-3 लीटर पानी पीएं।

2. केला : केला पथरी के इलाज में काफी मददगार होता है। इसमे विटामिन बी 6 होता है, जो स्टोन को बनने से रोकता है।

3. नींबू का रस और जैतून का तेल : दर्द होने पर 60 मिली लीटर नींबू के रस में बराबर मात्रा में जैतून का तेल मिला कर सेवन करने से आराम मिलता है। ये स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

4. प्याज : 70 ग्राम प्याज को पीस लें और इसका रस निकालें। रोज सुबह इस रस का खाली पेट सेवन करने से पथरी छोटे-छोटे टुकड़े होकर निकल जाएगी।

5. तुलसी : इसका रस पीने से पथरी को यूरीन के रास्ते बाहर निकलने मे मदद मिलती है।

6. करेला : इसमें मैग्नीशियम और फॉस्फोरस नामक तत्व होते हैं। यह पथररी को बनने से रोकता है।

रेसिपी

पोहा खीर

सामग्री

पोहा 50 ग्राम, चीनी 80 ग्राम, काजू 8 या 10 कटे हुये, किशमिश थोड़ी सी, पिस्ते 12-15 कटे हुये, इलायची - 5, फूल क्रीम दूध आधा किलो।

विधि

दूध को किसी भारी तले के बर्तन में डालकर गरम करने के लिये रख दीजिए। दूध में उबाल आने पर गैस को धीमा कर दें और उबलते दूध में पोहा डाल का धीमी आंच पर पकने दें और हर 2-3 मिनिट में इसे चलाते रहें । इसे तब तक पकाएं जब तक की पोहा फूल कर दूध के साथ एकसार न हो जाए। खीर में मेवे डाल दें खीर को अच्छी तरह चमचे को बर्तन के तले में ले जाते हुये चलाइये, खीर को गाढ़ा होने तक पकाइये, थोड़ी थोड़ी देर में चलाते रहिये। अच्छी तरह से मिक्स होकर एकसार हो जाएं तब इसमें चीनी मिला दें और खीर को 1-2 मिनिट तक या चीनी घुलने तक और पका लें। खीर में इलायची पाउडर डालकर मिला दें। लगभग 15- 16 मिनिट में खीर बन जाती है, पोहा खीर बन कर तैयार है, पतले कतरे मेवे ऊपर से डाल कर सजाईये।

चॉकलेट की रसमलाई

सामग्री

140 मिली लीटर कंडेंस्ड मिल्क, 1 कप दूध, 4 बड़ा चम्मच कोको पाउडर, एक छोटा चम्मच वेनीला एक्स्ट्रैक्ट, 14-15 छेना रसगुल्ले, सजावट के लिए, एक बड़ा चम्मच पिस्ता और मेवे कटे हुए

विधि

सबसे पहले रसगुल्लों को दबाकर इनका रस निकाल दें। ध्यान रखें कि फटे न। मीडियम आंच में एक पैन में दूध गर्म करें और इसमें कोका पाउडर और वेनीला एक्स्ट्रैक्ट डालकर गाढ़ा होने तक चलाते हुए पकाएं। अब एक बड़े बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क डालें और इसमें दूध-कोको वाला मिश्रण मिलाकर धीमी आंच में एक उबाल आने तक पका लें। इसे चलाते रहें। अब इसमें रसगुल्ले डालें और 2-3 मिनट तक ढक कर पकाएं। इसे 2-3 घंटे तक ठंडा होने दें। इसका ख्याल रखें कि रसगुल्ले चॉकलेट में अच्छी तरह डूब जाएं। तैयार चॉकलेट रसमलाई को पिस्ता व मेवे से गार्निश कर सर्व करें।

संपादकीय

एक बार फिर 'ईवीएम' की जीत

सर्वोच्च न्यायालय ने मतदाता पर्ची से चुनाव कराने और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट पर्ची की 100 प्रतिशत गिनती कराने से जुड़ी सभी याचिकाओं को रद्द कर दिया है। इसे ईवीएम की एक और जीत के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल, जब से कांग्रेस दुर्दशा को प्राप्त हुई है, तब से लगातार उसके नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग की स्पष्टता एवं खुली चुनौती के बाद भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं एवं निर्वाचन की पारदर्शी व्यवस्था के प्रति मतदाताओं के मन में संदेह पैदा करते रहे हैं। मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने वीवीपैट की व्यवस्था की। वीवीपैट की सहायता से मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस प्रत्याशी/दल के सामने का बटन दबाया, उसका मत उसी को मिला या नहीं। किसी प्रकार का संदेह नहीं रह जाए इसलिए चुनाव आयोग ने एक निश्चित प्रतिशत में वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था भी की है। परंतु इतना सब होने के बाद भी बार-बार हार का सामना करनेवाली कांग्रेस एवं विपक्षी पार्टियां सच स्वीकार करने और आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं हैं। उन पर कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेड़ा' सटीक लागू होती है। ईवीएम पर सवाल उठाने की अपेक्षा आवश्यक था कि कांग्रेस ईमानदारी से अपनी स्थिति का आकलन करे। अपनी नीतियों का मूल्यांकन करे। यह जानने की कोशिश करे कि आखिर मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर इतनी नाराजगी क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से केवल हार ही रही है। कई राज्यों में उसने इसी ईवीएम से हुए चुनावों के बाद बहुमत प्राप्त करके सरकार बनायी है। यदि ईवीएम में कोई दोष होता, तब वह इन राज्यों में कैसे चुनी जाती रही? विशेषकर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और हिमाचल में, जहाँ भाजपा को लोकसभा में एकतरफा जीत मिलती है। यदि ईवीएम को हैक किया जा सकता तब भाजपा अवश्य ही केरल सहित भारत के दक्षिणी हिस्से के कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर लेती। पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में जिस प्रकार का वातावरण बना था, उसके बाद भी वह हार गई। यह इसी बात का परिणाम है कि ईवीएम से निष्पक्षता से मतदान होता है। दरअसल, कांग्रेस के साथ दिक्कत यह है कि उसने ऐसे बुद्धिजीवियों का साथ ले रखा है, जो कागजों में उसके पक्ष में वातावरण बने होने का दावा करते हैं। जब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के आसपास ऐसा वातावरण रच दिया जाता है कि 'हम ही जीत रहे हैं', तब विपरीत परिणाम आने पर उन्हें कुछ सूझ ही नहीं पड़ता। या फिर यह भी हो सकता है कि कांग्रेस के नेता गरीब परिवार से आनेवाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं इसलिए उनकी विजय को संदिग्ध सिद्ध करने की कोशिश की जाती हैं। वर्ष 2014 के चुनाव में तो कांग्रेस के एक नेता ने कहा ही था कि 'एक चायवाला क्या देश चलाएगा। वह चाहे तो कांग्रेस के अधिवेशन में चाय का ठेला लगा सकता है। हम उसे स्थान दे देंगे'। बहरहाल, सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि ईवीएम पर सवाल उठाना निरर्थक हैं। फिर से मतपत्रों से चुनाव कराने की पुरानी व्यवस्था में लौटना कतई बुद्धिमानी नहीं होगा। उस व्यवस्था को न्यायालय ने 'अव्यवस्था' ही माना है। स्मरण रहे कि यह 40वीं बार है, जब ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठानेवाली याचिकाओं को न्यायालयों ने खारिज किया है। इससे पहले विभिन्न न्यायालय भी इस तरह की बेतुकी याचिकाओं को रद्द कर चुके हैं। अच्छा होगा कि अब कांग्रेस सहित विभिन्न दल ईवीएम पर सवाल उठाकर अवैज्ञानिक सोच का विस्तार न करें।

चुनाव आयोग की स्पष्टता एवं खुली चुनौती के बाद भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं एवं निर्वाचन की पारदर्शी व्यवस्था के प्रति मतदाताओं के मन में संदेह पैदा करते रहे हैं। मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने वीवीपैट की व्यवस्था की। वीवीपैट की सहायता से मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस प्रत्याशी/दल के सामने का बटन दबाया, उसका मत उसी को मिला या नहीं। किसी प्रकार का संदेह नहीं रह जाए इसलिए चुनाव आयोग ने एक निश्चित प्रतिशत में वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था भी की है। परंतु इतना सब होने के बाद भी बार–बार हार का सामना करनेवाली कांग्रेस एवं विपक्षी पार्टियां सच स्वीकार करने और आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं हैं। उन पर कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेड़ा' सटीक लागू होती है। ईवीएम पर सवाल उठाने की अपेक्षा आवश्यक था कि कांग्रेस ईमानदारी से अपनी स्थिति का आकलन करे। अपनी नीतियों का मूल्यांकन करे। यह जानने की कोशिश करे कि आखिर मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर इतनी नाराजगी क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से केवल हार ही रही है। कई राज्यों में उसने इसी ईवीएम से हुए चुनावों के बाद बहुमत प्राप्त करके सरकार बनायी है।

आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं

दुनिया को समझना होगा 'माता भूमि, पुत्रोहम्‌ पृथिव्याः' का निहितार्थ

कुल भूषण उपमन्यु

प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है।

आज प्लास्टिक, मिट्टी, पानी, और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूटकर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य शृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायु मंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं। प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है। उसके पास जो तकनीक है, उसमें केवल दशमलव दो (.2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं। आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुनः चक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए। और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दुसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें। एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें, और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें। किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाति है जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाति है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से

निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है किन्तु इसे अभी तक मुख्यधारा बनाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे। जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है। हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगा वाट है। जिसमें से 71 प्रतिशत कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168.96 गीगा वाट है। जिसमें से 42 गीगा वाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सड़न द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है। भारत वर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारत वर्ष में 2030 तक 500 गीगा वाट स्वच्छ उर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं जिसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं, और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों को अकसर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझ कर समाधान करने के बजाए उनसे टकराव का रास्ता चुनती हैं और उन्हें देशविरोधी, विकास विरोधी ठहराने के अवास्तविक और अनावश्यक प्रयास करते हैं। जिससे बेगुनाह लोग अत्याचार और शोषण का शिकार हो जाते हैं और समाज में असंतोष बढ़ता है। हमें याद रखना चाहिए कि विकास का मतलब समावेशी विकास होता है। राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ही विकास का मुख्य लाभ पहुंचने से आय का न्यायपूर्ण बंटवारा नहीं हो सकता। अतः उत्पादन का यथा संभव विकेन्द्रित तरीका ही अपनाया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए भारत में 6 लाख के लगभग गांव हैं। यदि हर गांव में एक मैगा वाट सौर उर्जा उत्पादन घर की छतों पर और बेकार जगहों पर किया जाए तो बिना किसी एक जगह संसाधनों पर बड़ा दबाव बनाए 6 लाख मेगा वाट बिजली का उत्पादन हो सकता है। उत्पादन के इस तरीके से लाखों लोगों को रोजगार और स्व रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। अतः जरूरत टकराव की नहीं बल्कि विचार आदान-प्रदान की है। कौन विचार कितना करणीय है यह अपने देश की स्थितियों के अनुरूप तकनीकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करके देखा जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह की अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, ग्लेशियर पिघलने की, रेगिस्तानों में अभूतपूर्व बारिश की, समुद्री जल स्तर बढने की जो घटनाएं हो रही हैं ये दुनिया भर के लिए चेतावनी हैं। दुबई, इंडोनेशिया, और अफ़्रीकी देशों की हाल की बेमौसमी बाढ़ें, यूरोप और अमेरिकी देशों के बेमौसमी बर्फीले तूफान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हैं। गरीब देशों और कृषि प्रधान देशों पर इसका सबसे ज्यादा हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। गरीब देशों में भी सबसे गरीब लोग ही ज्यादा प्रभावित हों रहे हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन सामाजिक न्याय के लिए भी वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बन कर खड़ा है, जिससे निपटने में देर आत्मघाती ही सिद्ध होगी। पृथ्वी दिवस इस खतरे के प्रति सजग करने का अवसर होता है जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यही भारतीय सभ्यता का संदेश भी है जिसने "माता भूमि, पुत्रोहम्‌ पृथिव्याः" कह कर मानव को भूमि का पुत्र घोषित किया है। हम मां के वात्सल्य पूर्ण आंचल की रक्षा अपने ही हित के लिए कर सकें अपनी गलतियों को सुधार कर। इस संदर्भ में अतीत के पन्नों पर झांकना जरूरी है। 1962 में राचेल कार्सन ने "साइलेंट स्प्रिंग" नामक पुस्तक लिखी जिसमें पर्यावरण को कीटनाशकों से हो रहे नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। कीटनाशकों की कुछ मात्रा अनाजों में आ जाती है और खाद्य शृंखला में दाखिल हो जाती है, जिसका दुष्प्रभाव मानवजाति के अतिरिक्त अन्य पशु- पक्षियों पर भी पड़ जाता है जिसके कारण कई पक्षी प्रजातियां लुप्त हो रही थीं।

दृष्टि कोण

टीएन शेषन ने बदली थी भारत के अराजक चुनावों की तस्वीर

ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे। पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा। चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ़ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफ़ी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया। इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख़ को नजऱबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख़ द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख़ ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे खऱाब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर ज़रूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रविष्टि करने का फ़ैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी।

कुछ अलग

समाज का स्याह और चमकीला पहलू

एक चरित्र 'चमकीला' की इधर बहुत चर्चा है। क्या एक 'चमकीला' हम सबके भीतर रहता है? सालों पहले मुंबई में एक लावणी-प्रस्तुति के दौरान मेरे एक मित्र मराठी गीत के बोल मुझे हिंदी में अनुवाद करके बता रहे थे। कह रहे थे कि ये प्रसिद्ध मराठी लोकगीत है। उन्होंने बचपन में मोहल्ले की औरतों को गाते सुना था- अत्तराचा फाया तुम्ही मला आण राया/ विरहाचे ऊन बाई/ देह तापवून जाई/ धरा तुम्ही माझ्यावरी/ चंदनाची छाया। मतलब - इत्र के फाहे तुम मेरे लिए ले आना, बाहर की आग से ज्यादा मेरे अंदर है आग। तुम अपनी चंदन सी छाया मुझे ओढ़ा देना। पिछले सप्ताह ओटीटी पर पंजाब के लोकप्रिय लोक गायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर बनी फिल्म देखते हुए मुझे उस लावणी गीत की बेतहाशा याद आई। चमकीला पंजाबी में ऐसे ही गाने लिखते और गाते थे। वह कहते थे, मैंने बचपन में यही सब देखा है। गाने के बोल उन्होंने अपने आसपास की जिंदगी से उठाए। ऐसी जिंदगी, जो गांव-देहात और कस्बों में आम लोग जीते थे। 1960 में पंजाब के एक छोटे से गांव दुगरी के दलित सिख परिवार में जन्मे धन्नी सिंह का बस एक छोटा सपना था इलेक्ट्रिशियन बनने का। धन्नी सिंह को तुंबी बजाने का शौक था। लुधियाना के एक कपड़ा मिल में काम करते हुए धन्नी को लगा कि उन्हें अपने मन का कुछ करना चाहिए। वह अपने मन से गीत बनाने लगे। ऐसे बोल, जो उस समय पसंद किए जाते थे। उन बोलों में खिलंदड़ापन भी था, बदमाशी, छेड़छाड़ भी थी और प्रेम व अश्लीलता भी। रातोंरात अमर सिंह चमकीला पंजाब का सितारा बन गए थे। उनके लिए एक खिताब भी गढ़ा गया- पंजाब का एल्विस प्रेस्ली। चमकीला को सुनने गांव-देहात की महिलाएं भी आती थीं, जो उनको सुनने के लिए घरों की छतों पर जम जाती थीं। 1980 के दशक में उनके गीतों के कैसेट पंजाब में रिकॉर्ड तोड़ बिकते थे। लेखक-निर्देशक इम्तियाज अली ने अमर सिंह चमकीला की भूमिका में पंजाब व बॉलीवुड के एक चिर-परिचित चेहरे दिलजीत दोसांझ को लिया है। यह फिल्म एक दौर का दस्तावेज भर नहीं है। हालांकि, फिल्म में चमकीला की जाति को लेकर न्यूनतम जिक्र हुआ है, लेकिन उनके निधन के 36 साल बाद आज भी यू-ट्यूब और दूसरे चैनलों पर उनके एक करोड़ से अधिक श्रोता हैं। प्रसिद्ध संगीतज्ञ और लेखक गिब स्क्रेफलर ने अपनी किताब में चमकीला और अमरजोत को 'कमर्शियल फोक गायक' कहा है। उन्होंने लिखा है, उनका मकसद लोगों का मनोरंजन करना था। कोई अचरज नहीं, चमकीला पर फिल्म आने के बाद अचानक गूगल, यू-ट्यूब, स्पॉटीफाई और अन्य सोशल मीडिया में लोग उनके बारे में जानने को उत्सुक हो गए हैं। एक लोकगायक बड़े सामाजिक विमर्श की वजह बन गया है। प्रश्न यह है कि क्या चमकीला आज भी प्रासंगिक हैं? क्या उन पर जो आरोप चार दशक पहले लगे थे, वे सही थे? क्या फिल्म बनाकर एक 'अश्लील' गायक को महिमामंडित किया जा रहा है? वैसे, अश्लीलता की परिभाषा बहुत महीन है। गौर कीजिए, हमारे देश की नाना लोक संस्कृतियों में द्विअर्थी गाने सदियों से गुंथे हुए हैं। उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक। जब यह सब शुरू हुआ होगा, तब मनोरंजन और प्रहसन के लिए कोई आधुनिक माध्यम नहीं था। सामाजिक परिवेश भी अलग था। त्योहारों और मेल-मिलाप के दौरान मस्ती के माहौल में कुछ रियायतें ले ली जाती थीं। प्रेम, यौनिक ठिठोली, छेड़छाड़ और वर्जित विषयों पर चुटकियां लेना आम बात थी। अगर आप देखें, तो शादी-ब्याह में गाली वाले प्रहसन, गीत, महाराष्ट्र में लावणी, हिमाचल की सीमा के आसपास मनाया जाने वाला पर्व होलाच, औरंगाबाद का देव उत्सव, होली में फगुआ के दौरान वही पुरानी परंपरा और लोक गाने देखने-सुनने को मिलते रहे हैं।

देश दुनिया से

राजनीति में अपराधियों की बढ़ती संख्या चिन्ताजनक

भाजपा–कांग्रेस साथ–साथ : पहले पेज की ही बात करें तो भाजपा के 77 उम्मीदवारों में से 28 के खिलाफ क्रिमिनल केसेज और 14 के खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज है। वायनाड से ही राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के सुरेन्द्रन के खिलाफ 242 मामले दर्ज हैं, हालांकि इनमें से 237 केसेज अकेले सबरीमाला प्रकरण से जुड़े आन्दोलन को ले कर हैं। इसी तरह, पहले पेज में कांग्रेस के 56 वैंडिडेट्स में से 19 के खिलाफ क्रिमिनल केसेज और 8 के खिलाफ गंभीर क्रिमिनल केसेज दर्ज है। कमोबेश यही हालत दूसरे पेज की भी है और उम्मीद है कि आने वाले पेजेज की भी हालत यही होगी।

क्या इस बात पर सवाल नहीं उठेगा कि एक-एक वैंडिडेट की जन्मवुंडली खंगालने के बाद ही जब टिकट दिया जाता है, तब क्या दिल्ली में बैठे भाजपा या कांग्रेस आलाकमान को उन पैक्ट्स से अनजान रखा जाता है, जो तथ्य ऐसे वादों, गारंटी पर सवालिया निशान लगा देते हैं। राजनीति में अपराधियों की बढ़ती संख्या चिन्ताजनक अपराध वह हम्माम है, जिसमें सारे के सारे राजनैतिक दल नंगे हैं। क्या भाजपा, क्या कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों की बात ही क्यों न हो? पहले और दूसरे पेज के चुनाव में भी ऐसे अपराधियों की संख्या भरपूर मात्रा में है। लेकिन, इसमें एक और पहलू है। आमतौर पर कहा जाता है कि राजनीति में द्वेषपूर्ण तरीके से भी एक दूसरे के खिलाफ मुकदमें कर दिए जाते हैं। यह बात बहुत हद तक सही भी है। लेकिन, एक होता है गंभीर किस्म का अपराध. हत्या, डवैती, बलात्कार, लूटपाट, दंगा भड़काना आदि. ऐसे उम्मीदवारों को आखिर चुनाव लड़वाने की कौन सी मजबूरी होती है। जबकि पिछले वुछेक दशक से एसोसिएशं फॉर डेमोव्रेटिक रिफॉर्म्स लगातार चुनावी राजनीति से अपराधियों को अलग करने की मुहीम चला रही है। बावजूद इसके, शीर्ष राजनीतिक दल कोई सबक नहीं लेते दिख रहे हैं। भाजपा-कांग्रेस साथ-साथ : पहले पेज की ही बात करें तो भाजपा के 77 उम्मीदवारों में से 28 के खिलाफ क्रिमिनल केसेज और 14 के खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज है। वायनाड से ही राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के सुरेन्द्रन के खिलाफ 242 मामले दर्ज हैं, हालांकि इनमें से 237 केसेज अकेले सबरीमाला प्रकरण से जुड़े आन्दोलन को ले कर हैं। इसी तरह, पहले पेज में कांग्रेस के 56 वैंडिडेट्स में से 19 के खिलाफ व्रिमिनल केसेज और 8 के खिलाफ गंभीर व्रिमिनल केसेज दर्ज है। कमोबेश यही हालत दूसरे पेज की भी है और उम्मीद है कि आने वाले पेजेज की भी हालत यही होगी। और यह तब है जब एक तरफ भाजपा नारा देती है, बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार, अबकी बार मोदी सरकार। वहीं दूसरी तरफ, कांग्रेस ने इस बार के मेनिपेस्टो में हर साल महिलाओं के खाते में एक लाख रूपया देने की बात कही है। प्रियंका गांधी लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का नारा दे कर यूपी का चुनाव लड़ चुकी है। लेकिन, ये सब महज नारे हैं, वादें है, गारंटी हैं, मंशा है। हम कहीं से भी इन बातों पर न सवाल उठाना चाहते है, न शक करना चाहते है। लेकिन, तथ्य और पैक्ट्स का क्या करेंगे? क्या इस बात पर सवाल नहीं उठेगा कि एक-एक वैंडिडेट की जन्मवुंडली खंगालने के बाद ही जब टिकट दिया जाता है, तब क्या दिल्ली में बैठे भाजपा या कांग्रेस आलाकमान को उन पैक्ट्स से अनजान रखा जाता हैं, जो तथ्य ऐसे वादों, गारंटी पर सवालिया निशान लगा देते है। मेडक से सासारामः रेप से पोक्सो तक : तेलंगाना के भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन मेडक लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार है और उनके खिलाफ 29 मुकदमें लंबित है, जिसमें एससी/एसटी एक्ट से ले कर बलात्कार तक के मामले हैं. दूसरी तरफा कांग्रेस के एक उम्मीदवार है सासाराम से। उस सासाराम से जिसकी विरासत बाबू जगजीवन राम और मीरा वुमार जैसी महिला शक्ति के नाम से प्रसिद्द है। ऐसे में, कांग्रेस की ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने पोक्सो एक्ट जैसे संगीन जुर्म के आरोपी को अपना उम्मेदवार बनाया? क्या ऐसा जानबूझ कर किया गया? या फिर शीर्ष नेतृत्व को इन तथ्यों की जानकारी ही नहीं थी? दरअसल, 8 अप्रैल 2024 को वुंद्रा थाना, भभुआ में पोक्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012) के तहत दर्ज एफ़आईआर संख्या 579201 5240130 को बिना संज्ञान में लेते हुए, वैसे सासाराम से कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार एक ऐसे व्यक्ति (मनोज राम) को बना दिया, जिसके बेटे (उज्जवल वुमार, जो गिरफ्तार भी हुआ) और जिस पर खुद इस केस के अभियुत्त के तौर पर नाम दर्ज है। (एफआईआर की प्रति संलग्न है)। सवाल है कि जब बिहार या देश की जनता के बीच यह मैसेज जाएगा (एफिडेविट जमा करने के बाद) तब कांग्रेस क्या जवाब देगी? जाहिर हैं, तब भाजपा के पास एक दमदार मुद्दा होगा, जिसके आधार पर वह पूरे देश में इस उदाहरण को पेश कर के कांग्रेस की महिला न्याय गारंटी पर सवाल खड़े करेंगी. किसने किसको गुमराह किया? : फिर सवाल है कि क्या वैंडिडेट ने स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व या दिल्ली से आए कांग्रेस प्रभारी/पर्यंवेक्षकों को गुमराह किया? दिलचस्प यह भी है कि भभुआ के ही रहने वाले पीड़ित पिता (पिछड़ी/अतिपिछड़ी जाती से) ने फरवरी 2024 में ही पुलिस को आवेदन दिया था लेकिन तब प्राथमिकी दर्ज नहीं हुईं और जब वे पुलिस कप्तान से मिले तब कहीं जा कर 8 अप्रैल को यह प्राथमिकी दर्ज हो सकी।

आप का नजरिया

भाजपा की 44 दिन पहले ही निर्विरोध जीत

गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर सोमवार को भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। बसपा प्रात्याशी प्यारे लाल भारती और चार निर्दलीय सहित वुल आठ उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिया। गुजरात में पहली बार कोई प्रात्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। 1984 से सूरत सीट पर भाजपा जीत रही है। इस सीट पर 7 मई को वोटिग होनी थी। कांग्रोस के प्रात्याशी नीलेश वुंभाणी और डमी प्रात्याशी का नामांकन प्रास्तावकों के हस्ताक्षर में त्रुटि के चलते रविवार को खारिज कर दिया गया था। भाजपा की निर्विरोध जीत के लिए कांग्रोस प्रात्याशी नीलेश वुंभाणी ने ही भाजपा से हाथ मिला लिया था। भाजपा की ओर से वुंभाणी को ऑपरेशन निर्विरोध की स्व्रिप्ट मिली। इसके अनुसार ही नीलेश वुंभाणी ने कांग्रोस की प्रादेश इकाईं को अंधेरे में रखते हुए पैंतरें चले। वुंभाणी ने अपने नामांकन पत्र के प्रास्तावकों में कांग्रोस वैडर कार्यंकर्ताओं, मेंबर की बजाए अपने रिश्तेदारों और करीबियों को रखा। वुंभाणी ने अपने पच्रे में प्रास्तावक बहनोईं जगदीयां सावलिया और बिजनेस पार्टनर ध्रविन धामेलीया और रमेश पोलरा को बनाया। नीलेश वुंभाणी ने कांग्रोस पाटा के डमी प्रात्याशी सुरेश पडसाला का प्रास्तावक भी अपने भांजे भौतिक कोलडिया को बनवाया। पर्चा दाखिल करते वक्त भी वुंभाणी किसी भी प्रास्तावक को चुनाव अधिकारी के सामने नहीं ले गए। चारों प्रास्तावकों ने हस्ताक्षर फजा होने का शपथ पत्र दे दिया और खुद भूमिगत हो गए। सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने की प्राव्रिया अपनाईं जा रही है। कोईं भी सामने नहीं आया। इसके बाद वुंभाणी और डमी प्रात्याशी सुरेश पडसाला का पर्चा खारिज हो गया। सूरत में भाजपा के इस आपरेशन निर्विरोध का एपिक सेंटर बना सूरत का फाइव स्टार होटल ली-मैरेडियन, यहां से 24 घंटे तक ऑपरेशन निर्विरोध की कार्रवाईं का संचालन हुआ। ये कवायद भाजपा के प्रादेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की सीधी निगरानी में हुईं। सूरत की जीत 400 पार के लक्ष्य की पहली जीत है। हम इसे प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्पित करते हैं यह कहते हैं सीआर पाटिल, गुजरात भाजपाध्यक्ष। उधर कांग्रोस नेता राहुल गांधी ने कहा : तानाशाह की असली सूरत फिर देश के सामने है। मैं फिर कह रहा हूं, यह चुनाव देश और संविधान को बचाने का है। जनता से अपने नेता चुनने का अधिकार छीन लेना बाबा साहब अबंडेकर के संविधान को खत्म करने की तरफ बढ़ाया एक और कदम है। राहुल ने लिखा, मैं एक बार फिर कह रहा हूं - यह सिर्प सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव हैं, संविधान की रक्षा का चुनाव है। वहीं जयराम रमेश ने व्रोनोलॉजी समझाते हुए कहा कि लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने एक्स पर लिखा सूरत जिला अधिकारी ने 7 मईं 2024 को मतदान से लगभग 2 सप्ताह पहले ही 22 अप्रैल 2024 को सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार को निर्विरोध जिता दिया गया।

पतंजलि समूह की मुश्किलें बढ़ी, जीएसटी बकाया के लिए दो कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। योग गुरू स्वामी रामदेव के नेतृत्व वाले पतंजलि समूह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने इस समूह की कंपनियों पतंजलि आयुर्वेद और पतंजलि फूड्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

कंपनी ने कहा कि उसे एक कारण बताओ नोटिस मिला है। जिसमें कंपनी और उसके अधिकारियों को से कारण बताने को कहा गया है कि क्यों न उससे 27.46 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट वसूला जाए और जुर्माना क्यों न लगाया जाए। डीजीजीआई ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा अधिनियम 2017 और उत्तराखंड राज्य वस्तु एवं सेवा अधिनियम 2017 की धारा 74 और अन्य लागू प्रावधानों का हवाला दिया है। वहीं, पतंजलि फूड्स ने कहा, प्राधिकरण ने अभी केवल कारण बताओ नोटिस जारी किया और कंपनी अपने बचाव के लिए जरूर कार्रवाई करेगी। कंपनी ने कहा, कार्यवाही पूरी होने तक अपेक्षित वित्तीय निहितार्थ तय नहीं किए जा सकते। पिछले हफ्ते पतंजलि फूड ने कहा था कि वह पतंजलि आयुर्वेद के गैर-खाद्य व्यवसाय के अधिग्रहण के प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगी। पतंजलि फूड्स को पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह एक प्रमुख एफएमसीजी खिलाड़ी है। कंपनी खाद्य तेलों, खाद्य और एफएमसीजी और पवन उर्जा उत्पादन क्षेत्रों में पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि जैसे ब्रांड के गुलस्ते के जरिए काम करती है। पतंजिल ने दिवालिया प्रक्रिया के जरिए रुचि सोया का अधिग्रहण किया था और बाद में कंपनी का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स लिमिटेड कर दिया गया था।

पतंजलि के 10 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द - उत्तराखंड के औषधि नियंत्रण प्रशासन की ओर से जारी एक आदेश के मुताबिक, पतंजलि के 10 दिव्य फार्मेसी उत्पादों के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। यह आदेश इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया था। इसमें कंपनी द्वारा औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और औषधि एवं कॉस्मेटिक अधिनियम का उल्लंघन करते हुए इन उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के बारे में शिकायतों का संज्ञान लिया गया था।

आदेश के मुताबिक जिन दिव्य फार्मेसी उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द किए गए किए गए हैं, उनमें श्वसारी गोल्ड, श्वसारि वटी, ब्रोंकोम, श्वसारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडॉम, बीपी ग्रित, मधुग्रित और मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

ए सीरीज़ के नए फोन ओप्पो ए60 लॉन्च, नए फोन की फटाक से फुल होगी चार्जिंग

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी ने अपने नए फोन ओप्पो ए60 को लॉन्च कर दिया है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एलसीडी स्क्रीन मिलती है। ओप्पो ने अपनी ए सीरीज़ के तहत इस फोन को लांच किया है। ये फोन क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 680 चिप से लैस है। इसके अलावा इसमें 8जीबी रैम और 256जीबी तक की स्टोरेज भी मिलती है। पावर के लिए इस फोन काफी दमदार बैटरी और खास कैमरा दिया जाता है। डुअल-सिम (नैनो) वाला ओप्पो ए66 एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड कलर ओएस 14.0.1 पर काम करता है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एचडी+ एलसीडी डस्प्ले मिलता है, और ये 720गुणा 1,604 पिक्सल रेजोलूशन के साथ आता है। ये ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 680 चिप पर काम करता है, जिसे 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ जोड़ा गया है। कैमरे के तौर पर नए ओप्पो ए60 में एफ/1.8 अपर्चर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमेरी कैमरा मिलता है। इसमें एफ/2.4 अपर्चर वाला एक 2-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा भी शामिल है जिसका इस्तेमाल गहराई से जानकारी इकट्ठा करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा फोन के फ्रंट की बात करें तो इसमें सामने की तरफ 8-मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलता है। कंपनी ने इस हैंडसेट को 256जीबी तक यूएफएफएस 2.2 स्टोरेज से लैस किया है। पावर के लिए ओप्पो ए60 में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे 45वॉट पर चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि ओप्पो ए60 को फिलहाल वियतनाम में लॉन्च किया गया है। इसके 8जीबी+128जीबी रैम और स्टोरेज मॉडल की कीमत वीएनडी 5,490,000 (लगभग 18,060 रुपये) है, जबकि 8जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत वीएनडी 6,490,000 (लगभग 21,360 रुपये) रखी गई है। फोन को मिडनाइट पर्पल और रिपल ब्लू कलर में पेश किया जाएगा।इसमें बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मिलता है। कनेक्टिविटी के लिए ओप्पो के नए फोन में 4जी एलटीई, वायफाय, ब्लूटूथ 5.0, एनएफसी, जीपीएस, ए-जीपीएस, एक यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और एक 3.5 एमएम ऑडियो जैक मिलता है।

कोविड के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में तेज सुधार, नौ साल में मिलेंगे 5.82 करोड़ रोजगार

मुंबई। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 2033 तक यानी नौ साल में देश में 5.82 करोड़ रोजगार मिलने की उम्मीद है। कोरोना के समय 2020 में पर्यटन क्षेत्र में 3.9 करोड़ नौकरियां गई थीं, जो देश के कुल रोजगार का करीब 8 फीसदी थी। एनएलबी सर्विसेज की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी से उबरने के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में सबसे तेज सुधार देखा गया। इस क्षेत्र ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 16 लाख अतिरिक्त नौकरियां दीं।जनवरी 2023 से, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में दिहाड़ी नौकरियों में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसमें अनुवादक, फोटोग्राफर और टूर गाइड जैसे पद शामिल हैं। अगले दो वर्षों में इस क्षेत्र की नौकरियों में 20 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद है। जीडीपी में 16.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करते हुए यात्रा-पर्यटन ने 2022 में भारत की जीडीपी में 15.9 लाख करोड़ का योगदान दिया। 2023 के लिए 16.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया था।

ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी का इस्तीफा, रिपोर्ट्स में दावा- 200 लोगों की जा सकती है नौकरी

नई दिल्ली। ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी ने अपनी ज्वाइनिंग के चार महीने बाद ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी अपने पुनर्गठन पर विचार कर रही है, इसके तहत 10 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की छंटनी भी संभव है। खबर के अनुसार बख्शी का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बख्शी जनवरी में कंपनी से जुड़े थे। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले कहा गया है कि कंपनी में पुनर्गठन से कुछ भूमिकाएं समाप्त हो जाएंगी और इससे 10 प्रतिशत कार्यबल यानी करीब 200 लोगों को छंटनी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि दिसंबर में, कंपनी की सहयोगी ओला इलेक्ट्रिक ने बाजार नियामक सेबी को अपने आईपीओ के लिए प्रस्ताव सौंपा था। इस आईपी के माध्यम कंपनी 7,250 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह एक भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी के 2010 में स्थापित ओला कैब्स में सॉफ्टबैंक और टाइगर ग्लोबल जैसे प्रमुख निवेशकों का साथ मिला है।

वर्ष 2025 में 101-104 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है भारत का तेल आयात बिल

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आईसीआरए ने कहा कि भारत का शुद्ध तेल आयात बिल चालू वित्त वर्ष में 2023-24 में 96.1 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 101-104 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है और ईरान-इजरायल संघर्ष में किसी भी आयात वृद्धि से मूल्य पर दबाव बढ़ सकता है।

घरेलू रेटिंग एजेंसी ने अपने विश्लेषण के आधार पर कहा कि रूसी तेल आयात के कम मूल्य से 2023-24 के 11 महीनों (अप्रैल-फरवरी) में 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत होने का अनुमान है, जो 2022-23 में 5.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

वित्तीय वर्ष में कच्चे तेल की औसत कीमत एसडी 85/बीबीएल मानते हुए,आईसीआरए ने कहा कि भारत की तेल आयात निर्भरता अधिक रहने की उम्मीद है, अगर रूसी कच्चे तेल की खरीद पर छूट मौजूदा निम्न स्तर पर बनी रहती है, तो आईसीआरए को उम्मीद है कि भारत का शुद्ध तेल आयात बिल वित्त वर्ष 2024 में 96.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 101-104 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

शुद्ध तेल आयात के मूल्य पर दबाव

इसके अलावा ईरान-इजराइल संघर्ष में किसी भी वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों में संबंधित वृद्धि से चालू वित्त वर्ष में शुद्ध तेल आयात के मूल्य पर दबाव बढ़ सकता है।

आईसीआरए की गणना के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत में 10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से वर्ष के दौरान शुद्ध तेल आयात 12-13 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ जाता है, जिससे चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 0.3 प्रतिशत बढ़ गया।

तदनुसार, यदि वित्त वर्ष 2025 में कच्चे तेल की औसत कीमत बढ़कर 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो जाती है, तो सीएडी 2024-25 के लिए आईसीआरए के सकल घरेलू उत्पाद के 1.2 प्रतिशत के वर्तमान अनुमान से बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 1.5 प्रतिशत होने की संभावना है।

जो भारत के आयात और निर्यात के मूल्य के बीच का अंतर है, 2023-24 में 0.8 प्रतिशत अनुमानित है।

भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 प्रतिशत से अधिक आयात पर निर्भर है, जिसे रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित किया जाता है।

आईसीआरए ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल-फरवरी के दौरान भारत के पेट्रोलियम कच्चे तेल और उत्पादों के आयात के मूल्य में सालाना आधार पर 15.2 प्रतिशत की गिरावट आई, हालांकि इस अवधि में मात्रा में थोड़ी वृद्धि हुई।

इसे औसत वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ रियायती रूसी कच्चे तेल की बढ़ती खरीद से बचत से समर्थन मिला।

भारत के तेल आयात बिल

मात्रा के संदर्भ में, रूस से आयातित कच्चे पेट्रोलियम की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022 में 2 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल-फरवरी वित्त वर्ष 2024 में 36 प्रतिशत हो गई, जबकि पश्चिम एशियाई देशों (सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत) से आयातित कच्चे पेट्रोलियम की हिस्सेदारी क्रमश: 34 प्रतिशत और 23 प्रतिशत तक गिर गई।

आईसीआरए का अनुमान है कि पश्चिम एशिया से आयात की तुलना में रूसी तेल के आयात के कम अनुमानित इकाई मूल्य से भारत के तेल आयात बिल में 2022-23 में 5.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2023-24 के 11 महीनों में 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत हुई है। इससे वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का अनुपात 15-22 आधार अंक कम हो जाएगा।

हालांकि, कीमत के सापेक्ष मासिक छूट की सीमा वित्त वर्ष 2024 में तेजी से कम होकर सितंबर-फरवरी वित्त वर्ष 2024 में औसतन 8 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल-अगस्त वित्त वर्ष 2024 में 23 प्रतिशत थी।

नतीजतन, रूसी कच्चे तेल की खरीद से संबंधित बचत वित्त वर्ष 2024 के अप्रैल-अगस्त में 5.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से सितंबर-फरवरी वित्त वर्ष 2024 में घटकर 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की संभावना है, आईसीआरए ने कहा।

यूक्रेन युद्ध के बाद, कुछ पश्चिमी देशों ने रूसी तेल से परहेज किया, जिसके परिणामस्वरूप मास्को ने छूट की पेशकश की। इससे भारतीय रिफाइनर्स को रियायती तेल का लाभ उठाना पड़ा। मध्य पूर्व में हालिया संघर्ष से कच्चे तेल के आयात मार्ग पर भी खतरा पैदा हो गया है। इस महीने की शुरुआत में, ईरान ने पहली बार इज़राइल पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए, जिसने जवाबी कार्रवाई में मिसाइल दागी। भारत सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात से तेल के साथ-साथ कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से करता है, जो ओमान और ईरान के बीच एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है।

कर्ज देने वाले संस्थानों पर भारतीय रिजर्व बैंक ने चलाया चाबुक, कहा- गलत ब्याज लिया तो तुरंत लौटाएं

मुंबई, 30 अप्रैल। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बार फिर कर्ज देने वाले बैंकों के साथ वित्तीय संस्थानों पर चाबुक चलाया है। इसने कहा, जिन संस्थानों ने भी गलत तरीके से अतिरिक्त ब्याज लिया है, वे तुरंत इस पर कार्रवाई करें और इसे लौटा दें। ये संस्थान ब्याज वसूलने में अनुचित तरीकों का सहारा ले रहे हैं। यह पूरी तरह से गलत है। आरबीआई ने जारी सर्कुलर में कहा, 2003 से विनियमित संस्थाओं (आरई) को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं। इनमें कर्ज मूल्य निर्धारण नीति पर निष्पक्षता और पारदर्शिता की बात है।

उचित व्यवहार को लेकर स्पष्टता है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए आरई की जांच के दौरान आरबीआई को ऋणदाताओं द्वारा ब्याज वसूलने में कुछ अनुचित प्रथाओं के उदाहरण मिले हैं। आरबीआई ने प्रमुख रूप से निष्पक्षता और पारदर्शिता में अनुचित प्रथाओं को लेकर चिंता जताई है। केंद्रीय बैंक ने कहा, सभी आरई कर्ज वितरण के तरीके, ब्याज के आवेदन और अन्य शुल्कों के संबंध में अपनी प्रथाओं की समीक्षा करें। सिस्टम स्तर पर बदलाव करें। ब्याज वसूलने के मुद्दे पर जरूरी सुधारात्मक कार्रवाई करें। आरबीआई ने कहा, ऑनसाइट जांच के दौरान यह पाया गया कि आरई ने कर्ज मंजूरी की तारीख या कर्ज समझौते की तारीख से ब्याज वसूला है। जबकि ब्याज तबसे वसूलना चाहिए, जब ग्राहक को लोन मिल चुका हो।

ग्राहक को चेक बाद में मिला, ब्याज पहले वसूला

आरबीआई ने कहा, ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जहां चेक की तारीख से ब्याज वसूला गया। जबकि ग्राहक को चेक कई दिनों बाद दिया गया। कुछ संस्थानों ने जिस महीने में कर्ज दिया, उस महीने का पूरा ब्याज लिया है।

कुछ मामलों में संस्थानों ने ग्राहक से एक या कई किस्तें लोन देने के समय ले लिए, लेकिन ब्याज पूरे कर्ज पर लिया है। कुछ मामलों में कर्ज वितरण के लिए जारी किए गए चेक के बदले आरई को ऑनलाइन ट्रांसफर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हांगकांग-सिंगापुर के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में भी जांच, खाद्य नियामक ने ग्राहकों से कहा- सचेत रहें

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। एमडीएच और एवरेस्ट मसाला विवाद की आंच हांगकांग और सिगापुर होते हुए अब ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड तक पहुंच चुकी है। खाद्य मानक ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड (एफएसएएनजेड) ने घोषणा की है कि वह भारतीय कंपनियों एमडीएच और एवरेस्ट की ओर से उत्पादित मसालों में गड़बड़ी के आरोपों की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हांगकांग और सिंगापुर की तरह ही इस तरह की कार्रवाई के बाद ऑस्ट्रेलिया में भी इन उत्पादों को बाजार से वापस बुलाया जा सकता है। हांगकांग ने हाल ही में तीन एमडीएच मसालों और एवरेस्ट के फिश करी मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। सिंगापुर ने एथिलीन ऑक्साइड के अत्यधिक स्तर का हवाला देते हुए बाजार से एवरेस्ट मसाले को मंगा लिया है। यह एक ऐसा रसायन है जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने से यह कैंसर का कारण बन सकता है। एफएसएएनजेड ने एक बयान में कहा, हम इस मुद्दे को समझने के लिए अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ और संघीय, राज्य और क्षेत्रीय खाद्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि ऑस्ट्रेलिया में आगे की कार्रवाई की आवश्यकता है या नहीं। एजेंसी ने कहा कि एथिलीन ऑक्साइड को

ऑस्ट्रेलिया में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थों में उपयोग करने की अनुमति नहीं है। अगर कार्रवाई आगे बढ़ती है तो प्रभावित उत्पादों को बाजार से वापस मंगाया जा सकता है। एमडीएच और एवरेस्ट भारत के प्रमुख मसाला ब्रांड हैं जो यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखते हैं। अमेरिका में यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) भी इस मामले की जांच कर रहा है। भारत में भी खाद्य नियामक ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों की उत्पादन सुविधाओं का निरीक्षण किया है। भारतीय मसालों पर सवाल खड़े होने और अंतरराष्ट्रीय नियामकों की ओर से जांच शुरू होने से खाद्य पदार्थों के प्रति स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं। आस्ट्रेलिया में ग्राहकों को सलाह दी गई है कि जांच के बाद होने वाले संभावित रिकॉल के बारे में सचेत रहें और खरीदारी के दौरान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करें।

यूपीआई के बावजूद बढ़ी नकदी की मांग, एटीएम से हर महीने निकाले गए 1.43 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। डिजिटल भुगतान में लगातार वृद्धि के बावजूद देश में नकदी की मांग घटने की जगह बढ़ी है। एटीएम में नकदी का प्रबंधन करने वाली कंपनी सीएमएस इन्फोसिस्टम्स ने जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, लोगों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एटीएम से हर महीने औसतन 1.43 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। यह आंकड़ा 2022-23 के 1.35 लाख करोड़ रुपये के औसत मासिक निकासी से 5.92 फीसदी ज्यादा है। ये ताजा आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि लोग खर्च के लिए अब भी नकदी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब पूरे देश में यह धारणा लगातार बढ़ रही है कि यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान मंचों के जरिये लेनदेन बढ़ने से नकदी के इस्तेमाल में कमी आ रही है।रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते वित्त वर्ष के दौरान महानगरों में एटीएम से नकदी निकासी 37.49 फीसदी बढ़ी है। इस अवधि के दौरान कस्बों एवं देहात में लोगों ने एटीएम से एक साल पहले की तुलना में 12.50 फीसदी अधिक नकदी निकासी की। एक एटीएम से निकासी में कर्नाटक सबसे आगे एक एटीएम से नकदी निकासी के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है। राज्य के लोगों ने 2023-24 में एक एटीएम से औसतन 1.83 करोड़ रुपये निकाले हैं। दिल्ली 1.82 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और पश्चिम बंगाल 1.62 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है। महानगरों में निकासी 10.37 फीसदी बढ़ी देश के लगभग आधे एटीएम का प्रबंधन करने वाली कंपनी ने रिपोर्ट में कहा, महानगरों में लोगों ने 2023-24 के दौरान एक साल पहले की तुलना में औसतन 10.37 फीसदी ज्यादा नकदी निकासी की। इसमें कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 3.94 फीसदी और शहरों में 3.37 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसमें एटीएम और अन्य तरीकों से नकदी निकासी शामिल है। सरकारी बैंकों के 49 फीसदी एटीएम महानगरों और शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। निजी बैंकों के मामले में यह अनुपात 64 फीसदी है। दोनों ही वर्गों के बाकी एटीएम कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। मीडिया और इंटरटेनमेंट क्षेत्र में खर्च में बढ़ोतरी रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान मीडिया एवं इंटरटेनमेंट क्षेत्र में औसत खर्च 29.30 फीसदी बढ़ा है।

टाटा संस ने टाटा प्ले में 10 प्रतिशत और स्टेक खरीदी

टेमसेक से 835 करोड़ में हुई डील, डीटीएच कंपनी में हिस्सेदारी बढ़कर अब 70 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। टाटा संस ने टाटा प्ले में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर ली है। ग्रुप ने सिंगापुर की इन्वेस्टमेंट फर्म टेमसेक से कंपनी में उसकी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी 100 मिलियन डॉलर (करीब 835.19 करोड़) में खरीद ली है।

ग्रुप के पास पहले से टाटा प्ले में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि डिज्नी के पास 30 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इस बात की जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा प्ले ने आईटी मंत्रालय को शेयरहोल्डिंग में बदलाव की जानकारी शेयर की है।

टाटा प्ले टाटा ग्रुप की एकमात्र मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी है, जो कंज्यूमर फेसिंग है। यह भारत की सबसे बड़ी डीटीएच कंपनी है। इसके 2.1 करोड़ कस्टमर्स हैं। कंपनी की मौजूदा वैल्यूएशन 100 बिलियन डॉलर है। कोविड महामारी के पहले इसकी वैल्यूएशन करीब 300 बिलियन डॉलर थी।

डिज्नी की हिस्सेदारी भी खरीद सकती है टाटा

इस डील के बाद टाटा प्ले अब टाटा संस और वॉल्ट डिज्नी के बीच 70:30 का ज्वाइंट वेंचर बन जाएगा। हालांकि, आने वाले समय में डिज्नी की हिस्सेदारी भी कम हो सकती है, क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक डिज्नी डीटीएच प्लेटफॉर्म से बाहर निकलना चाहता है। दोनों के बीच हिस्सेदारी बेचने की बात भी चल रही है।

टेमासेक ने 17 साल पहले 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी

टेमासेक ने साल 2007 में टाटा प्ले में निवेश कर उसकी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। टाटा प्ले 2001 में इनकॉर्पोरेट हुआ था और सर्विसेज 2006 से शुरू की थी। तब इसका नाम टाटा स्काई था, जिसे बाद में बदलकर टाटा प्ले कर दिया गया था। टाटा ग्रुप, टेमासेक से बायबैक के लिए काफी समय से प्रयास कर रही थी।

पे-टेलीविजन और ओटीटी सर्विसेज प्रोवाइड करती है टाटा प्ले

टाटा प्ले, टाटा ग्रुप और वॉल्ट डिज्नी कंपनी के ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी फॉक्स के बीच एक जॉइंट वेंचर है। टाटा प्ले सेट-टॉप बॉक्स के जरिए पे-टेलीविजन और अपने ऐप के माध्यम से ओवर-द-टॉप वीडियो स्ट्रीमिंग यानी ओटीटी सर्विसेज प्रोवाइड करती है।

पूरे भारत में टाटा प्ले के 2.3 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन हैं

टाटा प्ले ने टाटा प्ले बिंज की शुरुआत के साथ ओटीटी स्पेस में कदम रखा था। इस प्लेटफॉर्म पर आपको एक साथ अमेजन प्राइम वीडियो, डिज्नी+हॉटस्टार, सोनी लिव, वूट सेलेक्ट, वूट किड्स, शेमारूमी, सननेक्स्ट, हंगामा प्ले, इरोस जैसे ओटीटी ऐप मिलते हैं। पूरे भारत में टाटा प्ले के 23 मिलियन यानी 2.3 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन हैं।

इंदौर संभाग की टीम ने बनाया अनोखा रिकार्ड, 241 ओवर में बनाए 1155 रन

इंदौर, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

क्रिकेट में रनों की भूख क्या होती है यह इंदौर के बल्लेबाजों को देखकर समझा जा सकता है, जो पिछले तीन दिनों से लगातार बल्लेबाजी कर रहे हैं। अब तक 1155 रनों का स्कोर बन चुका है और पारी अभी भी जारी है। यह मैच भी कोई ऐसा-वैसा नहीं है, बल्कि मप्र क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) द्वारा सीनियर खिलाड़ियों के लिए आयोजित एमवाय मेमोरियल ट्राफी का फाइनल है। सामने सागर की टीम है जो इतनी असहाय है कि विकेटकीपर सहित सभी 11 खिलाड़ी गेंदबाजी कर रहे हैं, मगर सफलता नहीं मिल रही। प्रदेश में घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर का कोई आधिकारिक रिकार्ड नहीं है, लेकिन लंबे समय से इतना बड़ा स्कोर नहीं देखा गया। फिलहाल इंदौर की बढ़त 1046 रनों की हो चुकी है। शहर के होलकर स्टेडियम पर मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंदौर ने 241 ओवर के खेल में पांच विकेट खोकर 1155 रन बना लिए हैं। टीम के लिए करण तेहलानी 355 रनों की अविजित पारी खेलते हुए क्रीज पर डटे हैं। अब तक 480 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। वे करीब साढ़े 10 घंटे से खेल रहे हैं। दूसरे छोर पर अनिल मौर्य नाबाद 118 रन बना चुके हैं। अनिल भी 12 चौके और दो छक्के लगा चुके हैं। इनके अलावा चंचल राठौर (282 रन, 24 चौके, तीन छक्के) के दोहरे शतक के साथ हर्ष गवली (102 रन, छह चौके, तीन छक्के) और सागर सोलंकी (117 रन, 10 चौके, पांच छक्के) भी शतकीय पारियां खेल चुके हैं।

तीन दिन से बल्लेबाजी - मैच के पहले दिन सागर की टीम 31 ओवर में 109 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद इंदौर की टीम बल्लेबाजी कर रही है।

करण पर लग चुका है प्रतिबंध - करण को एमपीसीए ने उम्र संबंधित गलत दस्तावेज के चलते सितंबर 2018 में दो साल के लिए प्रतिबंधित किया था। किसी भी आयु में प्रतिबंध लगने से खिलाड़ी आयु वर्ग की टीम में नहीं खेल पाता और उसे सीधे सीनियर वर्ग में खेलना होता है। वापसी के बाद दो शतक लगाए, लेकिन पैर में फ्रेक्चर के कारण फिर लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे। विकेट अच्छा है और मैं सिर्फ अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैच में अभी दो दिन शेष है। हम आगे भी खेलना जारी रखेंगे और जितना संभव हो बड़ा स्कोर बनाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए इन दो स्पेशल गेस्ट ने किया न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपनी स्क्वॉड का एलान कर दिया है। न्यूजीलैंड की टीम ने दो बच्चों से अपनी टीम का एलान करवाई, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बच्चों में लड़की का नाम मटिल्डा और लड़के का नाम एंगस है। इन दो बच्चों ने न्यूजीलैंड की टीम का जिस तरह से एलान किया, उसकी हर जगह तारीफ की जा रही है। यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। न्यूजीलैंड टीम के कई खिलाड़ी मौजूदा समय में आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। इस बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की घोषणा हुई। न्यूजीलैंड की टीम ने सबसे पहले टी20 विश्व कप के लिए टीम का एलान किया। न्यूजीलैंड की टीम की कप्तानी केन विलियमसन को दी गई। इसके अलावा वनडे विश्व कप 2023 में शानदार बैटिंग करने वाले रचिन रविंद्र को भी टी20 विश्व कप में कीवी टीम में जगह मिली। रचिन और मैट हेनरी पहली बार टी20 विश्व कप में खेलेंगे। बेन सियर्स को 16वें ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। बता दें कि टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें कीवी टीम ग्रुप-सी का हिस्सा है। न्यूजीलैंड की टीम अपने टूर्नामेंट का आगाज 7 जून से करेगी, जिसके लिए कीवी टीम का एलान हो चुका है। इससे पहले वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी न्यूजीलैंड ने अपनी टीम का ऐलान शानदार अंदाज में किया था।

नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में

मैड्रिड। पांच बार के चैंपियन राफेल नडाल ने चोट से वापसी जारी रखते हुए मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में

जगह बना ली है। स्पैनियार्ड ने 2022 के बाद पहली बार किसी टूर-स्तरीय कार्यक्रम में चौथे दौर में पहुंचने के लिए पेड्रो कैचिन को 6-1, 6-7(5), 6-3 से हराया। नडाल ने खुद को अर्जेंटीना के कैचिन के साथ लड़ाई में फंसा हुआ पाया। पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद, उन्होंने दूसरा सेट टाई ब्रेक में गंवाया लेकिन निर्णायक सेट में फिर वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर थे। नडाल ने तीन घंटे और चार मिनट की कड़ी लड़ाई में जीत हासिल कर ली। 37 वर्षीय खिलाड़ी साल के अपने तीसरे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, पिछले हफ्ते बार्सिलोना में दूसरे दौर में हार गए थे। विश्व नंबर 91 कैचिन के खिलाफ अपनी जीत के साथ, नडाल ने 2005 के बाद से एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 50 से बाहर के खिलाड़ियों के खिलाफ अपने क्ले-कोर्ट रिकॉर्ड को 162-1 तक सुधार लिया। एटीपी आँकड़ों के अनुसार, उस 19 साल की अवधि में उनकी एकमात्र हार नंबर 73 होरासियो ज़ेबालोस के खिलाफ विना डेल मार में आई थी। नडाल की नज़र तुरंत अपनी अगली चुनौती पर चली जाएगी। अंतिम सोलह में स्पैनियार्ड का सामना चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका से होगा। नडाल के पास मैड्रिड में 59-14 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है और जब वह लेहेका से खेलेंगे तो उनका लक्ष्य स्पेनिश राजधानी में अपने लगातार 10वें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का होगा।

चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश, उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में 5-0 से हारी भारतीय महिला टीम

चेंगदू (चीन) । कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत की महिला टीम को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया।

लखनऊ ने मुंबई को अदब से हराया

चार गेंद शेष रहते चार विकेट से दी करारी शिकस्त

लखनऊ 30 अप्रैल (एजेंसियां)। चुस्त क्षेत्ररक्षण और सधी हुई गेंदबाजी के बाद मार्कस स्टायनिस (62) की केएल राहुल (28) और दीपक हुड्डा (18) के साथ टिकाऊ साझीदारी की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने मंगलवार को यहां मुबंई इंडियंस को चार गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया।

इकाना की कठिन पिच पर लखनऊ की तरह मुबंई के गेंदबाजों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 144 रनों के छोटे स्कोर का बचाव करने का जज्बा दिखाया जिसके चलते 45 हजार दर्शकों को गेंद और बल्ले के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला।

पदार्पण मैच खेल रहे अर्शीन कुलकर्णी पहली ही गेंद पर बगैर खाता खोले आउट हो गये जिसके बाद स्टायनिस ने कप्तान का बखूबी साथ दिया और 45 गेंदों की अर्धशतकीय पारी में सात चौके और दो छक्के लगाकर अपनी टीम को संघर्ष में बनाए रखा हालांकि उनके इस प्रयास में कप्तान राहुल और हुड्डा ही साथ दे सके। मध्य क्रम में अनुभवी निकोलस पूरन (14 नाबाद) ने पुछल्ले बल्लेबाजों की मदद से टीम को जीत दिलाने में महती भूमिका अदा की।

बल्ले से असफल रहने वाले मुबंई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने दो विकेट झटक कर अपनी टीम की जीत की उम्मीदों को हवा दी मगर मामूली स्कोर को बचा पाने में उनकी टीम असफल रही।

इससे पहले इशान किशन (32) और नेहाल बढेरा (46) की मुश्किल हालात में खेली गयी उपयोगी पारियों की मदद से मुबंई ने मेजबान लखनऊ के खिलाफ सात विकेट पर 144 रन बनाए। इकाना स्टेडियम पर टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुबंई की शुरुआत निर-ाशाजनक रही जब पहले पावर प्ले में लखनऊ के गेंदबाजों ने रोहित शर्मा (4), सूर्य कुमार यादव (10), तिलक वर्मा (7) और कप्तान हार्दिक पांड्या (0) के विकेट सस्ते में समेट दिये और छह ओवर के बाद मुबंई का स्कोर चार विकेट पर 28 रन हो गया।

कठिन समय में सलामी बल्लेबाज इशान किशन ने नये बल्लेबाज नेहाल बढेरा के साथ पारी को आगे बढ़ाया और पांचवे विकेट के लिये महत्वपूर्ण 53 रन जुटाये। इस बीच पारी के नौवें ओवर में मयंक यादव की गेंद पर इशान का कैच टर्नर ने टपकाया। उस समय इशान सिर्फ सात रन बना सके थे। पारी के 14वें ओवर में रवि विश्नोई की गेंद पर मयंक ने शार्ट थर्ड मैन पर इशान को लपक कर उनकी जुझारु पारी का अंत किया।

उधर बढेरा ने नये बल्लेबाज टिम डेविड (35) के साथ मुबंई का संघर्ष जारी रखा और दोनो बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 112 रन कर दिया। इस बीच बढेरा को मोहसिन खान ने क्लीन बोल्ड आउट कर मेहमानों को करारा झटका दिया। उन्होने 41 गेंदों की पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये।

मयंक यादव ने अपने स्पेल के आखिरी ओवर में नये बल्लेबाज मोहम्मद नवी को अपना पहला शिकार बनाया मगर इसके बाद मासंपेशियों में खिंचाव के चलते मयंक और गेंदबाजी नहीं कर सके और उन्हे मैदान के बाहर जाना पड़ा।

लखनऊ की ओर से मोहसिन खान 36 रन पर दो विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज साबित हुये जबकि मार्कस स्टायनिस, रवि विश्नोई,मयंक यादव और नवीन उल हक को एक एक विकेट मिला। तिलक वर्मा रवि विश्नोई के सीधे थ्रो के कारण रन आउट हुए।

बटलर की अगुवाई वाली इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में आर्चर भी शामिल

लंदन, 30 अप्रैल ।

तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को जोस बटलर की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में नामित किया गया है, जो वेस्टइंडीज और यूएसए में शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में गत चैंपियन इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। जोफ्रा आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट से उबरने के बाद एक साल में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। 2021 के बाद से, उन्हें कई चोटों का सामना करना पड़ा है जिसमें फ्रैक्चर और बार-बार कोहनी की समस्याओं से लेकर फिश टैंक से जुड़ी दुर्घटना के बाद सर्जरी से गुजरना शामिल है। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आखिरी उपस्थिति एक साल पहले मार्च 2023 में इंग्लैंड के बांग्लादेश दौरे पर हुई थी।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर टॉम हार्टले एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, वहीं विल जैक एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पहले आईसीसी विश्व टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था। सभी टीमों को 25 मई तक अपनी टीमों में बदलाव करने की अनुमति है, जिसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की इवेंट तकनीकी समिति से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह टीम अगले महीने लीड्स में चार मैचों की टी20 सीरीज में भी पाकिस्तान से भिड़ेगी। इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा कि चयनित खिलाड़ी, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए समय पर लौट आएंगे, जो 22 मई को हेडिंग्ले में शुरू हो रही है। विश्व कप टीम 4 जून को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में स्कॉटलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के शुरुआती ग्रुप मैच से पहले 31 मई को कैरेबियन के लिए उड़ान भरेगी।

इंग्लैंड प्रोविजनल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और टी20 टीम बनाम पाकिस्तान टीम:

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम करेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम आईसीसी के पास भेजा, भारत सहित सभी टीमों के मैच पाक में ही रखे गये

दुबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित सभी टीम के मैच पाक में ही रखें है जबकि भारतीय टीम के वहां जाने की कोई संभावना नहीं हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेजा है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पूरे पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पाक करेंगा और किसी भी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें सत्र में शीर्ष 8 एकदिवसीय टीमें शामिल होंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी और मार्च 2025 में होगी। नकवी ने कहा कि पीसीबी ही इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। नकवी ने कहा कि, हम पाक में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी चाहते हैं। इसी कारण हमने आईसीसी को कार्यक्रम भेज दिया है। जहां तक सुरक्षा की बात है आईसीसी की टीम ने पाक का दौरा किया था और वह हमारे सुरक्षा इंतजामों से संतुष्ट दिखी है। पीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम इसमें शामिल होगी। हालांकि उसकी उम्मीदें पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से शायद ही पाक का दौरा करे।

कुश्ती संघ ने इस्तांबुल में ओलंपिक क्वालिफायर टीम में नहीं किया कोई बदलाव, दीपक-सुजीत इस्तांबुल जाएंगे

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने फैसला लिया है कि नौ से 12 मई को इस्तांबुल (तुर्किये) में होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालिफायर में वही टीम खेलेगी जो पहले ओलंपिक क्वालिफायर में खेली थी। टीम के चयन के लिए समय कम होने के कारण कोई ट्रायल नहीं कराया जाएगा। बिश्केक (किर्गिस्तान) में हुए पहले ओलंपिक ट्रायल में दीपक पूनिया (86 भार वर्ग) और सुजीत कलकल (65) दुबई एयरपोर्ट पर फंस जाने के कारण नहीं खेल पाए थे। इस बार दोनों पहलवान अंतिम क्वालिफायर में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों सात मई को टीम के साथ इस्तांबुल रवाना होंगे। दोनों ने अपने रूस में अभ्यास कार्यक्रम को भी टाल दिया है।

ओलंपिक टीम के चयन को होंगे ट्रायल

सुजीत के पिता कुश्ती कोच

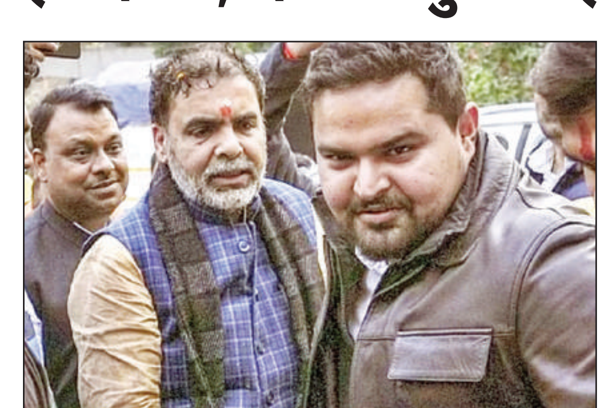

दयानंद का कहना है कि सुजीत इस वक्त रायपुर अखाड़े में उनकी देखरेख में तैयारी कर रहे हैं। महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह का भी मानना है कि उन्हें अंतिम क्वालिफायर में टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहने वाले दीपक पूनिया और सुजीत के अलावा अमन (57) से काफी उम्मीदें हैं। संजय सिंह का कहना है कि पहले क्वालिफायर के बाद समय काफी कम था, इस वजह से टीम के चयन के ट्रायल नहीं कराए जा रहे हैं। अंतिम क्वालिफायर के बाद जिन भार वर्गों में ओलंपिक कोटा हासिल किया गया है। उनमें चयन ट्रायल कराकर पेरिस के लिए टीम भेजी जाएगी।

14 भारतीय पहलवान खेलेंगे

इस्तांबुल में छह-छह भारतीय पहलवान फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में उतरेंगे, जबकि दो महिला पहलवान मानसी (62), निशा (68) खेलेंगी। यहां पहले तीन स्थान पर रहने वाले पहलवानों को ओलंपिक टिकट मिलेगा। अब तक भारत को चार महिला पहलवानों अंतिम पंघाल, विनेश फोगाट, अंशु मलिक और रीतिका ने ओलंपिक कोटा दिलाया है।

भारतीय टीम:

फ्रीस्टाइल: अमन (57 किग्रा), सुजीत (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), दीपक पूनिया (86 किग्रा), दीपक (97 किग्रा), सुमित (125 किग्रा)।

ग्रीको रोमन: सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा), नवीन (130 किग्रा)।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

ऐडन मार्करम कप्तान, टेम्बा बावुमा बाहर, अनकैप्ड पेसर ओटनील बार्टमैन को मौका

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में 1 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान हो गया है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम घोषणा की है। ऐडन मार्करम कप्तान होंगे। टेम्बा बावुमा को टीम में जगह नहीं मिली है। दूसरी ओर 31 साल के पेसर ओटनील बार्टमैन पहली बार साउथ अफ्रीका की टीम में शामिल हुए हैं। उन्होंने डेब्यू नहीं किया है। नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी को रिजर्व में रखा गया है।

साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट और वनडे में डेब्यू कर चुके विकेटकीपर रयान रिकेल्टन को भी पहली बार टी-20 स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

बार्टमैन-रिकेल्टन को एसएटी-20 में प्रदर्शन के आधार पर मिला मौका - रयान रिकेल्टन और ओटनील बार्टमैन को जनवरी में हुए एसएटी-20 टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन से फायदा हुआ। रिकेल्टन एमआई केप टाउन के लिए 58.88 के औसत और 173.77 के स्ट्राइक रेट से 530 रन बनाकर टूर्नामेंट में टॉप रन-स्कोरर थे। ओटनील बार्टमैन लीग में मार्को यानसन के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने महज 8 मैचों में 18 विकेट हासिल किए थे।

साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड - ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, जेराल्ड कूट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्त्या, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी और ट्रिस्टन स्टब्स।

ट्रैवलिंग रिजर्व - नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

साउथ अफ्रीका टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-डी का हिस्सा - टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में साउथ अफ्रीका ग्रुप डी का हिस्सा है। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच खेला जाएगा। मुकाबला 1 जून को डलास में ही होगा। क्रिकेट इतिहास का पहला मुकाबला भी अमेरिका और कनाडा के बीच ही 1844 में खेला गया था। साउथ अफ्रीका पहला मैच 3 जून को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद उसका मैच 8 जून को नीदरलैंड, 10 जून को बांग्लादेश और 15 जून को नेपाल के खिलाफ होगा।

साउथ अफ्रीका अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सका - साउथ अफ्रीका की टीम अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम इंडिया ने 2007 में पहली बार हुए टूर्नामेंट का ही खिताब अपने नाम कर लिया था। भारत के अलावा पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। वेस्टइंडीज (2012 × 2016) और इंग्लैंड (2010 × 2022) ने 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट अब तक 8 बार खेला गया है, अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

विदेशी छात्रों को हफ्ते में 24 घंटे ही काम करने की अनुमति, कनाडा सरकार ने नियमों में किया बदलाव

ओटावा, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । कनाडा की सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक नया नियम बनाया है। इस नियम के तहत अब अंतरराष्ट्रीय छात्र हफ्ते में केवल 24 घंटे तक ही कॉलेज कैंपस से बाहर काम कर सकते हैं। यह नियम सितंबर से लागू होने वाला है। पहले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 20 घंटे से अधिक समय तक कैंपस से बाहर काम करने की अनुमति थी।

आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने कहा, छात्रों को कैंपस से बाहर प्रति सप्ताह 20 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति देने वाली अस्थायी नीति 30 अप्रैल को समाप्त हो जाएगी। इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, हमारा उद्देश्य छात्रों द्वारा प्रति सप्ताह कैंपस से बाहर काम करने की संख्या को 24 घंटे में बदलने का है।

कोविड-19 महामारी के दौरान हटाई गई थी 20 घंटे की सीमा

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी वाली सरकार ने देश में कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए काम के समय पर 20 घंटे की सीमा को अस्थाई रूप से हटा दिया गया था। हालांकि, यह छूट समाप्त हो रही है। बता दें कि कनाडा भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा स्थानों में से एक है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के लिए कनाडाई ब्यूरो की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में 3,19,130 भारतीय छात्र थे। यहां के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों की संख्या सबसे अधिक है।

मिलर ने कहा, जो भी छात्र यहां आते हैं, उन्हें पढ़ाई के लिए यहां आना चाहिए। छात्रों को हफ्ते में 24 घंटे तक काम करने की अनुमति देने का मतलब है वे अपनी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करेंगे। कैंपस के बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कार्य अनुभव प्राप्त करने और खर्चों की भरपाई करने में मदद मिलती है।

ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका में काम करने के घंटों की सीमा निर्धारित

प्रति सप्ताह 28 घंटे से अधिक काम करने वाले छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन में काफी गिरावट देखी गई है। अधिकांश देश अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए उनके पढ़ाई के दौरान काम करने के घंटों की सीमा निर्धारित करते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में अपनी नीति में बदलाव किया है। यहां प्रत्येक छात्र को दो हफ्तों में 48 घंटे काम करने की अनुमति दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

इजराइली सेना की पांच यूनिट्स पर लगे मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप, अमेरिका ने बढ़ाया सीजफायर का दबाव

वॉशिंगटन । इजराइली सेना की पांच यूनिट्स पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगे हैं और ये आरोप अमेरिका ने लगाए हैं। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि इजराइली सेना की पांच यूनिट्स मानवाधिकार उल्लंघन की जिम्मेदार पाई गई हैं। मानवाधिकार उल्लंघन की ये घटनाएं 7 अक्तूबर को हुए हमले से पहले की हैं और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं गाजा पट्टी के बाहर की बताई गई हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इजराइली सेना की जिन पांच यूनिट्स पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगे हैं, उनमें से चार ने उल्लंघनों को प्रभावी ढंग से ठीक भी कर लिया है। पांचवीं यूनिट्स को लेकर अमेरिका की सरकार इजराइली सरकार से बात कर रही है। वेदांत पटेल ने कहा कि हालांकि इससे अमेरिकी हथियारों की बिक्री प्रभावित नहीं होगी। पटेल ने ये बताने से इनकार कर दिया कि मानवाधिकार उल्लंघन कैसे किया गया और इजराइली सेना की कौन-कौन सी यूनिट इसमें शामिल हैं। अमेरिका सैन्य मदद पर लगा सकता है रोक गाजा पर हमले के बाद इजराइली सेना का सैन्य आचरण जांच के दायरे में आ गया है। गाजा पर हमले में अभी तक 34,500 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल के हमले में गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो चुकी है और अब वहां अकाल आने की आशंका है। दरअसल अमेरिका में लीही लॉ लागू हैं, जिन्हें साल 1990 में तत्कालीन सीनेटर पैट्रिक लीही ने तैयार किया था। इन नियमों के तहत जो सेना मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है, उन्हें अमेरिका सैन्य मदद नहीं दे सकता। अमेरिका ने बढ़ाया सीजफायर का दबाव इजराइल ने फलस्तीन के रफाह शहर पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 20 लोग मारे गए। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल पर सीजफायर का दबाव बनाया है। हालांकि इजराइल ने बिना बंधकों की रिहाई के सीजफायर करने से इनकार कर दिया है।

बाज नहीं आ रहे हूती, हिंद महासागर और लाल सागर में चार जहाजों को बनाया निशाना, दागीं मिसाइलें

दुबई । इजराइल-हमास संघर्ष के बीच फलस्तीन के समर्थन में यमन के हूतियों ने हिंद महासागर में एक कंटेनर जहाज को निशाना बनाया है। हूतियों ने बताया कि गाजा में इजराइल की सैन्य हमलों के खिलाफ हिंद महासागर में एमएमएससी ओरियन कंटेनर जहाज पर ड्रोन हमला किया गया है।

एलएसजीई के अनुसार, पुर्तगाली झंडे वाला एमएससी ओरियन पुर्तगाल और ओमान के बंदरगाह के बीच नौकायान कर रहा था। इसका पंजीकृत मालिक जोडियक मैरीटाइम है। जोडियक का स्वामित्व आंशिक रूप से ईस्राइली व्यावसायी इयाल औफर के पास है। कंपनी ने फिलहाल इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बाज नहीं आ रहे हूती, लाल सागर में जहाजों को बनाया निशाना ईरान गठबंधन हूती संगठन लाल सागर में नवंबर से लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इससे जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका की तरफ मुड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इजराइल-हमास युद्ध के बढ़ने की आशंका है, इससे मध्य-पूर्व एक बार फिर अस्थिर हो सकता है। इस साल मार्च में हूती संगठन के एक नेता ने कहा था कि वह इजराइल से जुड़े जहाजों को हिंद महासागर से केप ऑफ गुडहोप की तरफ जाने से रोक रहा है। जहाजों को रोकने के लिए वह हमले तेज कर रहा है। हूती संगठन ने साइक्लेड्स वाणिज्यिक जहाजों के साथ दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों को भी निशाना बनाया।

उत्तरी कैरोलिना में गोलीबारी, तीन पुलिस अधिकारियों की मौत, रैंक- डिप्टी एयर मार्शल और टास्क फोर्स

नॉर्थ कैरोलिना (अमेरिका) । अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। मामले से परिचित एक सूत्र ने तीन अधिकारियों की शहादत की पुष्टि की है। हालांकि, पुलिस ने सार्वजनिक रूप से मौतों की पुष्टि नहीं की है। घटना गॉलवे ड्राइव स्थित एक आवास में घटी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में कई अधिकारियों को गोली मार दी गई। चार्लोट-मेकलेनबर्ग पुलिस ने घटना के बाद स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया कि इलाका पूरी तरह सुरक्षित है और लोगों को अब छिपने की जरूरत नहीं है। यूएस मार्शल्स फ़्यूजिटिव टास्क फोर्स एक्स पर एक पोस्ट में पुलिस ने कहा, एक संदिग्ध को मृत पाया गया। दो अन्य लोग भी घर में पाए गए ।

रफाह पर आईडीएफ के हवाई हमले में 22 की मौत

ब्लिंकन बोले- इजराइल का युद्धविराम प्रस्ताव उदार, फैसला ले हमास

गाज़ा, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । एक तरफ मिस्र में इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम को लेकर चर्चा चल रही है और इसी दौरान इस्त्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर हवाई हमले कर दिए। इन हमलों में 6 महिलाओं व 5 बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो गई। इन हमलों को लेकर मिस्र समेत अरब देशों ने निंदा की है। उधर, हमास के साथ जारी वार्ता पर कई देशों के प्रतिनिधि मिले। राफा में इजराइली हवाई हमलों में कई लोग मलबे में दबे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में कई घायल हुए हैं। इस बीच, 10 लाख से अधिक फलस्तीनियों ने मिस्र की सीमा पर शरण मांगी है।

हिजबुल्लाह आतंकी मार गिराया

इजराइली रक्षा बल ने कहा है कि उसने अयता अल-शाब क्षेत्र में सक्रिय एक हिजबुल्ला आतंकी को सैन्य भवन में प्रवेश करते हुए पाया और लड़ाकू विमानों से हमला कर उसे मार डाला। गहराते संकट के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पश्चिम एशिया पहुंचे। उन्होंने यहां खाड़ी सहयोग परिषद के विदेश मंत्रियों से गाजा में मानवीय तबाही कम करने को युद्धविराम पर जोर दिया। उन्होंने इस्त्राइल से भी इस पर ध्यान देने का आग्रह किया।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकन ने इजराइल की तरफ से पेश किए गए युद्धविराम के प्रस्ताव को असाधारण रूप से उदार करार दिया। उन्होंने सऊदी की राजधानी रियाद में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे से कहा, इस समय गाजा के लोगों और युद्धविराम के बीच एकमात्र कारण हमास है। हमास को जल्दी फैसला करना होगा। उम्मीद है वे सही फैसला लेंगे।

ब्लिंकन के अलावा रियाद में मौजूद मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी ने भी युद्धविराम पर गंभीरता से विचार की नसीहत दी। उन्होंने कहा, इजराइल और हमास दोनों प्रस्ताव स्वीकार करेंगे, इस बात की पूरी उम्मीद है। शौकरी ने रियाद में आयोजित डब्ल्यूईएफ के एक पैनल में कहा, मेज पर युद्धविराम का एक प्रस्ताव है, जिस पर दोनों पक्षों को विचार कर स्वीकार करना है। पेरिस में भी फलस्तीनियों के समर्थन में उतरे छात्र पेरिस में भी फलस्तीनियों के समर्थन में छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। यहां सोरबोन विश्वविद्यालय के पास दर्जनों छात्र एकत्र हुए और नारेबाजी की। लगभग 100 प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय के पास विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान फलस्तीनी झंडे लहराए गए और फलस्तीनियों के समर्थन में भाषणबाजी की गई।

गाजा में मानवीय मदद बढ़ाए इजराइल

पश्चिम एशिया के चिंताजनक हालात को देखते हुए अमेरिका में तनाव बढ़ रहा है। ब्लिंकन ने गाजा में युद्धविराम के साथ-साथ मानवीय सहायता पर जोर दिया है। दरअसल, इस्त्राइस और हमास के हिंसक के खिलाफ पूरे अमेरिका में विश्वविद्यालयों में छात्र आंदोलन में हजारों गिरफ्तारियां हुई हैं। अमेरिकी कॉलेज कैंपसों में हंगामे के चलते बड़ी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। लॉस एंजिलिस व कैलिफोर्निया समेत एरिजोना, इंडियाना और सेंट लुईस तथा वाशिंगटन विवि से छात्र गिरफ्तार हुए।

इजराइली प्रतिक्रिया पर चर्चा करेगा हमास

हमास ने कहा कि समूह के उप गाजा प्रमुख खलील अल-हया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल हमास द्वारा कतर और मिस्र के मध्यस्थों को सौंपे गए युद्धविराम प्रस्ताव के साथ-साथ इसाइल की प्रतिक्रिया पर चर्चा करेगा।

लंदन में भारतीय युवक ने की पत्नी की हत्या, कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । लंदन में एक भारतीय युवक को अपनी पत्नी की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। जो कि कम से कम 15 साल होगी। युवती की मां ने कहा कि मेरी बेटी के साथ मुझे भी मार डाला है।

29 अक्तूबर 2023 को स्थानीय समयानुसार शाम 4:15 बजे साहिल शर्मा (24) ने इमरजेंसी नंबर डायल किया। पुलिस ऑपरेटर को उसने बताया कि उसने अपनी पत्नी महक शर्मा (19) की हत्या कर दी है। पुलिस मौके पहुंची वहां साहिल बैठा हुआ था और महक खून में लथपथ पड़ी हुई थी। मौके से साहिल को गिरफ्तार किया गया। साहिल शर्मा को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर अस्पताल ले जाया गया क्योंकि उसके सिर में मामूली चोट लगी थी। वहीं मेडिकल टीम ने महक को बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन कुछ देर बार डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महक के गले पर चाकू के वार के कई निशान थे।

31 अक्तूबर 2023 को आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महक की मौत का कारण गर्दन पर चाकू से वार ही निकला। इसके बाद साहिल पर अपनी पत्नी को जान से मारने का मुकदमा चलाया। मामले की सुनवाई किंग्स्टन क्राउन कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने महक के परिवारजन को संवेदना देते हुए कहा कि साहिल ने उसको उसी घर में मार डाला, जहां उसे सबसे ज्यादा सुरक्षित होन चाहिए। उस व्यक्ति ने ही उसे मार डाला, जिस व्यक्ति को उसे प्यार करना चाहिए। यह घटना बहुत ही निंदनीय और दुखद है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के स्पेशलिस्ट क्राइम कमांड के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर (डीआई) लौरा सेम्पल ने कहा, अपनी पत्नी की हत्या करके, साहिल शर्मा ने एक परिवार की प्यारी बेटी को छीन लिया है। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे पता है कि कोई भी चीज़ महक शर्मा को उनके पास वापस नहीं ला सकती है, मुझे उम्मीद है कि साहिल को सजा से मिलने के बाद महक के प्रियजनों को न्याय मिलेगा। महक की मां ने कहा कि वह अपनी बेटी की क्रूर हत्या के बाद टूटा हुआ महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा एक चीज़ जो मैं किसी भी चीज़ से ज्यादा चाहती हूं वो यही है कि महक वापस आ जाए। लेकिन यह असंभव है। कोई भी प्रार्थना, पैसा या समर्थन उसे मेरे पास वापस नहीं लाएगा। मैं टूट चुकी हूं। साहिल ने सिर्फ महक की हत्या नहीं की है, उसने मुझे भी मार डाला है।

कोर्ट में गवाह बोला, परिवार सहित टेस्ला को चट्टान से गिराने वाले भारतवंशी डॉक्टर को मानसिक बीमारी

कैलिफोर्निया, 30 अप्रैल । अमेरिका में पत्नी और दो नाबालिग बच्चों सहित टेस्ला कार को पहाड़ी से नीचे धक्का देने वाले भारतीय मूल के रेडियोलॉजिस्ट 43 वर्षीय धर्मेश पटेल की उस याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें उसने मानसिक इलाज कराने की गुहार लगाई थी। सुनवाई के दौरान दो डॉक्टरों ने पटेल के बचाव में गवाही दी। उन्होंने कहा कि, जिस समय घटना हुई, उस समय पटेल मानसिक बीमारी से ग्रस्त थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, कैलिफोर्निया के पासाडेना के धर्मेश पटेल पर पिछले साल जनवरी में हत्या के प्रयास के तीन आरोप लगाए गए थे। उन्होंने हाफ मून बे के पास हाईवे-1 स्थित डेविल्स स्लाइड पर टेस्ला कार सवार पत्नी नेहा, सात वर्षीय बेटी और चार वर्षीय बेटे को पहाड़ी से जानबूझकर नीचे गिरा दिया था। हालांकि कार सवार परिवार के सभी लोग बच गए थे। इस मामले में डॉक्टर पटेल ने उसे जेल भेजने की बजाय मानसिक इलाज कराने की मांग की थी। मनोवैज्ञानिक पैटरसन ने की

पटेल की 18 जांच रेडवुड सिटी की एक अदालत में डॉक्टर पटेल की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान डॉक्टर मार्क पैटरसन और डॉक्टर जेम्स आर्मोंट्राउट ने उनके बचाव में गवाही दी। जिला अटॉर्नी स्टीफन वागस्टाफ के हवाले से कहा, डॉक्टरों ने गवाही दी कि रेडियोलॉजिस्ट को यकीन था कि उनके बच्चों का यौन शोषण हुआ है, जिसके चलते घटना के दौरान उन्हें मतिभ्रम हुआ था। मनोवैज्ञानिक पैटरसन ने पटेल की 18 जांच की। जिसके बाद उन्होंने अपने भाई-बहनों से बात की और पाया कि डॉक्टर पटेल को मानसिक इलाज की जरूरत है। अभियोजन पक्ष बोला- मामले को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा वहीं, अभियोजन पक्ष ने विरोध करते हुए कहा कि मामले को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियोजन पक्ष के डॉक्टरों ने पाया है कि पटेल किसी भी मानसिक अवसाद से ग्रस्त नहीं हैं। बल्कि एक अलग बीमारी से पीड़ित हैं, जिसे स्किजोफेक्टिव के रूप से जाना जाता है।

भारत इसे गंभीरता से ले रहा..., आतंकवादी पन्नूं की हत्या की साजिश की रिपोर्ट पर बोला व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन , 30 अप्रैल । व्हाइट हाउस ने कहा कि सिख आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश के मामले में भारत आरोपों को गंभीरता से ले रहा है। हालांकि, उसने मामले की एफबीआई जांच और न्याय विभाग की ओर से दायर आपराधिक मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे की यह टिप्पणी मीडिया की एक खोजी रिपोर्ट के बाद सामने आई है। इस खबर में दावा किया गया है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के अधिकारी विक्रम यादव अमेरिका में पन्नूं की हत्या की साजिश में शामिल थे और इस काम में तत्कालीन रॉ प्रमुख सामंत गोयल ने उन्हें मंजूरी दी थी।

पन्नूं खालिस्तान आंदोलन के मुख्य नेताओं में से एक है। वह भारत में सिख फॉर जस्टिस संगठन का कानूनी सलाहकार और प्रवक्ता है। जिसका मकसद एक अलग सिख राज्य के विचार को बढ़ावा देना है। भारत सरकार ने पन्नूं को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। वॉशिंगटन पोस्ट के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव पियरे ने कहा, मामले की जांच चल रही है और न्याय विभाग आपराधिक जांच कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और हम कई क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए एक महत्वकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। पन्नूं की कथित हत्या की साजिश की रिपोर्ट पर पियरे ने कहा, हम वास्तव में इसके बारे में स्पष्ट रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक गंभीर मामला है और हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। भारत सरकार हमारे साथ बहुत स्पष्ट है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं और जांच करेंगे।

भारत महाशक्ति बनने की राह पर और हम भीख मांग रहे, पाक के हालात पर फूटा शीर्ष नेता का गुस्सा

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । पाकिस्तान के शीर्ष नेता और जमीयत उलेमा ए इस्लाम (एफ) के अध्यक्ष मौलाना फजलुर रहमान ने भारत से पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा है कि भारत आज महाशक्ति बनने की राह पर है, जबकि हम दिवालियापन से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। मौलाना ने पूछा कि इस हालात के लिए कौन जिम्मेदार है पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद नेशनल असेंबली के पहले सत्र को संबोधित करने के दौरान मौलाना फजलुर रहमान ने ये बात कही।

अदृश्य ताकतें ले रहीं फैसले - मौलाना ने कहा कि देश की दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतें जिम्मेदार हैं, जिन्होंने जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को कठपुतली बना दिया है। उन्होंने कहा कि यही ताकतें दीवारों के पीछे से हमें नियंत्रित करती हैं। वही फैसले करती हैं, जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं। पाकिस्तानी संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि संसद सदस्यों ने सिद्धांतों को त्याग दिया है और वे लोकतंत्र को बेचने में जुटे हैं। क्या संसद हकीकत में लोगों के जनादेश को प्रतिबिंबित करती है महलों में और नौकरशाहों द्वारा फैसला किया जाता है कि कौन प्रधानमंत्री होगा।

देश में ठहराव आ गया है - मौलाना फजलुर रहमान ने पूछा कि कब तक हम समझौता करते रहेंगे कब तक हम सांसद चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे उन्होंने 2018 और 2024 दोनों चुनावों में चुनावी धांधली की निंदा की। रहमान ने स्वतंत्र रूप से कानून बनाने में कानून निर्माताओं की कथित शक्तिहीनता पर अफसोस जताया। उन्होंने सवाल किया, इस सदन में बैठते समय हमारी अंतरात्मा कैसे साफ हो सकती है, क्योंकि हारने वाले और जीतने वाले दोनों संतुष्ट नहीं हैं। मौलाना ने कहा कि, हमने अपने देश को ठहराव का शिकार बना दिया है, ऐसे देश प्रगति नहीं कर सकते।

इमरान खान का किया समर्थन - मौलाना फजलुर रहमान ने लोकतांत्रिक अधिकारों के महत्व की अहमियत बताते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को सार्वजनिक सभा आयोजित करने की अनुमति देने की वकालत की। पीटीआई ने 2 मई और 9 मई को कराची और पेशावर में मिलियन मार्च की योजना की घोषणा की। मौलाना ने कहा कि प्रदर्शनों में बाधा डालने के दुष्परिणाम हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में रहमान के हवाले से कहा गया कि, लोगों की बाढ़ को रोका नहीं जा सकता।

यूक्रेन की मदद के लिए ब्रिटेन-फ्रांस बना रहे नया गठबंधन, अमेरिका के कदम को लेकर है नाराजगी

लंदन । करीब 120 साल पहले ब्रिटेन और फ्रांस में एनटेंट कोर्डिएल समझौता हुआ था। जिससे दोनों देशों के संबंध मजबूत हुए थे। इसके बाद अब दोनों देश यूक्रेन की मदद के लिए एक और नया गठबंधन बनाने जा रहे हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री और फ्रांसीसी विदेश मंत्री के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। दरअसल अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई 60 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी गई है, लेकिन इस मदद में देरी हुई। जिसे लेकर दोनों देशों में नाराजगी है। साथ ही यूरोपीय देशों में भी यूक्रेन की मदद को लेकर अनिश्चित्ता और मतभेद उभर रहे हैं। यूक्रेन की मदद के लिए साथ आए दोनों देश ऐसे में ब्रिटेन और फ्रांस ने यूक्रेन की मदद के लिए नया गठबंधन बनाने की संभावनाएं तलाशना शुरू कर दिया है। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद से दोनों देश यूक्रेन को लगातार मदद दे रहे हैं। इस मदद के तहत दोनों देशों ने यूक्रेन को हथियार, आर्थिक मदद, सैन्य प्रशिक्षण और कूटनीतिक समर्थन दिया है। ब्रिटेन ने साल 2014 में क्रीमिया पर रूसी हमले के बाद यूक्रेन के करीब 22 हजार सैनिकों को प्रशिक्षित किया और यूक्रेनी सेना की इंफेंट्री और मेडिकल यूनिट को नाटो के स्तर तक पहुंचने में मदद की। ब्रिटेन ने यूक्रेन को बख्तरबंद क्षमताओं को भी बेहतर किया और प्रशिक्षण पर साल 2022 और 2023 में ही 50 लाख डॉलर खर्च किए। अमेरिका को लेकर आशंकित हैं दोनों देश फ्रांस और ब्रिटेन यूरोपीय संघ खासकर जर्मनी पर दबाव बना रहे हैं ताकि यूक्रेन को रूस के खिलाफ युद्ध में सैन्य आपूर्ति जारी रहे। यूक्रेन को लड़ाकू विमान एफ-16 मिलें, इसके लिए भी ब्रिटेन प्रयास कर रहा है। दोनों देशों को आशंका है कि अगर अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी होती है तो अमेरिका, यूक्रेन को दी जा रही मदद रोक सकता है। वहीं जर्मनी भी ऊर्जा की बढ़ती दरों के दबाव में रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने से बच रहा है। ऐसे में यूक्रेन और फ्रांस नया गठबंधन बनाने की योजना बना रहे हैं, जिसमें नाटो के कुछ सदस्य देश भी साथ आ सकते हैं।

जीवन में पीतल और तांबे का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

जन्म से लेकर मृत्यु तक पीतल का धार्मिक महत्व

सृष्टि के पालनकर्ता श्रीविष्णु को प्रिय है, तो घर में जब पुत्र जन्म लेता है तो पीतल की थाली बजाई जाती है। कन्यादान के समय पीतल आवश्यक होता है ।

जन्म के समय पीतल की थाली तो मरणोपरांत दसवें दिन नारायण बलि, बारहवें दिन त्रिपंडी, श्राद्ध , पिंडदान में व शुद्धि हवन में इसका उपयोग किया जाता है। घर में शुद्धि के लिए पीतल के पात्र में सोने का गहना डालकर छिड़काव किया जाता है, जिससे शुद्धिकरण हो जाता है।

पीतल से पाएं सौभाग्य, संतान सुख

पीतल से देवगुरू बृहस्पति प्रसन्न होते हैं, इसीलिए बृहस्पति को पीली वस्तुओं का दान प्रिय है। देवी बग्लामुखी के अनुष्ठान में तो सारे के सारे बर्तन केवल पीतल के ही उपयोग किए जाते हैं, अन्य किसी धातु के नहीं। सौभाग्य प्राप्ति के लिए पीतल के कलश में चना दाल भर कर विष्णु मंदिर में चढाया जाता है। सौभाग्य सुख के साथ इससे संतान सुख भी प्राप्त होता है।

सृष्टि के पालनकर्ता श्रीविष्णु को प्रिय है पीले रंग की धातु पीतल, तो देवताओं के देवगुरू बृहस्पति से है पीतल का संबंध। पीतल मिश्रित धातु है जो तांबा व जस्ता के मिश्रण से तैयार होती है और तो और आरोग्य के देवता भगवान धनवंतरी को अति प्रिय है पीतल। पूजा-पाठ व धार्मिक कार्यों में भी पीतल का उपयोग किया जाता है। सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां और सिंहासन पीतल के ही बनाए जाते हैं। कई जगह मंदिर में घंटे भी कांसा के बजाय पीतल के लगाए जाते हैं। इन धातुओं के लेकर कई मान्यताएं भी हैं-

तांबा करे रक्तविकार दूर, बढाए कांफिडेन्स

पीतल का संबंध श्रीविष्णु से है तो तांबे का संबंध आत्मा के कारक सूर्य (डींप) और मंगल ग्रह से है। पूजा में पंचपात्र, आचमनी प्रायः तांबे की ही बनी होती है।

सूर्य और मंगल ग्रह से संबंध रखने वाली इस धातु तांबा में प्रचुर मात्रा में औषधीय तत्व होते हैं, यह शरीर में जमा विष को बाहर निकालकर पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है, इसीलिए रात के समय तांबे के लोटे में पानी भरकर रखने व सुबह उठते ही इसे पीने की परंपरा सदियों पुरानी है।

तांबे में रखा पानी पीने से क्या होता है ?

तांबे के लौटे में रहने से पानी के कीटाणु खत्म हो जाते हैं। तांबे के पात्र में रखे पानी को पीने से वात व पित्त कंट्रोल में रहते हैं जिससे पेट और पाचन तंत्र मजबूत बना रहता है। रक्त विकार दूर हो जाते हैं और गुस्सा नियंत्रण में रहता है कांफिडेन्स बढता है।

तांबा धारण करने के लाभ

मान्यता है कि तांबा अग्नि तत्व से भरपूर है। नाभी और हार्मोन्स की समस्या होने पर तांबा अगर कमर पर धारण किया जाए तो लाभ मिलता है।

दुर्घटना से रक्षा के लिए तांबे का सिक्का छेद कर गले में धारण किया जाता है। अगर तांबे के साथ सोना मिक्स कर लिया जाए तो इसका प्रभाव दुगना हो जाता है।

अनामिका अंगुली में तांबे का छल्ला सूर्य व चन्द्र को बलवान बनाता है जिससे साहस व कांफिडेन्स बढ़ता है।

समाज में प्रतिष्ठा बढती है। इससे बॉडी का टेम्परेचर मेंटेन रहता है। ऐसा भी माना जाता है कि तांबा कई प्रकार के रोगों को कम करने में भी सहायक है। ताबें के अधिक लाभ जानने के लिए संबंधित विशेषज्ञ की भी मदद ली जा सकती है।

आप भी पढ़ते हैं हनुमान चालीसा, तो जानें इसके चमत्कार

हिंदू धर्म में, हनुमान चालीसा भगवान हनुमान की भक्ति का एक लोकप्रिय पाठ है। यह माना जाता है कि रात को सोने से पहले हनुमान चालीसा पढ़ने के कई धार्मिक और आध्यात्मिक लाभ होते हैं। इस चालीसा में हनुमानजी की महिमा, शक्तियां, और कल्याणकारी गुणों का वर्णन किया गया है। इसे पढ़ने या सुनने से भक्त को आशीर्वाद, सुरक्षा, और समृद्धि मिलती है। हनुमान चालीसा के पाठ करने से भक्त को मानसिक और आध्यात्मिक शांति मिलती है, और उसे भगवान हनुमान के कृपा और साथ होने का अनुभव होता है। यह चालीसा भक्त को संसारिक संघर्षों से निपटने और भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती है।

हनुमान चालीसा का पाठ विशेषतः मंगलवार को हनुमानजी को समर्पित किया जाता है, लेकिन इस चालीसा का पाठ किसी भी समय और किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके पाठ से भक्त को रोग, दुःख, और अशुभ ग्रहों के प्रभाव से मुक्ति मिलती है। इसलिए, हनुमान चालीसा का महत्व धार्मिकता, आध्यात्मिकता, और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। रात को सोने से पहले हनुमान चालीसा पढ़ने के क्या लाभ हैं आइए जानते हैं।

भय और नकारात्मक ऊर्जा से बचाव: हनुमान चालीसा भगवान हनुमान की शक्ति और वीरता का गुणगान करता है। ऐसा माना जाता है कि रात में सोने से पहले इसका पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा और भय से बचाता है, और आपको शांतिपूर्ण नींद प्रदान करता है।

मन पर नियंत्रण: हनुमान चालीसा का पाठ मन को शांत करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। यह नकारात्मक विचारों को दूर करने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने में भी सहायक होता है।

आत्मविश्वास में वृद्धि: भगवान हनुमान को साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। रात में सोने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और आपके आंतरिक डर दूर होते हैं।

4)कष्टों से मुक्ति: ऐसा माना जाता है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से शनि ग्रह के दोष कम होते हैं और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

5) ग्रहों की शांति: हनुमान चालीसा का पाठ करने से नौ ग्रहों की शांति होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

6) सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं: भगवान हनुमान को भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करने वाला माना जाता है। रात में सोने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपको जो लाभ मिलते हैं वह आपकी श्रद्धा और भक्ति पर निर्भर करता है। ध्यान रखें कि हनुमान चालीसा का पाठ शांत और पवित्र मन से करें। स्नान करके साफ कपड़े पहनकर पाठ करें। पूजा स्थान को साफ और स्वच्छ रखें। धूप जलाएं और भगवान हनुमान की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित करें। पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करें। अगर आप रात को सोने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, तो आपको शांतिपूर्ण नींद, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव हो सकता है।

मई 2024 में नामकरण संस्कार के लिए ये हैं शुभ मुहूर्त, ऐसे रखें बच्चे का नाम

नामकरण संस्कार हिंदू धर्म में एक महत्व-पूर्ण संस्कार है जो नवजात शिशु को उसका नाम देने के लिए किया जाता है। इस संस्कार में नवजात बच्चे के लिए एक स्थायी और पहचानी व्यक्तिगत पहचान नामित किया जाता है। नामकरण संस्कार को आमतौर पर जन्म के कुछ ही दिनों बाद किया जाता है, लेकिन कई क्षेत्रों में इसकी तिथि अलग हो सकती है। इस संस्कार में पुराने ग्रंथों, वेदों और गुरुओं की मार्गदर्शन में नवजात शिशु के लिए एक नाम चुना जाता है। नामकरण संस्कार एक धार्मिक और सामाजिक प्रथा है जो बच्चे को समाज में उसकी पहचान और स्थान की प्राप्ति में मदद करती है। यह एक शिशु के जीवन में धार्मिकता और समाज के साथ एक साक्षात्कार का भी अवसर प्रदान करता है।

पंचांग के अनुसार, मई 2024 में नामकरण संस्कार के शुभ मुहूर्त

01 मई 2024
सुबह: 07:30 से 09:00 तक
दोपहर: 12:00 से 01:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

3 मई 2024
सुबह: 08:00 से 09:30 तक
दोपहर: 01:00 से 02:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

5 मई 2024
सुबह: 10:00 से 11:30 तक
दोपहर: 02:00 से 03:30 तक
शाम: 07:00 से 08:30 तक

9 मई 2024
सुबह: 06:00 से 07:30 तक
दोपहर: 11:00 से 12:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

10 मई 2024
सुबह: 07:00 से 08:30 तक
दोपहर: 12:00 से 01:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

13 मई 2024
सुबह: 08:00 से 09:30 तक
दोपहर: 01:00 से 02:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

19 मई 2024
सुबह: 06:00 से 07:30 तक
दोपहर: 11:00 से 12:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

20 मई 2024
सुबह: 07:00 से 08:30 तक
दोपहर: 12:00 से 01:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

23 मई 2024
सुबह: 08:00 से 09:30 तक
दोपहर: 01:00 से 02:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

24 मई 2024
सुबह: 09:00 से 10:30 तक
दोपहर: 02:00 से 03:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

27 मई 2024
सुबह: 10:00 से 11:30 तक
दोपहर: 03:00 से 04:30 तक
शाम: 07:00 से 08:30 तक

30 मई 2024
सुबह: 11:00 से 12:30 तक
दोपहर: 04:00 से 05:30 तक
शाम: 08:00 से 09:30 तक

मार्कण्डेय पुराण क्या है? जानिए इसके लेखक कौन हैं और कितने अध्याय हैं

मार्कण्डेय पुराण 18 महापुराणों में से एक है। यह ऋषि मार्कण्डेय द्वारा भगवान विष्णु के अवतार भगवान कृष्ण को सुनाया गया था। यह पुराण हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इसमें सृष्टि, विनाश, पुनर्जन्म, कर्म, मोक्ष और अन्य धार्मिक विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई है। मार्कण्डेय पुराण में कई कहानियां और उपकथाएं हैं, जिनमें से कुछ सबसे प्रसिद्ध हैं जैसे मार्कण्डेय ऋषि की अमरता की कहानी, यह कहानी मार्कण्डेय ऋषि के बारे में है जिन्हें भगवान शिव से अमरता का वरदान मिला था।

सती का आत्मदाह, यह कहानी देवी सती के बारे में है जिन्होंने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपने पति भगवान शिव का अपमान किए जाने के बाद खुद को आग में जला दिया था। भगवान कृष्ण का जन्म जिसमें उनके बचपन की लीलाओं के बारे में है। मार्कण्डेय पुराण का हिंदू धर्म में गहरा प्रभाव रहा है। इस पुराण का उल्लेख अनेक धार्मिक ग्रंथों और स्त्रोतों में किया गया है। यह पुराण आज भी हिंदुओं द्वारा पढ़ा और श्रद्धा के साथ सुना जाता है।

महर्षि मार्कंडेय कौन थे?

महर्षि मार्कंडेय हिंदू धर्म के एक महान ऋषि थे। ऋषि मार्कंडेय का जन्म मृकंड ऋषि और मनस्विनी नामक रानी के पुत्र के रूप में हुआ था। उनके पिता मृकंड ऋषि भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। ऋषि मार्कंडेय को भगवान विष्णु से अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था। यह वरदान उन्हें तब मिला जब वे भगवान शिव की तपस्या कर रहे थे। महर्षि मार्कंडेय ने भगवान विष्णु को जो कथाएं सुनाई थीं, उन्हें मार्कंडेय पुराण के नाम से जाना जाता है। यह पुराण 18 महापुराणों में से एक है और इसमें हिंदू धर्म के अनेक महत्वपूर्ण विषयों का वर्णन है। ऋषि मार्कंडेय ज्ञान और शिक्षा के प्रतीक हैं। उन्हें वेदों और पुराणों का ज्ञान था और वे एक महान शिक्षक भी थे। महर्षि मार्कंडेय हिंदू धर्म में एक महान ऋषि थे जिन्होंने ज्ञान, शिक्षा और भक्ति का मार्ग दिखाया।

मार्कण्डेय पुराण के रचयिता कौन है?

मार्कण्डेय पुराण के रचयिता को लेकर विवाद है। कुछ लोगों का मानना है कि यह पुराण ऋषि मार्कण्डेय द्वारा रचित है, जिन्होंने इसे भगवान विष्णु को सुनाया था। दूसरों का मानना है कि यह पुराण कई ऋषियों और विद्वानों द्वारा रचित है और समय के साथ इसमें परिवर्तन और संशोधन किए गए हैं। यह भी संभव है कि यह पुराण मौखिक परंपरा से विकसित हुआ हो और बाद में इसे लिखित रूप में लाया गया हो। मार्कण्डेय पुराण के रचयिता के बारे में निश्चित रूप से कहना मुश्किल है। यह संभव है कि यह ऋषि मार्कण्डेय द्वारा रचित हो, या यह कई ऋषियों और विद्वानों का सामूहिक कार्य हो, या यह मौखिक परंपरा से विकसित हुआ हो। महत्वपूर्ण बात यह है कि मार्कण्डेय पुराण हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है जो जीवन, मृत्यु, धर्म और मोक्ष के बारे में महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

मार्कण्डेय पुराण में कितने अध्याय हैं?

मार्कण्डेय पुराण हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है जो जीवन, मृत्यु, धर्म और मोक्ष के बारे में महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। इसमें 137 अध्याय हैं। हालांकि, कुछ पांडुलिपियों में 90 अध्याय और कुछ में 197 अध्याय भी होते हैं। परंपरा और कुछ मध्ययुगीन ग्रंथों का दावा है कि मार्कण्डेय पुराण में 9,000 श्लोक हैं, लेकिन जीवित पांडुलिपियों में लगभग 6,900 श्लोक हैं।

मार्कण्डेय पुराण के अध्याय

अध्याय 1–5: सृष्टि की रचना, ब्रह्मा, विष्णु और शिव की उत्पत्ति, और देवताओं और दानवों के बीच युद्ध।

अध्याय 6–18: मनु और शतरूपा की कहानी, प्रलय और नया सृजन।

अध्याय 19–33: भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की कथाएं, जैसे कि वामन, नृसिंह, राम और कृष्ण।

अध्याय 34–79: मार्कण्डेय ऋषि की कथा, उन्हें अमरता का वरदान प्राप्त होता है।

अध्याय 80–81: शिव–पार्वती विवाह की कथा।

अध्याय 82–93: देवी दुर्गा का जन्म और महिषासुर का वध।

अध्याय 94–126: धर्म, नीति, कर्म और मोक्ष के बारे में शिक्षाएं।

अध्याय 127–137: भविष्य की भविष्यवाणी और कलियुग के बारे में विवरण।

रवि योग मे मिलता है सबसे ज्यादा धनलाभ! जानें मई में कब–कब बनेगा ये शुभ योग

रवि योग, जो सूर्यदेव से संबंधित एक अत्यंत शुभ योग माना जाता है, मानसिक शांति, सफलता और समृद्धि प्रदान करता है। यह योग कई तिथियों को विभिन्न ग्रहों के साथ संयोजन बनाकर बनता है। रवि योग एक ज्योतिषीय योग है जो व्यक्ति की कुंडली में उत्पन्न होता है। इस योग में सूर्य (रवि) का स्थान बहुत शुभ होता है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य को कोई शुभ ग्रह या केंद्र स्थिति में देखा जाता है, तो इसे रवि योग कहा जाता है। रवि योग का उत्थान व्यक्ति को धन, स्वास्थ्य, और सम्मान में वृद्धि करने में मदद करता है। इस योग के उत्थान से व्यक्ति को उच्च पद और सामाजिक स्थिति प्राप्त होती है। वह स्थायित्व और सम्मान की ओर अधिक ध्यान देता है और अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है। रवि योग के उत्थान से व्यक्ति को अधिक ऊर्जा, सकारात्मकता, और स्वास्थ्य की अधिक शक्ति प्राप्त होती है। यह उसके जीवन में अधिक उत्साह और संतुष्टि लाता है और उसे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद करता है।

मई 10, 2024, शुक्रवार– सुबह 10:47 से 05:33 तक
मई 11, 2024, शनिवार– सुबह 05:33 से 07:13 तक
मई 11, 2024, शनिवार– सुबह 10:15 से 05:32 ए एम, मई 12 तक
मई 12, 2024, रविवार– सुबह 05:32 से 10:27 तक
मई 13, 2024, सोमवार– सुबह 11:23 से 05:31 ए एम, मई 14 तक
मई 14, 2024, मंगलवार– सुबह 05:31 से 01:05 पी एम तक
मई 16, 2024, बृहस्पतिवार– सायं 06:14 से 05:29 ए एम, मई 17 तक
मई 17, 2024, शुक्रवार– सुबह 05:29 से 05:29 ए एम, मई 18 तक
मई 18, 2024, शनिवार– सुबह 05:29 से 12:23 ए एम, मई 19 तक
मई 21, 2024, मंगलवार– सुबह 05:46 से 05:27 ए एम, मई 22 तक
मई 22, 2024, बुधवार– सुबह 05:27 से 07:47 तक
मई 29, 2024, बुधवार– सुबह 08:38 से 05:24 ए एम, मई 30 तक
मई 30, 2024, बृहस्पतिवार– सुबह 05:24 से 07:31 तक

इरफान खान : जिनकी आंखे भी करती थी अभिनय

बॉलीवुड में इरफान खान को ऐसे दमदार अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिनकी आंखें भी अभिनय करती थीं। गहरी नशीली आंखे, ठहरी आवाज, वह बॉलीवुड के हीरो की तरह नहीं था लेकिन उसके चुंबकीय व्यक्तित्व में कुछ ऐसा था जो लोगों को बरबस जोड़ लेता सम्मोहित कर लेता।

इरफान खान का नाम जेहन में आते ही सबसे पहले उनकी आंखें याद आती हैं। वह एक ऐसे अभिनेता थे, जो बड़ी ही संजीदगी से अपनी आंखों से अभिनय करते थे। इरफान के पिता भी कहते थे कि 'ये आंखें हैं या प्याला हैं'। राजस्थान के जयपुर में इरफान खान का जन्म एक मुस्लिम पठान परिवार में 07 जनवरी 1967 को हुआ था। इरफान खान उन दिनों क्रिकेटर बनना चाह रहे थे। इस बात का खुलासा इरफान ने खुद ही एक इंटरव्यू के दौरान किया था। इरफान खान ने कहा था ,एक वक्त था जब मैं क्रिकेट खेलता था। मेरा सेलेक्शन सीके नायडू टूर्नामेंट के लिए हुआ था।उसमें मेरे 26 साथी चुने गए थे जिन्हें एक कैंप में जाना था, लेकिन मैं नहीं जा पाया, क्योंकि कैंप में जाने के लिए मैं पैसे का इंतजाम नहीं कर पाया। मैंने डिसीजन लिया कि क्रिकेट छोड़ देना चाहिए, क्योंकि इसमें

किसी न किसी के सहयोग की जरूरत होगी।'

इरफान खान अभिनेता बनना चाहते थे । इरफान खान ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला ले लिया था। उन्हीं दिनों पिता की मृत्यु हो गई। जिसके बाद घर से पैसे मिलने बंद हो गए। स्कूल में पढ़ाई के लिए उनकी स्कॉलरशिप का आवेदन को स्वीकार कर लिया था। इरफान खान अपनी एक्टिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई चले गए। मुंबई में आकर इरफान खान ने काफी स्ट्रगल किया। वह एक्टिंग से पहले इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। इरफान को एक बार राजेश खन्ना के घर पर एसी ठीक करने का काम मिला था। जब वह राजेश खन्ना के घर एसी ठीक करने गए, तो राजेश खन्ना की दाई ने दरवाजा खोला था। उस समय इरफान ने पहली बार राजेश खन्ना को देखा था और उन्हें देखकर बहुत खुश हुए थे।

मुंबई में इरफान खान ने फिल्मों के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। हालांकि इरफान के शुरूआती दिन काफी संघर्ष भरे खे। इरफान को फिल्मों के बजाय टीवी सीरियल में छोटे-मोटे रोल मिलने लगे थे। इरफान खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत वर्ष 1987 में दूरदर्शन के सीरियल 'श्रीकांत' से की। इसके अलावा उन्होंने 'भारत एक खोज, चाणक्य, चंद्रकांता, सारा जहां हमारा, बनेगी अपनी बात और संजय खान के धारावाहिक 'जय हनुमान' में काम किया।

टेलीविजन में करियर बनाने के दौरान ही मीरा नायर ने इरफान खान को वर्ष 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'सलाम बॉम्बे' में कैमियो रोल दिया था, लेकिन फिल्म में उनका सीन कट गया था। इसके बाद इरफान ने वर्ष 1990 में प्रदर्शित फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' में काम किया।इस फिल्म में पंकज कपूर और शबाना आजमी की लीड भूमिका थी। इसमें इरफान ने एक बेबाक रिपोर्टर की भूमिका निभाई थी।सलाम बॉम्बे में रोल कटने के बाद मीरा नायर ने इरफान से वादा किया था कि किसी अन्य फिल्म में लीड रोल देंगी। उन्होंने वर्ष 2006 में रिलीज फिल्म 'द नेमसेक' में उन्हें लीड रोल दिया। वर्ष 2001 में 'द वारियर' फिल्म से इरफान की जिंदगी बदल गई। इस फिल्म के बाद से इरफान को कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। वर्ष 2004 में 'हासिल' फिल्म में इरफान को एक नेगेटिव किरदार में देखा गया था। इस किरदार के लिए इरफान को खूब तारीफ मिली थी।इरफान खान को बतौर लीड रोल अपनी पहली फिल्म वर्ष 2005 में मिली थी। इस फिल्म का नाम रोग था। जिसमें इरफान ने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन इस फिल्म में इरफान की एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया था। इसी फिल्म से इराफान की खूबसूरत आखों को नोटिस किया गया। कहा जाता था कि इरफान की आंखें दमदार अभिनय करती हैं।

बॉलीवुड में हिट होने के साथ ही इरफान की एंट्री हुई हॉलीवुड में जहां उन्होंने स्पाइडर मैन, जुरासिक वर्ल्ड और इन्फर्नो जैसी फिल्मों में अभिनय किया। हाल ही में हॉलीवुड एक्टर टॉम हैंक्स ने इरफान खान की सराहना करते हुए कहा था कि- इरफान की आंखें भी अभिनय करती हैं।'बीहड़ में तो बागी होते हैं, डकैत मिलते हैं पार्लियामेंट में' इरफान की फिल्म पान सिंह तोमर का ये डायलॉग आज भी लोगों की जुबां पर रहता है। इरफान खान जब भी अपनी फिल्मों में डायलॉग बोलते थे तो उनके अंदाज ए बयां के लोग कायल हो जाते थे।

इरफान खान एक ऐसे अभिनेता थे, जो फिल्मों के बजट और एक्ट्रेस से कहीं ज्यादा फिल्म की कहानी और अपने किरदार को महत्व देते थे।इरफान खान ने अपने करियर के दौरान मकबूल, लंच बॉक्स, हासिल, लाइफ ऑफ पाइ, हिंदी मीडियम, हैदर,पीकू जैसी कई कामयाब फिल्मों में काम किया। 'अंग्रेजी मीडियम' इरफान खान की आखिरी फिल्म थी,जो 2017 में आई उनकी सुपरहिट फिल्म हिंदी मीडियम का सीक्वल थी।

राशि खन्ना का ग्रीन साड़ी में दिखा किलर अंदाज

एक्ट्रेस की दिलकश अदाओं ने फैंस को बनाया दीवाना

साउथ फिल्मों की जानी मानी एक्ट्रेस राशि खन्ना अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस के दिलों पर राज करना बखूबी जानती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कातिलाना तस्वीरें तेजी से वायरल हो जाती हैं।राशि खन्ना फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी मशहूर हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपकी सांसे थम जाएंगी. राशि खन्ना ने ग्रीन कलर की साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है. लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने बालों को खुला छोड़ा है और किलर पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस राशि खन्ना अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों पर राज करने का हुनर बखूबी जानती हैं। एक्ट्रेस राशि खन्ना बोल्ड अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं।राशि खन्ना अपने फैंस के लिए अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। राशि खन्ना ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साउथ इंडस्ट्री से की। एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स दीवाने हो गए हैं और अपनी चहेती एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अपने करियर में मैं अनदेखी 3 जैसा प्रोजेक्ट करना चाहती थी : हेली दारूवाला

एक्ट्रेस हेली दारूवाला, जो अपनी अगली सीरीज अनदेखी 3 की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने कहानी को रोमांचकारी बताया है।शो में हेली महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं, हालांकि उन्होंने भूमिका के बारे में जानकारी को गुप्त रखा है।जिस चीज ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया वह थी शो की स्क्रिप्ट और कहानी।हेली ने कहा, अनदेखी एक बेहद लोकप्रिय शो है और मुझे सीजन 3 का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। टीम ने कहानी को रोमांचकारी बनाए रखने का शानदार काम किया है और यह उस तरह का प्रोजेक्ट है जिसकी मैं तलाश कर रही थी।एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिस तरह से मेरे ट्रैक ने आकार लिया है, उससे मैं बेहद खुश हूं और मैं 10 मई को दर्शकों द्वारा इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती।अनदेखी 3 10 मई को सोनी लिव पर रिलीज होगी।

रामायण से लीक हुआ रणबीर कपूर और साई पल्लवी का लुक

फिल्म रामायण इन दिनों सुर्खियों में है। यह फिल्म इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि इसे काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है और कई बड़े सितारे इससे जुड़े हैं। यही वजह है कि फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी पर प्रशंसक नजर नाए हुए हैं।अब नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में भगवान श्रीराम बने रणबीर कपूर और माता सीता के अवतार में साई पल्लवी की पहली झलक सेट से लीक हो गई है।फिल्म के सेट से रणबीर और साई की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें उन्हें भगवान राम और मां सीता के अवतार में देखा जा सकता है। इन तस्वीरों ने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।दोनों का लुक लोगों को खूब भा रहा है। तस्वीरों को देख लग रहा है कि ये राम और सीता की शादी के बाद वाला सीन है। पोशाक के साथ रणबीर और साई के हाव-भाव भी देखने लायक हैं।इस फिल्म से कई सितारो का नाम जुड़ा है। केजीएफ स्टार यश इससे बतौर सह-निर्माता जुड़े हैं, वहीं वह इसमें रावण की भूमिका भी निभाने वाले हैं।सनी देओल

दिखा राम-सीता का अवतार

फिल्म में भगवान हनुमान का किरदार निभाएंगे तो साउथ के स्टार विजय सेतुपति फिल्म में विभीषण की भूमिका में दिखेंगे।इससे पहले सेट से अरुण गोविल, लारा दत्ता और शिबा चड्ढा की पारंपरिक तस्वीरें सामने आई थीं। रकुल प्रीत सिंह और रवि दुबे भी फिल्म का हिस्सा हैं।फिल्म का संगीत भी शानदार होने वाला है, क्योंकि 2 दिग्गज संगीतकार हंस जिमर और एआर रहमान इसके लिए साथ आए हैं। ऑस्कर जीत चुके हंस इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। वह भगवान राम की कहानी से रोमांचित हैं।हंस ने एक इंटरव्यू में रहमान के साथ काम करने की इच्छा भी जाहिर की थी और अब दोनों साथ मिलकर दुनियाभर के दर्शकों के बीच अपने संगीत का जादू चलाने के लिए तैयार हैं।रणबीर ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल की दूसरी किस्त एनिमल पार्क में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

दीपक तिजोरी की फिल्म टिप्सी का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

90 के दशक के फेमस हीरो दीपक तिजोरी इन दिनों अपनी फिल्म टिप्सी को लेकर छाए हुए हैं। गुरुवार को दीपक तिजोरी की टिप्सी का ट्रेलर रिलीज हुआ है।बता दें, ये फिल्म अभिनेता के निर्देशन में बनी है। मुंबई में हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निर्देशक महेश भट्ट और पूजा भट्ट भी नजर आए।2 मिनट 32 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत गोवा जैसे खूबसूरत शहर से होती है। जहां 5 लड़कियों का एक ग्रुप घूमने जाता हैं, लेकिन इन लड़कियों के लिए ये गोवा का ट्रीप आफत बन जाएगा। इसके बारे में नहीं पता था। गर्लस का ये ट्रीप उन्हें जेल की हवा खाने पर मजबूर कर देता है। ट्रेलर में दीपक तिजोरी की भी दमदार एंट्री देखने को मिलती है। जोकि एक पुलिस अफसर के किरदार में नजर आ रहे हैं। दीपक के अलावा अलंकृता सहाय, नताशा सूरी, कैनात अरोरा, नाजिया हुसैन, सोनिया बिर्जे, हरजिंदर सिंह, मनदीप कौर संधू और दानिश भट्ट नजर आ रहे हैं। इवेंट में दीपक तिजोरी ने अपनी दोस्त पूजा और महेश भट्ट के साथ कुछ इस अंदाज में मीडिया के कैमरों में पोज दिए। इस दैरान एक्टर येलो टी-शर्ट और ब्लैक जींस में नजर आए। वहीं, महेश ब्लैक टी-शर्ट के साथ जींस और चप्पल पहने दिखाई दिए। एक्ट्रेस पूजा की बात करे तो वह इस मौके पर ऑल ब्लैक लुक में नजर आई। टिप्सी का निर्देशन दीपक तिजोरी ने किया है। फिल्म का निर्माण राजू चड्ढा और दीपक तिजोरी ने किया है। सना खान और अनीता शर्मा फिल्म की सह-निर्माता हैं। फिल्म को पैनोरमा स्टूडियो देशभर में रिलीज करेगा। जो 10 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री से निर्माता बनीं सामंथा

पोस्टर के साथ नई फिल्म बंगाराम का किया एलान

ऊ अंटावा.. गर्ल फेम सामंथा रुथ प्रभु अपने 36वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके सभी दोस्त, रिश्तेदार सेलेब्स और फैंस की लगातार शुभकामनाएं उनके सोशल मीडिया पर आ रही हैं। अपने बर्थडे को और भी खास बनाने के लिए सामंथा ने अपने फैंस के लिए एक सरप्राइज दिया है। दरअसल, आज जन्मदिन के मौके पर सामंथा ने अपनी नई फिल्म की घोषणा करते हुए फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया है।सामंथा की आगामी फिल्म का नाम बंगाराम है। सामंथा रुथ प्रभु ने कुछ ही घंटों पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी नई फिल्म की घोषणा की है। इसेक साथ ही सामंथा ने फिल्म का पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में सामंथा का अबतक का सबसे खूंखार लुक दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर में सामंथा अपने हाथ में बंदूक पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर खून के छींटे दिखाई दे रहे हैं। फिल्म बंगाराम में उनका यह लुक लोगों को डरा भी रहा है और पसंद भी आ रहा है। सामंथा की फिल्म बंगाराम का यह पोस्टर अब फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। उनका यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामांथ ने कुछ ही घंटों पहले फिल्म का पोस्टर और मोशन वीडियो शेयर किया है। सामंथा ने पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, सुनहरा होने के लिए हर चीज का चमकदार होना जरूरी नहीं है, बंगाराम जल्द ही शुरू होगा।फिल्म बंगाराम के पोस्टर को देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। फैंस को अभिनेत्री का यह दमदार लुक काफी पसंद आ रहा है। फैंस लगातार उनके जन्मदिन के साथ ही इस लुक को लेकर भी कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा है, हैप्पी बर्थ डे क्वीन, एक और फैन ने लिखा, वैरी कूल पोस्टर। एक फैन ने लिखा, बंगाराम ऑन फॉयर।, एक और फैन ने लिखा, पोस्टर को देखकर तो मेरे रौंगटे खड़े हो गए। उम्मीद करता हूं कि यह फिल्म सुपर हिट हो। फिर से एक बार हैप्पी बर्थ डे लव।फिल्म बंगाराम के अलावा सामंथा सिटाडेल: हनी बनी सीरीज में नजर आएंगी। राज और डीके द्वारा

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। संबंधियों से मुलाक़ात उससे कहीं बेहतर रहेगी, जितनी आपको उम्मीद थी। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना–फिरना आपके दिलो–दिमाग़ पर छाया रहेगा। आप जो भी करेंगे, बिल्कुल बेहतर ढंग से करेंगे। आपका लाजवाब काम ख़ुद ही आपकी असली क़ीमत लोगों को बताएगा। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अगर आप सामाजिक जलसों और कार्यक्रमों में भाग लेंगे, तो आप अपने संगी–साथियों की फ़ेहरिस्त में इज़ाफ़ा कर सकते हैं। आज के दिन अपने प्रिय से कोई तल्ख़ बात न कहें। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। बिन बुलाए किसी मेहमान की वजह से आपकी योजनाएँ तो गड़बड़ा सकती हैं, लेकिन आपका दिन ख़ुशनुमा हो जाएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरूर होगा। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं लेकिन रास्ते में अत्यधिक जाम की वजह से आप ऐसा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारियों को किसी पुराने निवेश की वजह से आज घाटा होने की संभावना है। आपका प्रेमी आपको पर्याप्त समय नहीं देता यह शिकायत आज आप खुलकर उनके सामने कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएं, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका कोई प्रतिद्वंदी आज आपके खिलाफ साजिश कर सकता है, इसलिए आज आपको आंख कान खोलकर काम करने की जरुरत है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका प्रेमी आपको पर्याप्त समय नहीं देता यह शिकायत आज आप खुलकर उनके सामने कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आज आपको और आपके जीवनसाथी को प्यार–मुहब्बत के लिए पर्याप्त समय मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सकारात्मक विचारों को ही दिमाग़ में आने दें। जो उधारी के लिए आपके पास आएँ, उन्हें नज़रअन्दाज़ करना ही बेहतर रहेगा। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। खाली वक़्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आपको अपने अटके कामों को पूरा करने में इसका इस्तेमाल करना चाहिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बिन बुलाए किसी मेहमान की वजह से आपकी योजनाएँ तो गड़बड़ा सकती हैं, लेकिन आपका दिन ख़ुशनुमा हो जाएगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 01 मई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी उत्तर रात्रि 04:03 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 03:11 तक
योग : शुभ रात्रि 08:00 तक
करण : बालव सायं 04:59 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शीतला पूजा बूढ़ा बासोड़ा, कालाष्टमी , विश्व श्रम दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पेयजल किल्लत के चलते महिलाओं ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

जोधपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पानी की पर्याप्त सप्लाई नहीं होने से नाराज महिलाओं ने मंगलवार को रास्ता रोककर प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान वाहन चालकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं राहगीरों से भी कुछ महिलाएं उलझ गईं। अब जोधपुर शहर में ग्रामीण इलाकों में गर्मियों के समय पेयजल किल्लत सामने आने लगी है। सांगरिया से सालावास जाने वाली मुख्य रोड को महिलाओं ने जाम कर दिया। महिलाओं का कहना है की गांव में पानी की सप्लाई सुचारु नहीं होने से परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर अवैध कनेक्शन हैं। यहां ग्रामीणों के हिस्से का पानी चोरी कर ग्रामीणों को ही एक हजार से 1500 रुपए प्रति टैंकर बेचा जा रहा है।

महिलाओं ने कहा कि गांव में कई जगह पर अवैध कनेक्शन भी हैं, जिसकी वजह से उनके हिस्से का पानी गांव तक नहीं पहुंच पाता है।

ऐसे कनेक्शन पर जलदाय विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों के हक का पानी टैंकरों में भरकर बेचा जा रहा है। कई बार अवगत करवाने के बावजूद जलदाय विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है। जबकि गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत होने की वजह से टैंकरों के माध्यम से पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। मीठे पानी के एक टैंकर के 1000 से 1500 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद जलदाय विभाग ध्यान नहीं दे रहा हैं।

स्वास्थ्य विभाग का ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अनूपगढ़ जिले की घड़साना मंडी में स्वास्थ्य विभाग में एसीबी ने कार्रवाई करते हुए ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर ने संविदा कर्मी को ड्यूटी पर लगाने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। सविंदा कर्मी की ओर से इसकी शिकायत एसीबी को की गई थी। एसीबी ने मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

एसीबी की घडसाना के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में कार्रवाई जारी है। एसीबी के डीएसपी वेद प्रकाश लखोटिया ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्हें शिकायत मिली थी कि घडसाना के मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी ने सविंदा कर्मी को ड्यूटी पर लगाने की एवज में रिश्वत की मांग की थी।

उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद सत्यापन किया गया तो बात सही पाई गई। इसके बाद आज मंगलवार को परिवादी को 10 हजार देकर ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी के पास भेजा गया और ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। डीएसपी वेद प्रकाश लखोटिया ने बताया कि एसीबी के द्वारा कार्रवाई जारी है।

हरियाणा शिक्षा बोर्ड की बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित

85.31 फीसदी नियमित और 65.32 प्रतिशत स्वयंपाठी परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण

छात्राओं ने फिर मारी बाजी, छात्रों को 5.62 फीसदी से अधिक बढ़त से छोड़ा पीछे

परीक्षा परिणामों में महेंद्रगढ़ टॉप पर तथा नूंह रहा सबसे निचले पायदान पर

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने संचालित करवाई गयी सीनियर सेकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) वार्षिक परीक्षा–2024 का परिणाम मंगलवार को घोषित किया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वी. पी. यादव ने आज बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा सीनियर सेकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 85.31 फीसदी तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 65.32 फीसदी रहा है।

उन्होंने बताया कि सीनियर सेकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षा में 213504 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुये थे, जिनमें से 182136 उत्तीर्ण हुये तथा 6169 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस परीक्षा में 105993 प्रविष्ट छात्राओं में से 93418 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 88.14 रही, जबकि 107511 छात्रों में से 88718 पास हुये, इनकी पास प्रतिशतता 82.52 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 5.62 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज कर बढ़त हासिल की है।

उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 83.35 रही तथा प्राइवेट विद्यालयों की पास प्रतिशतता 88.12 रही है। इस परीक्षा में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 86.17 रही है, जबकि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 83.53 रही है। उन्होंने बताया कि पास प्रतिशतता में जिला महेंद्रगढ़ टॉप तथा जिला नूंह पायदान पर सबसे नीचे रहा।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि यह परिणाम आज दोपहर बाद से संबंधित विद्यालयों/ संस्थाओं द्वारा बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड द्वारा लॉगिन करते हुये डाउनलोड भी किया जा सकेगा। कोई विद्यालय अगर समय पर परिणाम प्राप्त नहीं करता है तो इसके लिये वह स्वयं जिम्मेवार होगा।

उन्होंने बताया कि सीनियर सेकेण्डरी परीक्षा के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 65.32 प्रतिशत रहा है। इस परीक्षा में 5672 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुये, जिनमें से 3705 पास हुये। स्वयंपाठी परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक अथवा नाम, पिता का नाम, माता का नाम और जन्मतिथि भरते हुये परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। विद्यालयी परीक्षार्थी भी अपना परिणाम अनुक्रमांक और जन्मतिथि भरते हुये देख सकते हैं।

पुलिस चौकी का होमगार्ड ढाई लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

रोहतक, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो रोहतक की टीम ने झज्जर में छापा मारकर छुछकवास पुलिस चौकी के होमगार्ड सतेंद्र को ढाई लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी एक महिला के साथ मिलकर भिंडावास गांव के सरपंच से पुलिस आयुक्त व डीएसपी कार्यालय में जांच का डरा दिखाकर लाखों रुपए ऐंठ चुका है।

एसीबी के डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि छुछकवास गांव के सरपंच दारा सिंह ने शिकायत दी है कि सतेंद्र कुमार होमगार्ड है। उसने आरोप लगाया कि उसने एक महिला को अश्लील मैसेज भेजे हैं। न केवल पुलिस कार्रवाई होगी, बल्कि समाज में बदनामी भी होगी। डरा दिखाकर आरोपी ने डेढ़ लाख रुपए ले लिए। कुछ समय बाद फिर धमकी देना शुरू कर दिया। बोला, डीएसपी के पास दोबारा से जांच खोलने की शिकायत पहुंची है।ऐसे में पांच लाख रुपए देने होंगे, ताकि शिकायत को दबाया जा सकें। मार्च माह में एक लाख फोन पे व 4 लाख नकद ले लिए। इसके बाद धमकी दी कि मामलना एसपी के पास चला गया है। अब 10 लाख रुपए में मामला दबाया जा सकेगा। बदनामी के डर से सरपंच ने आरोपी सतेंद्र को 8 लाख रुपए दे दिए। अब अप्रैल 2024 में आरोपी सतेंद्र ने कहा कि मामला पुलिस आयुक्त कार्यालय में चला गया। ऐसे में 25 लाख रुपए दबाने के लिए देने होंगे। सरपंच ने इतनी ज्यादा राशि देने में समर्थता जाहिर की। 24 अप्रैल को आरोपी सतेंद्र अपने साथ षडयंत्र में शामिल महिला के साथ लघु सचिवालय झज्जर में सरपंच से मिला। सरपंच का आरोप है कि सतेंद्र व महिला ने उसके साथ अभद्रता की। उस पर लिखित समझौता करने के लिए दबाव डाला।

अस्पताल में महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

चिकित्सक पर लगाया गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

करौली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल में गलत इंजेक्शन से महिला की मौत का मामला सामने आया है। चिकित्सा कर्मी पर महिला को गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप है। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। इस दौरान मृतका के परिजनों ने अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगाकर धरना प्रदर्शन किया।

पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया और शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों ने चिकित्सा कर्मी के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। करौली के खार रोड निवासी रुखशाद पुत्र इकबाल ने पुलिस को सौंपी शिकायत में बताया कि वो अपनी पत्नी रेशमा को हर माह करौली हॉस्पिटल में बीमारी का इंजेक्शन लगवाने ले जाता था। इंजेक्शन लगवाने के लिए वो पत्नी को हॉस्पिटल लेकर आया। इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सा कर्मी ने पर्ची पर लिखे इंजेक्शन के स्थान पर दूसरा लगा दिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सा कर्मी की लापरवाही से महिला की मौत हुई है।

घटना के बाद चिकित्सा कर्मी हॉस्पिटल से फरार हो गया। मामले को लेकर परिजनों ने महिला के शव को अस्पताल के बाहर सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और जाम लगाकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि करौली कोतवाली पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया। साथ ही मृतका का शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिट्टी उठान की अनुमति दिलाने के लिए मांगी 2000 की रिश्वत, खनन गार्ड गिरफ्तार

दादरी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मिट्टी उठान की अनुमति दिलाने की एवज में 2000 रुपए रिश्वत लेने पर पुलिस टीम ने खनन विभाग में तैनात रक्षक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुनील कुमार मूलरूप से झज्जर का रहने वाला है और उसकी तैनाती दादरी खनन विभाग में है। उसके खिलाफ दादरी सदर थाने में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। वहीं, पुलिस ने मंगलवार दोपहर बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

डीएसपी सुभाषचंद्र ने बताया कि एसपी कार्यालय में एक शिकायत दी गई थी जिसमें खनन रक्षक पर दो हजार की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। शिकयतकर्ता छपार निवासी देवेंद्र ने बताया कि 26 अप्रैल को उसने अपने मित्र कृष्ण के खेत से मिट्टी उठाने की अनुमति लेने के लिए खनन विभाग में फाइल जमा करवाई थी। 29 अप्रैल को उसके पास खनन रक्षक सुनील को फोन आया और उसने कहा कि मिट्टी उठान की अनुमति लेने के लिए उसे दो हजार रुपए जमा करवाने पड़ेंगे। शिकायतकर्ता के अनुसार सुनील ने कहा कि उसने अनुमति दिला दी और अब उसे दो हजार चाहिए। रिश्वत मांगने के चलते देवेंद्र ने मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में दी और साथ ही सुनील के साथ हुइ बातचीत की रिकॉर्डिंग भी सौंपी गई।

इसके बाद डीएसपी सुभाषचंद्र की अगुवाई में टीम भैरवी में बने किसान मॉडल स्कूल भवन में दबिश दी। डीएसपी सुभाषचंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता देवेंद्र सुनील को रिश्वत देने के लिए कार लेकर पहुंचा। उसके फोन करने पर सुनील कार्यालय से बाहर आया और देवेंद्र की गाड़ी में बैठ गया। वहां देवेंद्र ने उसे रुपए दिए और इसके तुरंत बाद टीम ने उसे काबू कर लिया।

डीएसपी सुभाषचंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता देवेंद्र 500–500 के चार नोट लेकर खनन विभाग कार्यालय पहुंचा। इन चारों नोट के सीरियल नंबर पहले ही टीम ने नोट कर लिए। जब सुनील ने गाड़ी में बैठकर देवेंद्र से रुपए लिए तो पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसके पास से उसी सीरियल नंबर के चार नोट बरामद हो गए। अधिकारी के अनुसार आरोपी खनन रक्षक सुनील को रंगेहाथ दबोचा गया। उसके खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया। आरोपी से 500–500 रुपये के चार नोट पुलिस टीम ने मौके पर ही बरामद कर लिए।

प्रज्वल के पूर्व ड्राइवर का दावा

मैंने वीडियो सिर्फ भाजपा नेता को सौंपे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना के परिवार के पूर्व ड्राइवर ने दावा किया है कि उन्होंने स्पष्ट वीडियो केवल हासन जिले के भाजपा नेता देवराजे गौड़ा को सौंपे थे, किसी और को नहीं। मंगलवार को सामने आए एक वीडियो में, 15 साल तक परिवार का ड्राइवर होने का दावा करने वाले कार्तिक ने कहा कि उसने वीडियो केवल देवराजे गौड़ा को दिए थे। एक मीडिया इंटरव्यू में देवराजे ने आरोप लगाया था कि उन्हें वीडियो सौंपते समय कार्तिक ने उनसे कहा था कि वह इन्हें पहले ही कुछ कांग्रेस नेताओं को सौंप चुके हैं। रेवन्ना के बेटे और हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते और जद (एस) प्रमुख एचडी कुमारस्वामी के भतीजे पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है। कृत्यों को फिल्माया गया है और ये वीडियो, कथित तौर पर हजारों की संख्या में, सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए हैं। 27 अप्रैल को जर्मनी भाग गए प्रज्वल को मंगलवार को पार्टी से निलंबित कर दिया गया।

कार्तिक ने कहा मैंने ये वीडियो देवराजे के अलावा किसी को नहीं दिए। मुझे इसे कांग्रेस को क्यों देना चाहिए? उनके (कांग्रेस) उस परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं और पुलिस ने मेरे मामले पर बी रिपोर्ट दर्ज की होगी। मैं केवल देवराजे के पास गया क्योंकि मुझे कांग्रेस पर भरोसा नहीं था, लेकिन उन्होंने भी मुझे धोखा दिया। उन्होंने यह नहीं बताया कि वीडियो उनके पास कैसे आए। कार्तिक का बयान राज्य के सभी तीन मुख्य राजनीतिक दलों की भूमिका पर नवीनतम है, जिसमें कांग्रेस और भाजपा इस बात पर आरोप-प्रत्यारोप में शामिल हैं कि इन वीडियो के अस्तित्व के बारे में कौन जानता था। कई महीने पहले वीडियो के अस्तित्व के बारे में जानने के बावजूद कार्रवाई नहीं करने और अभी भी हासन के लिए प्रज्वल को अपना उम्मीदवार बनाए रखने पर भाजपा को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने वीडियो के प्रसार की निंदा करते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर प्रज्वल के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। कार्तिक ने कहा कि उन्होंने पिछले साल देवराजे गौड़ा से संपर्क किया जब उन्हें पता चला कि वह एक भाजपा नेता हैं जिन्होंने रेवन्ना के खिलाफ चुनाव लड़ा था और रेवन्ना परिवार के खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहे थे। कार्तिक ने कहा कि उन्होंने रेवन्ना के परिवार के लिए 15 साल तक काम किया था और रेवन्ना के परिवार द्वारा उनकी जमीन छीन लेने के बाद एक साल पहले नौकरी छोड़ दी थी। उन्होंने मेरी जमीन छीन ली, मेरी पत्नी को पीटा, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और हमें परेशान किया। मैंने नौकरी छोड़ दी और उनसे कानूनी तौर पर लड़ने की तैयारी कर रहा था, तभी मैंने देवराजे के बारे में सुना, जो होलेनरसिपुरा में भाजपा नेता थे और मुझे पता चला कि वह भी उनसे लड़ रहे थे।

मैं उनके पास गया क्योंकि मुझे लगा कि मुझे कहीं और न्याय नहीं मिलेगा और मैंने अपनी सारी परेशानियां उनके सामने कबूल कर लीं। कार्तिक ने कहा कि भाजपा नेता ने उनसे कहा था कि उन्हें अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए वीडियो की आवश्यकता है। मैंने उस पर भरोसा किया और उन्हें एक प्रति दी।

मुझे नहीं पता कि उन्होंने इसके साथ क्या किया। लेकिन उन्होंने इसे अदालत में जमा नहीं किया और मैंने सुना है कि उन्होंने मीडिया के सामने परिवार को बेनकाब करने की धमकी दी। जब मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, तो उन्होंने मुझे इससे दूर रहने के लिए कहा।

वह खुद को बचाना चाहते हैं

यह कहते हुए कि उन्होंने देवराजे को उन पर सभी वीडियो फैलाने का आरोप लगाते हुए सुना है, कार्तिक ने कहा प्रज्वल ने मुझे वीडियो जारी करने से रोकने के लिए मेरे खिलाफ स्थगन आदेश लाया। ि

फर देवराजे ने मुझसे पूछा कि क्या मेरे पास कोई वीडियो है और मैंने उन्हें एक प्रति सौंप दी। अब वह मुझ पर वीडियो फैलाने का आरोप लगा रहे हैं।

वह खुद को बचाना चाहते हैं, इसलिए मुझ पर आरोप लगा रहे हैं कि मैंने वीडियो कांग्रेस नेताओं को दिए, लेकिन मैंने उन्हें ही दे दिए। मैंने वह सब देखा है जो उस घर में 15 वर्षों से चल रहा है। मैं जानता हूं कि कौन आया और क्या हुआ, अच्छा और बुरा दोनों। मैं चाहता हूं कि अन्य लोग भी आगे आकर बताएं कि उनके साथ क्या हुआ है।

सांसद पर लगे यौन शोषण के आरोप का मामला

एनसीडब्ल्यू ने कर्नाटक पुलिस से मांगी रिपोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने लोकसभा सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के आरोपों पर कर्नाटक पुलिस से तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

कर्नाटक डीजीपी को लिखे एक पत्र में, एनसीडब्ल्यू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई स्पष्ट वीडियो क्लिप के प्रसार के बाद इस मामले पर ध्यान आकर्षित किया, जिसमें रेवन्ना को कथित तौर पर कई महिलाओं के खिलाफ यौन शोषण के कृत्यों में शामिल दिखाया गया है। आयोग ने आरोपी को पकड़ने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई का आग्रह किया, जिसके देश से भाग जाने की सूचना है।

इसने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने और उनके खिलाफ अनादर और हिंसा को बढ़ावा देने वाली संस्कृति को कायम रहने से रोकने के महत्व पर भी जोर दिया। पत्र में कहा गया कि आयोग इस घटना की कड़ी निंदा करता है। इसमें कहा गया है कि ऐसी घटनाएं न केवल महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं, बल्कि उनके खिलाफ अनादर और हिंसा की संस्कृति को भी बढ़ावा देती हैं। हम संबंधित पुलिस प्राधिकरण से आरोपी को पकड़ने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई का आग्रह करते हैं, जो देश छोड़कर भाग गया है। आयोग ने मांग की है कि संबंधित पुलिस प्राधिकारी द्वारा उठाए गए कदमों की रूपरेखा वाली एक विस्तृत रिपोर्ट तीन दिनों के भीतर उसे सौंपी जाए। पुलिस ने रविवार को प्रज्वल और उनके पिता - जद (एस) विधायक और पूर्व मंत्री एच. डी. रेवन्ना पर उनके घर में काम करने वाली एक महिला की शिकायत के आधार पर यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी देने का मामला दर्ज किया।

माता-पिता को बच्चों के स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रखनी चाहिए निगरानी: बी.दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने सुझाव दिया है कि जो माता-पिता बच्चों को स्मार्टफोन देते हैं, उन्हें उनकी कार्य गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा, क्या उनके बच्चे मोबाइल फोन के आदी हैं? क्या ऑनलाइन गेम्स के प्रति जुनूनी हैं? उन्होंने कहा कि अभिभावकों को इसे लेकर सावधान रहना चाहिए। माता-पिता से बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने और उचित मार्गदर्शन और पोषण प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। आरआरनगर पुलिस स्टेशन के तहत एक हालिया मामले में, एक नाबालिग लड़के के दोस्तों ने उसे अपने माता-पिता को ऑनलाइन गेम में शामिल होने के बारे में बताने की धमकी दी और उसके घर से पैसे और आभूषण ले गए। उन्होंने अभिभावकों को ऐसे मामलों में बच्चों को लेकर सावधान रहने की सलाह दी।

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

दो वर्ष बाद आया फैसला, बीस हजार आर्थिक दंड का जुर्माना

बेतिया (एजेंसियां)। मामले कि जानकारी देते हुए बताया कि पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद प्रसाद ने कांड के नामजद अभियुक्त मझौलिया थाना क्षेत्र के बनकट मुसहरी गांव निवासी मोफिक्रज आलम को दोषी पाते हुए 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही 20 हजार रुपए जुर्माना का भी आदेश दिया गया है।

न्यायालय का यह फैसला दो वर्ष में आया है। पॉक्सो एक्ट के विशेष लोक अभियोजक वेदप्रकाश द्विवेदी ने बताया कि किशोरी ने मोफिज आलम के विरुद्ध मझौलिया थाना में 7 फ़रवरी 2022 को एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें आरोप लगाया था कि मोफिज शादी का झांसा देकर उससे लगातार शारीरिक संबंध बनाता था। इतना ही नहीं जब भी वो घर से बाहर निकलती थी तो रास्ते में पकड़कर छेड़खानी करता था।

इधर बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत पीड़िता बच्ची को पांच लाख रुपये सहायता स्वरूप अनुदान राशि दिलाने का भी आदेश किया है। बताया कि आरोपी पीड़िता के साथ शादी का झांसा देकर लगातार यौन शोषण करता रहा। जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी इंकार कर दिया। जान मारने की धमकी देने लगा। इसी मामले में न्यायाधीश ने आरोपी मोफिज आलम को दोषी पाते हुए भादवि की धारा 376(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 में 20-20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाते हुए 20 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

उत्तराखंड ने पतंजलि के 14 उत्पादों का लाइसेंस किया रद्द

परीक्षण को लेकर विरोध जताने वाले अशोक अब उत्तराखंड सरकार के इस कदम पर क्या कहेंगे: दिनेश गुंडुराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सवाल उठाया है कि पतंजलि कंपनी के उत्पादों की गुणवत्ता के परीक्षण को लेकर विरोध जताने वाले विपक्षी नेता आर. अशोक अब उत्तराखंड सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में क्या कहेंगे? उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है कि उत्तराखंड की बीजेपी सरकार ने पतंजलि के 14 उत्पादों का लाइसेंस रद्द कर दिया है। मैंने लोगों के स्वास्थ्य को देखते हुए राज्य में पतंजलि उत्पादों की गुणवत्ता की जांच करने का आदेश दिया था। उस समय विपक्षी नेता आर. अशोक, जो इस तरह उत्तेजित थे जैसे उनके घर में आग लग गई हो, ने मुझसे पूछा कि पतंजलि संस्थान के प्रति नफरत क्यों है।

अब उनकी ही पार्टी सत्ता में है तो उत्तराखंड सरकार ने पतंजलि के 14 उत्पादों का लाइसेंस रद्द कर दिया है।

अब क्या वह उत्तराखंड सरकार से वही सवाल पूछेंगे जो उन्होंने मुझसे पूछा था। गलत विज्ञापन देकर लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की पतंजलि कंपनी को फटकार लगाई है। जब सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि कंपनी की विश्वसनीयता पर संदेह व्यक्त किया, तो विपक्ष के नेता आर. अशोक ने प्रमाण पत्र दिया था कि पतंजलि एक लोकप्रिय ब्रांड है। पतंजलि ने ऐसा व्यवहार किया मानो उत्पादों की गुणवत्ता की जाँच करना कोई अपराध हो। अब क्या अशोक में अपनी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर सवाल उठाने की हिम्मत है। उन्होंने हासन के पेन ड्राइव मामले पर परोक्ष रूप से टिप्पणी करते हुए कहा है कि महिलाओं के कल्याण की बात करने वाले मोदी हासन की बेटियों के साथ हुए अन्याय पर क्यों नहीं चिल्लाए, जितना हुब्बल्ली की बेटियों की हत्या पर चिल्लाए थे।

स्मैक सप्लाई करने वाला मुख्य सरगना चढ़ा पुलिस के हत्थे

पटना (एजेंसियां)। पटना के आलमगंज थाने की पुलिस ने पटना सिटी एवं आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर स्मैक सप्लाई करने वाले गिरोह के मुख्य सरगना को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 815 ग्राम स्मैक जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है। इस गैंग का तार मणिपुर से जुड़ा है। पुलिस के प्रारंभिक छानबीन में जो बातें सामने आयी है। वह काफ़ी चौंकाने वाली प्रतीत हो रही है। इस बात का खुलासा पटना के सिटी एसपी पूर्वी भरत सोनी ने मंगलवार को किया है।

बताया जा रहा है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पटना एवं उसके आसपास पटना सिटी के इलाके में इसमें स्मैक बेचने वाला गिरोह सक्रिय है। इस गिरोह के युवक घूम घूम कर छोटे-छोटे व्यापारी के रूप में नवयुवकों को इसकी सप्लाई करता है। सूचना मिलने के बाद एक पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने गुलजारबाग स्टेशन के नजदीक एक घर से छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार युवक का नाम राहुल कुमार बताया गया है। पुलिस ने राहुल कुमार के घर से 815 ग्राम स्मैक 86000 रूपये नगद और एक मोबाइल जब्त किया है। जब्त किए गए स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 50 लाख रुपए बताई गई हैं।

बताया जा रहा है कि इस स्मैक के धंधे में मणिपुर का एक गिरोह वहां से ट्रेन के द्वारा रॉ मटेरियल और कच्चा माल भेजा करता था, जिसे यहां रिफ़ाइन करने के बाद प्रक्रिया करके स्मैक बनाई जाती थी।

उस स्मैक का छोटा-छोटा पुड़िया बनाकर छोटे-छोटे व्यापारी के रूप में स्मैक का धंधा करने वाले युवको सप्लाई किया जाता था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मणिपुर के कितने युवक इस धंधे से जुड़े हैं। सिटीएसपी भरत सोनी ने बताया कि मणिपुर पुलिस से भी इस संबंध में संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रेमिका को छोड़कर भागा प्रेमी, डिप्रेशन में आकर प्रेमिका ने जहर खाकर दी अपनी जान

पटना (एजेंसियां)। घटना रोहतास जिले के काराकाट थानाक्षेत्र के चिक्सिल बाल की बताई जा रही है। घटना के बारे में काराकाट थाना के चौकीदार ने बताया की प्रेम प्रसंग में महिला ने विषपान कर जान दे दी है। जिसके शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतका के भाई ने बताया कि उसकी बहन एक युवक से प्रेम करती थी। प्रेमी के साथ पिछले कुछ पूर्व प्रेमिका अपने प्रेमी के घर चली गई थी और उसी के घर पर कुछ दिनों से रह रही थी।

इसी बीच किसी कारण बस उसका प्रेमी उसे छोड़कर भाग गया। जिसका सदमा वो बर्दाश्त नहीं कर सकी और डिप्रेशन में आकर उसने विषपान कर अपनी जान दे दी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। और पूरे इलाके में दोनों के प्रेम की कहानी की चर्चा जोरों पर है।

पहली बार इन जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी

अगले दो दिनों तक पड़ेगी भीषण गर्मी

पटना (एजेंसियां)। बिहार में पारा झुलसाने लगा है। कई इलाकों में लू के कारण आम लोग परेशान हो गए हैं। मौसम विभाग में कई स्थानों पर रेड अलर्ट जारी किया। साथ ही लोगों से दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक घर से नहीं निकलने की अपील की है।

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, नवादा, शेखपुरा, खगड़िया एवं भागलपुर जिले कुछ इलाकों में भीषण उष्ण लहर का रेड अलर्ट जारी किया है।

वहीं सीवान, दरभंगा, सुपौल, पूर्णिया, अररिया, कटिहार, रोहतास, भोजपुर, कैमूर, औरंगाबाद, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, जमुई, एवं बांका जिले के कुछ स्थानों पर औरेंट अलर्ट जारी किया गया है। वहीं राज्य के बक्सर, भोजपुर, शिवहर, मधेपुरा एवं सहरसा जिले के कुछ स्थानों पर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटो के दौरान राज्य में शुष्क मौसम रहेगा बेहद गर्म हवा चलेगी। तराई वाले भाग सुबह और शाम ठंडी रह सकती है, लेकिन, दिन में मौसम गर्म ही रहेगा। पूरे दक्षिण बिहार तापमान 42 से 44 डिग्री सिल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है। लू जैसे हालात पूरे दक्षिण बिहार में बने रहेंगे। भीषण गर्मी का वातावरण बना हुआ है।

मौसम विभाग ने 30 अप्रैल से 2 मई के बीच बिहार के दक्षिणी भागों में मौसम के पूर्वानुमान में बताया है कि आसमान से आग उगलने जैसी गर्मी पड़ने जा रही है। मौसम विभाग ने लोगों से सन स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्तियों को बचाने के कई सुझाव दिए हैं। मौसम विभाग ने सन स्ट्रोक से प्रभावित लोगों के लिए सुझाव में बताया है कि उसे जल्द से जल्द छाया में ले जाए, गीले कपड़े से उसके बदन को पोछे, ओआरएस का घोल पिलाई, नींबू की शरबत दें और फ़िर तुरंत उन्हें प्राथमिक उपचार केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराये।

मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान सबसे गर्म जिला के रूप में शेखपुरा 44 डिग्री दर्ज किया है, जबकि सबसे कम समस्तीपुर का न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम के लिहाज से प्रचंड गर्मी का रूप बिहार के कई जिलों में रहने वाला है।

कई जगहों पर परिस्थितियों इतनी विषम हो जाएगी कि बचे हुए अप्रैल के दिनों में जो मई के मध्य दिनो को देखने को मिलता है। वहीं रहने का पूर्वानुमान है।

भीषण गर्मी और गर्म हवाओं के झोंके का लीची पर असर

कई डाली सूखी, किसानों ने जताई चिंता

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के मुसहरी प्रखंड, बोचहा प्रखंड और बंदरा प्रखंड के किसान मौसम की बेरुखी से मायूस है। तेज पछुआ हवा के थपेड़े और तेज लू के असर अब ज्यादातर लीची पर भी पड़ने शुरू हो गए हैं। जिसका असर पेड़ में लगे फ़सल पर पड़ने लगा है। किसानों ने बताया की अगर जल्द ही मौसम ठीक नहीं हुआ तो इसका असर उत्पादन पर पड़ सकता है और विशेष कर लीची में प्रसिद्ध शाही लीची पर पड़ेगा।

दरअसल इस बार अप्रैल माह में हीं मौसम का मिजाज कुछ ज्यादा तल्ख है। स्थिति यह है कि दिन का तापमान 40 से 41 डिग्री और कभी-कभी उससे भी उपर पहुंच जा रहा है। अब ऐसे में लीची के पेड़ पर व्यापक असर पड़ रहा है और मौसम की तल्खी का नुकसान किसान को होने लगा है। तेज पछुआ हवा और भीषण गर्मी के कारण जहां पेड़ में लगे छोटे छोटे लीची के फल समय से पहले सूख रहे है, वहीं इसके साथ साथ ये गिरने लगे है।

गौरतलब है कि उत्तर बिहार के जिला मुजफ्फ़रपुर में लीची की सबसे ज्यादा पैदावार होती है। इस बार लीची की फ़सल में मंजर अच्छे आए थे, लेकिन बीते दो हफ्ते से पड़ रही भीषण गर्मी और तेज पछुआ गर्म हवाओं के झोंके ने इसको अपनी आगोश में लेना शुरू कर दिया है। जिसके बाद लीची के बाग में फल कमजोर और तेज धूप में खराब और जलने लगे है। जिसकी वजह से बनी हुई फलियां गिरने लगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com